THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com


## पंचमसाली लिंगायत समुदाय का प्रदर्शन

बेलगावी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पंचमसाली लिंगायत समुदाय के एक लाख से अधिक लोगों ने आज बेलागवी के प्रतिष्ठित सुवर्ण सौधा पर बड़ा विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग की। लिंगायत समूह राज्य की आबादी का लगभग 18 प्रतिशत है। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। बसनगौड़ा पाटिल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं बीएस येदियुरप्पा और बीएस बोम्मई के खिलाफ मुखर रहे हैं। लिंगायत आबादी का 60 प्रतिशत हिस्सा पंचमसाली लिंगायत है। इस समूह ने दावा किया है कि लिंगायत समुदाय का एक बड़ा हिस्सा होने के बावजूद उन्हें आवश्यक राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है।


**वर्ष-27 अंक : 279** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष अमावस्या** 2079 **शुक्रवार, 23 दिसंबर 2022**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# मोदी ने की मास्क पहनने की अपील

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 की स्थिति पर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और सभी राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिव शामिल हुए। इस दौरान कोरोना के नए वैरिएंट के खिलाफ लड़ाई के एक्शन प्लान पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में भीड़ भरे सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने, टेस्टिंग बढ़ाने और जीनोमिक सीक्वेंसिंग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कमजोर और बुजुर्ग समूहों के लिए एहतियाती खुराक को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इस बीच यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र,

कर्नाटक, पंजाब और तमिलनाडु ने भी कोरोना पर समीक्षा बैठकें बुलाई। दूसरी तरफ संसद में आज केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया देश में कोरोना के हालात को लेकर बयान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने चीन और अमेरिका सहित कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वरन अय्यर सहित स्वास्थ्य व गृह मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और अमेरिका में कोविड के बढते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार हरकत में आ गई है। इस सिलसिले में केंद्र सरकार ने बुधवार को एक समीक्षा बैठक की थी। विश्व के कुछ देशों में पिछले दिनों कोविड-19 के बढ़ते मामलों के परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने इस बैठक से ठीक पहले संसद के दोनों सदनों में बयान भी दिया।

## भारत जोड़ो यात्रा का हर यात्री वैक्सीनेट : जयराम रमेश का दावा

चंडीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को केंद्र की चिट्ठी के बाद भारत जोड़ो यात्रा पर रोक लगाने को लेकर मचे घमासान पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हर यात्री वैक्सीनेट है। कांग्रेस सांसद ने कहा है कि हर एक भारत यात्री को कोरोना वैक्सीन की डबल डोज दी गई है। कई ऐसे हैं जिन्होंने बूस्टर डोज भी ली हुई है। हालांकि, राहुल गांधी ने तीनों डोज ली हैं इस पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि यात्रा के अब तक के सफर के दौरान एक भी केस नहीं आया है। केंद्र सरकार यह सब इसलिए कर रही है ताकि ऐसा वातावरण बनाया जाए कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल लोग गैर जिम्मेदार हैं। जयराम रमेश ने कहा कि कोरोना के नाम पर यात्रा को रोकने के लिए सीधा राजनीतिकरण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजनीति कर रहे हैं। इसका मुख्य आधार यह भी है कि राहुल गांधी को जो चिट्ठी भेजी गई है उसका कोई भी वैज्ञानिक आधार नहीं है। कांग्रेसी सांसद ने आरोप लगाया कि केंद्र की ओर से राहुल गांधी को जो चिट्ठी भेजी गई है वह भाजपा सांसदों के कहने पर लिखी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विशेषज्ञ हैं पहले उनसे जांच कराएं। यदि रोक लगानी है तो पहले सरकार को चीन से आयात रोकना होगा, इंटरनेशनल फ्लाइट पर रोक लगानी होगी।

## वैश्विक हालातों पर हमारी नजर : स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना की ताजा स्थिति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में आज बयान जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चीन, दक्षिण कोरिया और जापान सहित कई देशों में कोरोना के मामलों और कोरोना से हुई मौतों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय कोरोना की वजह से दुनिया के कई देशों में खराब हो रही स्थिति पर नजरें बनाए हुए है और हमने अपने यहां पहले से इसके लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि भारत सरकार ने तकनीकी सहायता के अलावा एनडीआरएफ, आयुष्मान योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के जरिए कोरोना महामारी का मुकाबला करने की तैयारी कर रही है।

# पड़ोसी देश अस्थिर, वायु सेना प्रमुख बोले

## समान विचारों वाले देशों के साथ सामूहिक ताकत बढ़ाना जरूरी

**कौन हैं जॉन मियरशाइमर**

वायु सेना प्रमुख चौधरी ने जिन जॉन मियरशाइमर के सिद्धांतों पर चलने का जिक्र किया है, वे अमेरिका के राजनीति विज्ञानी और अंतरराष्ट्रीय संबंधों विद्वान हैं। वे आक्रामक यथार्थवाद का सिद्धांत दुनिया के सामने रखा है। वे शिकागो विश्वविद्यालय में आर वेंडेल हैरिसन विशिष्ट सेवा प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन व पाकिस्तान के साथ लगातार तनाव के बीच एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी लगातार अस्थिर व अनिश्चित बना हुआ है, ऐसे में हमें परस्पर विश्वास करने वाले व समान मूल्यों वाले देशों के साथ मिलकर सामूहिक ताकत बढ़ाना चाहिए। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में वायु सेना प्रमुख चौधरी ने कहा कि परस्पर लाभकारी संबंधों और रणनीतिक साझेदारी के लिए हमें एक स्थिर देश के रूप में अपनी छवि का इस्तेमाल करना चाहिए। इस साझेदारी का पर्याप्त आर्थिक महत्व होना चाहिए। यह जरूरी है कि हम अपनी सामरिक स्वायत्तता को बरकरार रखें। इसके लिए अमेरिकी विचारक जॉन मियरशाइमर द्वारा प्रतिपादित संतुलन की रणनीति पर आगे बढ़ा जा सकता है। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि मौजूदा विश्व व्यवस्था में राष्ट्रीय हित और असल राजनीति किसी भी देश की नीति का निर्धारण करते हैं। ऐसे में प्रतिस्पर्धा और सहयोग के बीच हमेशा घालमेल होता है। सार्थक सहयोग के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी है। हमें अपने अस्तित्व के लिए खुद की रणनीति बनाना होगी, इसमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारे दीर्घावधि लक्ष्यों को नुकसान न पहुंचे। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि मौजूदा संघर्षों के बीच भारत के दीर्घावधि लक्ष्यों को नुकसान न पहुंचे इसकी संतुलित रणनीति संयुक्त राष्ट्र में सामने आई है। दबाव के बाद भी भारत विभिन्न क्षेत्रों से उचित मूल्य पर तेल आयात जारी रखने में सफल रहा।

### नार्को टेस्ट कराने से पलटे आरोपी, अब तीन जनवरी को होगी सुनवाई

देहरादूनअंकिता हत्याकांड में न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटद्वार की न्यायालय में आज हुई सुनवाई के बाद अगली तिथि 3 जनवरी की लगा दी गई है। आरोपी नार्को टेस्ट कराने से पलट गए। अरोपियों की तरफ से उनके वकील अमित सजवाण ने कोर्ट में आपत्ति डाली। अंकिता हत्याकांड के तीनों आरोपियों ने अपने सहमति और असहमति पत्रों को वापस लिया। बचाव पक्ष की ओर से यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया है कि पुलिस नार्को टेस्ट या पोलोग्राफ टेस्ट क्यों कराना चाहती है।

### चाइल्ड पोर्नोग्राफी के खिलाफ दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन मासूम', 36 गिरफ्तार, 105 केस दर्ज

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर बड़ी कार्रवाई की है. दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी रोकने के लिए 'ऑपरेशन मासूम' चलाया. इसके तहत पुलिस ने पूरी दिल्ली में छापेमारी की है. दिल्ली पुलिस ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े 105 केस दर्ज किए है. इसके अलावा इस ऑपरेशन में पुलिस ने 36 आरोपी गिरफ्तार भी किए हैं. एनसीआरबी से मिली शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की है. इससे पहले सितंबर महीने में चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सीबीआई ने 'ऑपरेशन मेघचक्र' चलाया था. इसके तहत 20 राज्यों में 56 जगहों पर छापेमारी की गई थी. यह कार्रवाई सिंगापुर और न्यूजीलैंड की इंटरपोल इकाई द्वारा साझा किए गए इनपुट्स के आधार पर की गई थी. चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर पहले भी कई ऑपरेशन चलाए जा चुके हैं. चाइल्ड पोर्नोग्राफी का मामला देश में लगातार चिंता का विषय रहा है. भारत में सोशल मीडिया साइट्स पर अपलोड होते चाइल्ड पोर्नोग्राफी के वीडियो और कंटेंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जता चुका है.

# सहमति से बने रिश्तों के लिए

## उम्र सीमा कम करने की सरकार की कोई योजना नहीं: केंद्र

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की सहमति से बने रिश्तों में उम्र कम करने को कोई योजना नहीं है. सरकार की ओर से संसद में इस बाबत जानकारी दी गई. दरअसल, राज्यसभा में भाकपा (सीपीआई) सांसद बिनॉय विश्वम के सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही गई. सांसद बिनॉय ने पूछा था कि, "क्या सरकार सहमति की उम्र को वर्तमान 18 से बदलकर 16 वर्ष करने पर विचार कर रही हैं?" तब महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि इसका कोई सवाल ही नहीं उठता.

टोल के अनुसार, स्मृति ईरानी ने इसके जवाब में कहा, 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पास्को) एक्ट, 2012 बच्चों को यौन शोषण और यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है. इसमें 18 साल से कम उम्र का बच्चा आता है. सहमति से बने रिश्तों के लिए सहमति की उम्र कम करने की सरकार की कोई योजना नहीं है. बच्चों के खिलाफ ऐसे अपराधों को रोकने के लिए मृत्युदंड सहित कठोर सजा देने के लिए 2019 में अधिनियम में और संशोधन किया गया था.ट मंत्री ने कहा, "पास्को अधिनियम के तहत धारा 34 पहले से ही बच्चे द्वारा किए गए अपराध और स्पेशल कोर्ट द्वारा उम्र के निर्धारण के मामले में प्रक्रिया प्रदान करती है.' उन्होंने आगे बताया, "यदि विशेष न्यायालय के सामने किसी कार्यवाही में कोई प्रश्न उठता है कि क्या कोई व्यक्ति बच्चा है या नहीं, तो ऐसे प्रश्न का निर्धारण विशेष न्यायालय द्वारा ऐसे व्यक्ति की आयु के बारे में स्वयं को संतुष्ट करने के बाद किया जाएगा.

" मंत्री ने कहा कि बहुमत अधिनियम, 1875, जिसे 1999 में संशोधित किया गया था, बहुमत प्राप्त करने के लिए 18 वर्ष की आयु प्रदान करता है." बाल विवाह पर एक अन्य लिखित प्रश्न के उत्तर में, केंद्रीय मंत्री ने राज्यसभा को सूचित किया कि, "राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में बाल विवाह की संख्या में वृद्धि हुई है. 2019 में बाल विवाह के 523, 2020 में 785 और 2021 में 1050 मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन जरूरी नहीं कि यह वृद्धि को दर्शाता हो.

लोगों में अब जागरूकता बढ़ गई है, इसलिए मामले सामने आ रहे हैं और उन्हें दर्ज किया जा रहा है." केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, "मामलों की उच्च रिपोर्टिंग, बाल विवाह के मामलों की संख्या में वृद्धि को दर्शाती है, लेकिन ऐसा हो ये जरूरी नहीं. हालांकि ऐसा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी), महिला हेल्पलाइन (181) जैसी पहलों के कारण नागरिकों में बढ़ती जागरूकता के चलते हो सकता है."

### नाबालिग ने घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी को दिया अंजाम

**नकदी और गहनों समेत गिरफ्तार**

सीहोर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सीहोर पुलिस ने लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला नाबालिग चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने जिले के थाना पार्वती के जनपद पंचायत ब्लॉक आष्टा में शासकीय मकान में हुई चोरी का खुलासा कर 51 हजार 800 रुपये की नकदी व चोरी गया मंगलसूत्र समेत कुल एक लाख 21 हजार 800 रुपये का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार फरियादी अर्चना सिंह पति अवनीश सिंह ने 17 दिसंबर को थाना पार्वती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया था कि 16 दिसंबर की शाम करीब 6:00 बजे आष्टा से अपने घर महू इन्दौर गई थी,

# मानसिक संतुलन खो दिया

## कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई ने सीमा विवाद पर महाराष्ट्र विपक्ष पर साधा निशाना

बैंगलूरू, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को महाराष्ट्र के विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है. पत्रकारों से बात करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में विपक्षी सदस्यों पर सीमा रेखा का राजनीतिकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा सदन के अंदर और बाहर महाराष्ट्र राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के बयानों से यह आभास होता है कि उन्होंने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है. इससे पहले, एनसीपी नेताओं ने इसका राजनीतिक लाभ लेने के लिए व्यर्थ प्रयास किया था. इस बार, भी, वे ऐसा करने में विफल रहे हैं, वहीं विरोध मार्च को 'राजनीतिक रूप से प्रेरित' बताते हुए, सीएम ने कहा कि केवल विपक्षी दलों के सदस्यों ने इसमें भाग लिया. ऐसे समय में जब दोनों राज्यों के लोग सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए हुए हैं, व्यापार कर रहे हैं और लोग राज्यों के बीच यात्रा कर रहे हैं, ये नेता बड़े पैमाने पर कर्नाटक में प्रवेश करने और लोगों को उत्तेजित करने की कोशिश कर रहे हैं. लोगों का समर्थन नहीं होने के बावजूद, उन्होंने पार्टी के झंडों के साथ मार्च किया. जो दर्शाता है कि केवल विपक्षी दलों के सदस्यों और उनके पदाधिकारियों ने इसमें भाग लिया. यह भी स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मार्च राजनीति से प्रेरित था. सीएम ने कर्नाटक के कांग्रेस नेताओं से अपने महाराष्ट्र समकक्षों से बात करने के लिए कहा. उन्होंने कहा यह सड़कों पर हल करने का मुद्दा नहीं है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी यही बात कही थी. यह महाराष्ट्र था जो सीमा मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट गया और बाद में इसे महसूस हुआ कि इसका मामला बहुत कमजोर था. इस वजह से कि वे ऐसी स्थिति पैदा करना चाहते थे और इसका फायदा उठाना चाहते थे. यह सफल नहीं होगा.' बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक पुलिस राज्य पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति को पीछे हटाने के लिए 'मजबूत' है.

### सोशल मीडिया पर हथियार के साथ रील बनाना पड़ा भारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में 14 दिसंबर को एक टनल के पास लग्जरी कार के साथ एक शख्स ने स्टंट करते हुए वीडियो बनाया. वीडियो में युवक हाथ में हथियार लेकर फिल्मी स्टाइल में चलते हुए आगे आता है और फिर फायरिंग भी करता है. शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद औरंगाबाद की फुलम्बरी पुलिस ने अज्ञात युवक के नाम एफआईआर दर्ज की और गाड़ी नंबर की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया. आरोपी पुलिस की पकड़ में आ गया. आरोपी की पहचान चंद्रकांत उर्फ बालू गायकवाड़ के रूप में हुई है.

**वीडियो में हथियार के साथ रील बनाना युवक को पड़ा भारी**

वीडियो में इस्तेमाल की गई गाड़ी और हथियार को भी बरामद कर लिया है. पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी ने वीडियो में अपने एक मित्र के जरिये स्पेशल इफेक्ट डालकर उसे एडिट करवाया था. जिस हथियार का इस्तेमाल उसने वीडियो में किया है वो टॉय गन है, जिसे उसने स्टंट के लिए इस्तेमाल किया है. पुलिस के मुताबिक, युवक ने इलाके में जलवा कायम करने के मकसद से वीडियो बनाया था.

## नवनीत राणा फर्जी कास्ट सर्टिफिकेट मामले में कोर्ट का आदेश

# पुलिस जल्द ले एक्शन

अमरावती, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमरावती सांसद नवनीत राणा को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. फर्जी जाति प्रमाणपत्र के मामले में शिवड़ी कोर्ट ने पुलिस को कड़े आदेश जारी किए हैं. कोर्ट ने कहा है कि गैर जमानती वारंट के आधार पर पुलिस जल्द से जल्द एक्शन ले. इस मामले में आरोपी नंबर-1 यानी सांसद नवनीत राणा संसद की कार्यवाही में शामिल हैं. कोर्ट ने पुलिस को आदेश देते हुए कहा है कि इस मामले में आरोपी नंबर 2 यानी उनके पिता हरभजन सिंह कुंडलेश पर कार्रवाई की जाए. नवनीत राणा से संबंधित फर्जी कास्ट सर्टिफिकेट मामले में अगली सुनवाई 28 दिसंबर को होगी. इससे पहले बॉम्बे सेशन कोर्ट ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया था.

**बॉम्बे सेशन कोर्ट से अर्जी खारिज**

अदालत ने सुनवाई के समय लगातार गैर हाजिर होने के चलते पहले जमानती वारंट और बाद में गैर-जमानती (एनबीडब्ल्यू) जारी किया था. नवनीत राणा और उनके पिता हरभजन सिंह कुंडलेश ने इस मामले में बरी करने को लेकर बॉम्बे सेशन कोर्ट में अर्जी डाली थी, जिसे कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दिया था. उन्होंने शिवड़ी कोर्ट के आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की थी.

**राणा पर क्या है आरोप?**

अमरावती से सांसद नवनीत राणा पर आरोप है कि उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में फर्जी कास्ट सर्टिफिकेट दिया था. इस फर्जी प्रमाण पत्र के खिलाफ शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल ने शिकायत दर्ज कराई थी. इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने जून 2021 में नवनीत राणा का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया था. कोर्ट ने इस दौरान कहा था कि इस जाति प्रमाण पत्र को जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया था. हाईकोर्ट ने उनके ऊपर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था.

### आज शिमला लौटेंगे सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू परसों राजभवन में शपथ लेंगे कैबिनेट मंत्री

शिमला, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आज शुक्रवार को दिल्ली से शिमला लौटेंगे। 24 दिसंबर शनिवार को कैबिनेट मंत्रियों को राजभवन में शपथ दिलाई जाएगी। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बताया जा रहा है कि 25 दिसंबर से राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने प्रदेश से बाहर के दौरे पर जाना है। संभवतः इसलिए ऐसा किया गया है। ऐसे में कैबिनेट विस्तार कार्यक्रम में बहुत विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह 18 दिसंबर को नई दिल्ली में संक्रमित हुए थे। बताया जा रहा है कि वे अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू का 19 दिसंबर को प्रधानमंत्री से मुलाकात प्रस्तावित थी। 18 दिसंबर को उनका कोविड टेस्ट हुआ था और रिपोर्ट पॉजीटिव आई। सुक्खू भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए राजस्थान गए थे। राहुल गांधी के साथ पदयात्रा की थी। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं से दिल्ली में मुलाकात भी की थी। कोरोना संक्रमित होने के बाद से हिमाचल सदन नई दिल्ली में मुख्यमंत्री सुक्खू क्वारंटीन हैं।

# गरुड़ स्पेशल फोर्स अमेरिकी और रूसी हथियारों से लैस, एके-203 राइफल तोड़ेगी दुश्मन का मुंह

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सेना की विशेष गरुड़ इकाई अमेरिकी व रूसी हथियारों से लैस होगी। स्पेशल गरुड़ फोर्स को अमेरिकी सिग सॉयर और रूसी एके-103 असॉल्ट राइफलों समेत नवीनतम हथियार मुहैया कराए गए हैं। गरुड़ इकाई आतंकवाद विरोधी और अन्य विशेष अभियानों में मुख्य भूमिका निभाती है। वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि भविष्य में मेड-इन-इंडिया एके-203 असॉल्ट राइफलें प्रदान की जाएंगी।

**हम सभी बलों में सर्वश्रेष्ठ : कमांडेंट**

गरुड़ रेजिमेंट के ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट ने कहा कि हम सभी बलों में सर्वश्रेष्ठ हैं, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। यह कोई प्रतिस्पर्धा की बात नहीं है, लेकिन हर विशेष फोर्स मानती है कि हम श्रेष्ठ हैं भले ट्रेनिंग की बात हो या हथियारों की। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम किसी से पीछे हैं, हम सभी सेनाओं भले वह विदेशी हो या देशी, हम सर्वश्रेष्ठ हैं।

**एलएसी पर तैनात हैं गरुड़ कमांडो, चीनी सेना पर पैनी नजर**

हाल में आई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2020 से ही भारतीय वायुसेना के गरुड़ स्पेशल फोर्स के कमांडो वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर विशेष अभियानों के लिए तैनात हैं। गरुड़ कमांडो चीन सीमा पर अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर चीनी सेना की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रहे हैं। गरुड़ कमांडो को कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सैन्य अड्डों की सुरक्षा के लिए जाना जाता है। भारतीय वायुसेना ने एलएसी पर तैनात अपने विशेष बलों को एके-103 के साथ अमेरिकी सिग सॉर असॉल्ट राइफल जैसे उन्नत हथियारों से लैस किया है। इसका नवीनतम संस्करण एके-203 मेक इन इंडिया के तहत भारत में निर्मित किया जाएगा। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि गरुड़ स्पेशल फोर्स पूर्वी लद्दाख से लेकर सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश तक चीन सीमा के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात है, जहां वे जरूरत पड़ने पर विशेष अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि एलएसी पर इन गरुड़ कमांडो की तैनाती 2020 से ही है, जब भारतीय वायुसेना ने इस क्षेत्र में चीनी सेना के अतिक्रमण का मुकाबला करने के लिए बड़े पैमाने पर तैनाती की थी।

**गरुड़ कमांडो उन्नत हथियार से लैस**

अधिकारियों ने बताया कि उन्नत हथियार जैसे सिग सॉर असॉल्ट राइफल, एके-सीरीज असॉल्ट राइफल और साथ ही इस्राइली तावोर राइफल गरुड़ कमांडो को मुहैया कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि जवानों के पास गैलिल स्नाइपर राइफल्स के साथ-साथ नेगेव लाइट मशीन गन भी हैं, जो 800-1000 मीटर की दूरी से दुश्मन सैनिकों को मार गिरा सकती हैं।

### 11 साल की किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

रोहतक (हरियाणा), 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली 11 साल की किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म के दोषी गुरुग्राम के युवक हितेश को एएसजे नरेश कुमार की अदालत ने 20 साल कैद व 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा पर बचाव पक्ष का कहना है कि मामले को लेकर हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। मामले के अनुसार मई 2021 में गुरुग्राम का एक युवक अपनी बहन की ससुराल आया हुआ था, जहां पड़ोस के युवक ने शिकायत दी कि उसकी 11 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है।

# ड्रग्स कितनी बड़ी समस्या है, आखिर केंद्र सरकार के एक्शन में होने के पीछे वजह क्या?

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ड्रग्स तस्करी से भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया परेशान है. यह सभी देशों के लिए एक बेहद ही गंभीर और बड़ी समस्याओं में से एक है. भारत में भी आए दिन ड्रग्स की खेप बरामद होने की खबरें आती रहती हैं. ऐसे में केंद्र सरकार के लिए यह एक गंभीर विषय बन गया है. यही कारण है कि बीते दिन यानी बुधवार (21 दिसंबर) को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भी इस मुद्दे को उठाया. शाह ने कहा कि नशा हमारी नस्लों को बर्बाद कर रहा है. नशीले पदार्थों की तस्करी से होने वाली आय से आतंकियों को मदद मिलती है. अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार लगातार ड्रग्स जैसी बड़ी समस्या से निपटने की योजनाएं बना रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त भारत का संकल्प देश के सामने रखा और गंभीरतापूर्वक इस देश में नशे के खिलाफ बहुत सारी कार्रवाई हुई हैं. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोदी सरकार ड्रग्स के कारोबार पर जीरो टॉलरेंस रणनीति पर काम कर रही है. ड्रग्स का प्रचार प्रसार हमारी नस्लों को खराब करता है. ड्रग्स हमेशा से देश के लिए एक बड़ी समस्या रहा है. अमित शाह ने कहा कि नशा आने वाली पीढ़ियों को कमजोर करता है. इसने लाखों परिवारों को बर्बाद कर दिया है और समाज में विभिन्न बुराइयों को जन्म दिया है. नशा देश की अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर देता है. यहां तक कि इससे होने वाले मुनाफे से आतंक को बढ़ावा मिल रहा है, जो एक गंभीर समस्या है.

**ड्रग्स को लेकर क्यों एक्शन में केंद्र**

अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार ने पूरे राज्यों में ड्रग नेटवर्क की मैपिंग की है. अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, अगले दो सालों में ऐसी स्थिति आएगी कि वे सलाखों के पीछे होंगे. 2014 में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद से केंद्र देश में नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए कार्रवाई कर रहा है. शाह ने कहा कि नशीले पदार्थों के व्यापार से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल कुछ देश भारत में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए कर रहे हैं. उन्होंने सदन को विश्वास दिलाया कि मोदी सरकार की ऐसी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है और उन्हें समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

**'पाकिस्तान के साथ अब कोई व्यापार नहीं'**

शाह ने कहा कि पाकिस्तान के साथ अब कोई व्यापार नहीं है, इसलिए सीमा के रास्ते ड्रग्स आने का सवाल ही नहीं उठता. हालांकि, इससे समस्याएं खत्म नहीं होती हैं. ड्रग ड्रोन, तस्करी, सुरंगों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों से आता है. शाह की टिप्पणी पंजाब के बठिंडा से शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल की तरफ से राज्य में आप सरकार पर हमला करने के लिए संसद में मुद्दा उठाए जाने के एक दिन बाद आई है. उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के अधिक सेवन के कारण पंजाब के युवा नष्ट हो रहे हैं और यह खतरा अब धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों जैसे हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात में फैल रहा है.

### महिला के पेट से निकली 382 पथरियां कमर और पेट दर्द के चलते हुई थी भर्ती

कटनी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कटनी में एक महिला के पेट से 382 छोटी बड़ी पथरियां निकलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कमर और पेट दर्द से परेशान एक महिला कटनी जिले के निजी हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी। डॉक्टर ने आयुष्मान कार्ड के जरिए महिला का इलाज शुरू किया, लेकिन शुरुआती इलाज के दौरान उसे किसी तरह की राहत नहीं मिली। वजह समझ में न आने के बाद डॉक्टर ने महिला की सोनोग्राफी कराई, जिसमें महिला के पित्त की थैली में पथरी नजर आईं। पित्त की थैली का साइज छह एमएम से 10 एमएम का होता है, जिसे डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन कर बाहर निकाला। थैली को काटने पर उसमें से छोटी बड़ी मिलाकर 382 पथरी निकली, जिसे देख सब आश्चर्यचकित रह गए। महिला विजयराघवगढ़ के ग्राम हरैया की रहने वाली है। जिसका नाम यशोदा बाई है। महिला पेट और कमर दर्द के चलते हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी। सोनोग्राफी करने पर पथरी दिखते ही डॉक्टर एस.के. सिंह और डॉ दिनकर ने मिलकर करीब 2 घंटे में ऑपरेशन कर लैप्रोस्कोपिक सर्जरी से पित्त की थैली बाहर निकाली। थैली को काटने पर गिनती की तो 382 पथरी समाने आई।

स्वतंत्र वार्ता
# मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2022 3

सुविचार: व्यक्ति को महावीर तभी कहा जाता है जब वह विकट परिस्थितियों का हँसी-खुशी से सामना करता है

## तेलंगाना में पॉम ऑयल की खेती के लिए 4.36 लाख हेक्टेयर की पहचान : किशन

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना में कुल भूमि का 157 ताड़ के तेल की खेती के लिए संभावित है और तेलंगाना राज्य में किसानों को अत्यधिक लाभ पहुंचाता है। किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र ने 2021-2022 से 2025-2026 तक पांच साल के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में खाद्य तेल-ऑयल पाम पर राष्ट्रीय मिशन को मंजूरी दी। योजना का उद्देश्य 2019-20 के दौरान 2025-26 (अतिरिक्त 6.50 लाख हेक्टेयर) के दौरान ऑयल पाम की खेती के क्षेत्र को 3.5 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 10 लाख हेक्टेयर करके विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करना है। कुल लागत में से रु. तेलंगाना जैसे सामान्य राज्यों को 5,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में ताड़ के तेल की खेती के लिए उपलब्ध कुल 27.9 लाख हेक्टेयर संभावित भूमि में से 157 भूमि, यानी 4.36 लाख हेक्टेयर, तेलंगाना में है। तेलंगाना में, आदिलाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, जगतियाल, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली, जोगुलम्बा गदवाल, कामारेड्डी, खम्मम, कोमाराम भीम आसिफाबाद, महबूबाबाद, महबूबनगर, मनचेरियल, मेडचल मलकजगिरी, नगर कुरनूल, नलगोंडा, निर्मल, निज़ामाबाद, पेद्दापल्ले, राजन्ना सिरकिला, रंगा रेड्डी, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, सूर्यापेट, विकाराबाद, वानापर्थी, वारंगल, यदाद्री भुवनगिरी के 27 जिलों में ताड़ के तेल की खेती के लिए 4.36 लाख हेक्टेयर के संभावित क्षेत्र की पहचान की गई है। तेलंगाना सरकार के एक वरिष्ठ सदस्य और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के परिवार के एक सदस्य के एक हालिया बयान ने तेलंगाना राज्य सरकार की एक पहल के रूप में तेल ताड़ की खेती के लिए तेलंगाना के किसानों को दी जा रही सब्सिडी को चित्रित किया।

## तेलंगाना कांग्रेस में संकट, असंतुष्टों से मिले दिग्विजय सिंह

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को पार्टी की तेलंगाना इकाई के असंतुष्ट नेताओं से मिलना शुरू किया, ताकि पिछले कुछ दिनों से पार्टी में संकट का एक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश की जा सके। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा संकटमोचक को हैदराबाद ले जाया गया, वह तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के मुख्यालय गांधी भवन में व्यक्तिगत रूप से नेताओं से मिल रहे थे।

सिंह गुरुवार रात तक नेताओं से मुलाकात कर पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम पर उनकी राय जानेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इन सूचनाओं के आधार पर वह आलाकमान को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। दिग्गज नेता और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव सबसे पहले दिग्विजय सिंह से मिले। प्रत्येक नेता को अपनी बात रखने के लिए 10-15 मिनट का समय दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से नेताओं से मिलना पसंद किया क्योंकि यह महसूस किया गया है कि सभी के साथ एक आम बैठक का परिणाम अराजकता हो सकता है और संकट का समाधान खोजने के उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकता है। वह हाल ही में गठित पार्टी पैनल पर असंतुष्ट नेताओं की आपत्तियों को सुनेंगे।

जैसा कि पार्टी के कुछ नेताओं पर अन्य दलों के लिए काम करके काम करने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है, दिग्विजय सिंह के भी इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना है। सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से भी नेताओं का एक वर्ग नाराज है। माना जा रहा है कि सिंह विभिन्न नेताओं के मन की बात जानने के अलावा अगले साल होने वाले चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करने के लिए उनसे सलाह भी ले रहे हैं।

## पेयजल की पाइप लाइन के कार्य शीघ्र पूर्ण हों : महापौर

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने गुरुवार को जुबली हिल्स वार्ड के तहत कई कॉलोनियों में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जुबली हिल्स वार्ड में एनबीटी नगर में 74.50 लाख रुपये की लागत से पेयजल पाइपलाइन के कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर महापौर ने बताया कि बस्ती, ग्रीन बेल्ट पार्क और बोला नगर कालोनियों में सीवेज पाइप लाइनों के माध्यम से लगातार जल प्रदूषण की पृष्ठभूमि में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पाइप लाइन बहाली का काम किया जा रहा है। वाटर वर्क्स अनुभाग के अधिकारियों को इन क्षेत्रों का निरीक्षण कर कार्यों को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। महापौर ने जुबली हिल्स सर्कल में कई कॉलोनी निवासियों के लिए पीने के पानी को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को उपाय करने का आदेश दिया है।

## महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा-गुडुर सेक्शन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुरूवार को विजयवाड़ा-गुडूर सेक्शन का वार्षिक निरीक्षण किया। उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, शिवेन्द्र मोहन और विभिन्न विभागों के प्रधान प्रमुख व अन्य अधिकारी रहे। महाप्रबंधक ने कृष्णा नहर-तेनाली खंड के बीच लेवल क्रॉसिंग (एलसी) संख्या 306 से अपने निरीक्षण की शुरुआत की।

उन्होंने समपार गेट पर सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया और ऑन ड्यूटी गेटमैन से बातचीत की। इसके अलावा उन्होंने स्टेशन मास्टर कक्ष का विस्तृत निरीक्षण किया, पैनल बोर्ड की जांच की और सुरक्षा, यात्री सुविधाओं/सुविधाओं से संबंधित कार्य प्रक्रियाओं पर स्टेशन मास्टर से बातचीत की। उन्होंने तेनाली रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट और सीनियर सेक्शन इंजीनियर के कार्यालय परिसर का वर्चुअली उद्घाटन किया। उन्होंने बापटला रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया और हरित पर्यावरण को प्रोत्साहित करने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया, स्टाफ क्वार्टरों का निरीक्षण किया। कोना रघुपति, माननीय विधायक, बापटला ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित रेल विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चिराला रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन के कार्यों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने एक प्रमुख पुल का निरीक्षण किया और चिन्नागंजम-उप्पुगुंडुर खंड के बीच ट्रैक गति परीक्षण किया।

## केटीआर ने तेलंगाना भाजपा नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को एक बार फिर काजीपेट में रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करने में तेलंगाना के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा जारी भेदभाव की ओर इशारा किया और राज्य भाजपा से स्पष्टीकरण की मांग की। असम में रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करने की केंद्र की योजना पर एक घोषणा को उद्धृत करते हुए, रामा राव ने कहा कि यह कदम असम के लिए अच्छा था, लेकिन सवाल किया कि काजीपेट रेल कोच फैक्ट्री, एपी पुनर्गठन अधिनियम की धाराओं में से एक, को क्यों हटाया जा रहा है।

तेलंगाना को मना कर दिया। उसने पूछा कि क्या तेलंगाना के भाजपा सांसदों या केंद्रीय मंत्री में से कोई भी जवाब दे सकता है कि वादा किए गए काजीपेट रेल कोच कारखाने से इनकार क्यों किया जा रहा है जबकि अन्य पर विचार किया जा रहा है? उन्होंने यह भी ट्वीट किया "मैं असम के लिए खुश हूं लेकिन तेलंगानामें भाजपा के रीढ़विहीन नेतृत्व को राज्य के लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

## आधार अपडेशन के लिए जिलाव्यापी अभियान चलाने का निर्देश

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि आधार अपडेट के लिए पूरे जिले में व्यापक अभियान चलाया जाएगा ताकि सभी लोगों को इसकी जानकारी हो। जिला अपर कलेक्टर राजेशम, अपर एस. पी. अचेश्वर राव के साथ जिले के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में जिला स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति के गठन की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं और यह समिति तीन माह में एक बार बैठक कर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी।

उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक मंडल में आधार केंद्र स्थापित करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं, मोबाइल नंबर को आधार, बैंक खाते आदि से जोड़ा जाए।

आज शुक्रवार दि.23 दिसम्बर 2022 अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला (रजिस्ट्रेशन नं. 720/2008) 118, मल्काराम, जवाहरनगर (चेनापुर-बालाजी नगर) खापरा मंडल ☎ 7396306337
आज की महाप्रसादी - सुरेशजी पंवार सूर्या किराणा, वेनारामजी माली जय बालाजी इलेक्ट्रानिक्स, लक्ष्मणजी माली बालाजी किराणा, किशोरजी गणेश किराणा के द्वारा रखी गयी है।
महिला मण्डल द्वारा भजन
गौशाला के बैंक एकाउंट मे अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बने
Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal Branch, A/c. No. 62492036580 IFSC Code: SBIN0020435
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड़ ☎ 9573599190 सचिव : मंगलाराम पंवार ☎ 9246108583

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज अमावस्या आज शुक्रवार, 23-12-2022 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
Sri Jain Goshala Estd 14-10-2001
निवेदक : श्री जैन गौशाला
# 6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड़चल ज़िला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited.
Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No .: 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 23-12-2022 को पौष अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है। प्रसाद की व्यवस्था रहेगी
SRI GOPAL GOSHALA TRUST STATE BANK OF INDIA, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 62127047988 IFSC CODE : SBIN0020564
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतबीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, विपुल गोयल - 9391006820, अर्जुन गोयल - 9246565555, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

आज, शुक्रवार 23-12-2022 को पौष अमावस्या के अवसर पर अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पौष अमावस्या हैं इस अवसर पर गो सेवा हेतु गौशाला पधारें। गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail: NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996, TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889 JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा GB GOPAL BALDAWA GROUP गोपाल-मंजू बल्दवा

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022 प्रातः 11 बजे से
पौष अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
इस पावन अवसर पर सभी गौ-भक्तों से निवेदन है कि नीम एवं पीपल के पौधे लाकर गौशाला प्रांगण में लगाएँ
गौ-माता पूजन * भजन भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
भोजन प्रसादी लाभार्थी : श्री नारायणजी सी र वी मेड़चल
दूरभाष : 9866405649, 9989627581, 9949317083, 9395393462
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429 HDFC Bank, Kanajiguda Branch

।। जय गौ माता ।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
कामधेनु गौ मंदिर समर्थ नारायण महाराज
आज शुक्रवार, 23-12-2022 को पौष अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST (For Income Tax Exemptions u/s 80g) A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054 SBI Bank King koti Branch
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790 SBI PPB, Red Hills
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

आज शुक्रवार, 23-12-2022 को पौष अमावस्या है।
जय गौमाता
गौमाता की परिक्रमा करने मात्र से सभी ग्रहों की कृपा प्राप्त होती है, एवं व्यक्ति दीर्घायु ऐश्वर्यवान बनकर पुण्य को प्राप्त करता है।
निवेदक : कार्यसमिति
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद, फोन : 7842048773, 9959271866
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद फोन : 7842048773, 9849666304
पुरानापुल, बहादुरपुरा, जू पार्क से होते हुए ताइबन चौरस्ता से बाएँ ओर सिर्फ 5 मिनट में गौशाला पहुँच सकते है।
किसी भी पारिवारिक शुभकार्य पर गौमाता का स्मरण अवश्य करें।

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

जय श्री राम :: श्री गणेशाय नमः :: (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज दिनाक : 23-12-2022, शुक्रवार
पौष अमावास्या
के अवसर पर पधारे
या देवी श्री आईजी एस वी एस टी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44,मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में मध्यान 2:00 बजे से भजनो का कार्यक्रम रहेगा।
विशेष : पधारे भगतों के लिए मध्यान 2 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्ता गौशाला में रहेगी। गौशाला में पधार कर दान पुण्यकर ,दर्शन ,पूजन , सेवा का लाभ लेकर पुण्यगामी बने।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785 , सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
:: शुभकामनाओं सहित ::
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

आज अमावस्या है।
यह सच है कि भगवान है - यह भी सच है कि इन्हे जीने का अधिकार है यह भी सच है कि आपने इन्हे जीने का अधिकार दिलवाया और अब इनकी सुचारु पालन-पोषण एवं आहार की संपूर्ण आवश्यकता को बडे उदार मन से पूर्ण कर रहे है। यह आपके हृदय मे छिपी करुणा को दर्शाति है। इनकी सेवा मे जारी रहे यह काम
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास 5700 से अधिक गौवंश
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास
गगन पहाड़, राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रोड़ सिटीज़न कांटे के पीछे, हैदराबाद
फोन : 9985385399, 9989403635, 9440437618, 9912142260, 9246522435, 9347211966 9441210591, 9490941319, 9848031111
Scan & Pay
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyderabad, T. S. A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARBOVJNAKU Paytm/Google Pay Number : KARAN CHALLANI - 94909 41319
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE- AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST CANARA BANK - BASHEERBAGH BRANCH HYDERABAD A/c : 0878132000033 IFSC CODE : CNRB0000878

# बेटी की शादी के लिए कुलदीप सेंगर को मिलेगी जमानत?

## हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

उन्नाव, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बीजेपी से निष्काषित पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की अंतरिम जमानत याचिका पर सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। नोटिस जारी कर हाईकोर्ट ने रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। सेंगर को 17 साल की एक लड़की से रेप के मामले में निचली अदालत ने दोषी ठहराया था और इस अपराध के लिए उम्र कैद की सजा सुनाई थी। फैसले के खिलाफ सेंगर की अपील हाईकोर्ट में पेंडिंग है। सेंगर ने बेटी की शादी के लिए कोर्ट से 2 महीने के लिए उसकी सजा निलंबित करने की मांग की है।

2017 में नाबालिग से रेप के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर जेल में सजा काट रहे हैं। बेटी की शादी पर घर जाने के लिए कुलदीप सेंगर ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन हाईकोर्ट ने जमानत याचिका टाल दी थी।

सेंगर ने जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और तलवंत सिंह की पीठ के समक्ष अंतरिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि बेटी की शादी है और उन्हें दो महीने की अंतरिम जमानत दी जाए। इस सुनवाई से जस्टिस तलवंत सिंह ने खुद को अलग कर लिया है।

# राजद नेता की चलाई गोली लोजपा नेता के बेटे को लगी, गंभीर हालत में गया रेफर

औरंगाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद में एक राजद नेता ने विवाद होने पर लाइसेंसी पिस्टल से हवा में फायरिंग कर दी। गोली छत पर खड़े लोजपा नेता के बेटे को लग गई। गंभीर रूप से घायल युवक को लोग आननफानन में औरंगाबाद सदर अस्पताल ले गए। वहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना गुरुवार को मदनपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज में हुई। मदनपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज निवासी ईंट भट्ठा संचालक अमरजीत मेहता शिवगंज में ही राजद नेता मुरारी सोनी से ईंट का एक लाख दस हजार रुपए बकाया मांगने उसके घर पर गए थे। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद होने के बाद यह घटना हुई। ईंट भट्ठा संचालक ने बताया कि बकाया रकम मांगने पर मुरारी भड़क गया और कहा कि कोई बकाया नहीं है। ईंट तुमने पंचायत सरकार भवन निर्माण में दिया है, जिसका मालिक मुखिया है, उसी से पैसा मांगो। इस पर उसने कहा कि पंचायत सरकार भवन के लिए ईंट आप ही ने मंगवाया था। अपना घर बनाने के

लिए भी ईंट ले गए हैं। मेरा 1 लाख 10 हजार का बकाया निकलता है। इसे लेकर ही बहस होने पर राजद नेता मुरारी ने पास से पड़ा डंडा उठाकर उसके सिर पर दे मारा। इससे सिर फट गया। इसपर भी मुरारी शांत नहीं हुआ और अपने लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी। गोली पास में खड़े एक युवक को जा लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली लगने से घायल हुआ युवक रितेश राज (20) शिवगंज के ही लोजपा नेता संतोष साव उर्फ कारू का पुत्र बताया जाता है।

गोली लगने के बाद युवक को आननफानन में स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर रहे उपाधीक्षक डॉ. सुनील कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल की हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर कर दिया। घायल युवक के पिता ने बताया कि राजद नेता द्वारा लाइसेंसी पिस्टल से चलाई गई गोली उनके बेटे को लगी है। मामले की जानकारी मिलने पर अस्पताल पहुंचे औरंगाबाद नगर थानाध्यक्ष सतीश बिहारी शरण ने घायल व उसके पिता का बयान लिया है। आरोपी राजद नेता फरार है।

औरंगाबाद की एएसपी-सह-एसडीपीओ स्वीटी सेहरावत ने बताया कि शिवगंज में दो पक्षों के बीच कुछ विवाद चल रहा था। विवाद में एक पक्ष ने हवाई फायरिंग की।

छत पर खड़े रितेश नाम के एक लड़के को गोली लगी है। उसे बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर किया गया है। आगे घायल के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मदनपुर पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द ही गोली चलाने वाले को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

# 'पहले शिकार थे, अब हिस्सेदार हैं'

## निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद का निशाना आखिर किस पर है?

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद खड़ी-खड़ी बोलते हैं। सीधी बात करते हैं कि हम सरकार में हैं तो कार्यकर्ताओं की अपेक्षा तो होगी ही। दरअसल, पिछले दिनों योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद अपनी मांग को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंच गए। निषाद पार्टी के मुखिया और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने राजनीतिक नियुक्तियों एवं निगम-बोर्ड में कार्यकर्ताओं के समायोजन का सवाल लेकर पीएम नरेंद्र मोदी तक अपनी बात पहुंचाई। इसी को लेकर वे कहते हैं कि कई बार आपके मुद्दे हल नहीं होते तो आपको अभिभावक के पास जाना पड़ता है। पीएम मोदी से मेरी मुलाकात को योगी सरकार के मंत्री के तौर पर नहीं निषाद पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर देखी जानी चाहिए। समायोजन के मुद्दे को प्रदेश की जगह केंद्र के मंच पर उठाने पर उनका कहना है कि जब भाजपा से गठबंधन हुआ था तो जेपी नड्डा यूपी के प्रभारी थे, अब वह राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। गठबंधन को तीन साल हो चुके हैं। कार्यकर्ताओं के भरोसे हम सत्ता में आए हैं। उनकी अपेक्षा होगी ही, इसलिए हमने पीएम से कहा कि अगर इनका समायोजन हो जाएगा तो निषाद पार्टी के और चेहरे भी प्रभावी होंगे, जिसका फायदा हमारे गठबंधन को भी मिलेगा। सरकार में अपनी सुनवाई व भागीदारी के सवाल पर डॉ. निषाद ने कहा कि हम अपनी भागीदारी व भूमिका को लेकर संतुष्ट हैं। सीएम भी हमारी अपेक्षाएं सुनते हैं। विधानसभा में कभी हमारा एक विधायक था, अब 11 हैं। 6 हमारे सिंबल पर है। आज हमारे मुद्दे प्रमुखता से उठते हैं। पहले हम शिकार थे, अब सरकार में भागीदार हैं। इसलिए, उपेक्षा का कोई मसला नहीं है। गठबंधन के भागीदार के तौर पर हम दिल्ली में अपनी अपेक्षा व सुझाव रखते हैं न कि शिकायत करते हैं।

# बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में बवाल, 4 स्टूडेंट्स के सिर फूटे

## रैगिंग को लेकर जूनियर्स को लाठी-डंडों से पीटा, 5 घंटे तक उपद्रव-पथराव

झांसी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झांसी की बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में रैगिंग को लेकर सीनियर्स और जूनियर्स भिड़ गए। देर रात इसके कारण पांच घंटे तक कैंपस में उपद्रव हुआ। सीनियर्स ने जूनियर्स स्टूडेंट्स को कैंपस में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। हमले में 10 से ज्यादा छात्रों को चोट आई हैं। 4 के सिर फट गए हैं। बताया जा रहा है कि सीनियर्स ने इंट्रो लेने के लिए जूनियर्स को हॉस्टल बुलाया था। लेकिन, यह जूनियर्स कैंपस के बाहर किराए पर रहते हैं। ऐसे में उन्होंने मना कर दिया। इसी बात पर सीनियर्स नाराज हो गए। बुधवार को 40-45 सीनियर्स ने यूनिवर्सिटी कैंपस में कार्यक्रम देखने आए 12 जूनियर छात्रों की घेराबंदी करके लाठी-डंडों से पीटा।

**जूनियर छात्रों ने हॉस्टल के गेट पर किया प्रदर्शन**

वहीं, नाराज जूनियर्स गुरुवार को हॉस्टल के गेट एकत्र होकर नारेबाजी की। छात्रों ने कहा कि मारपीट करने वाले सीनियर्स को यूनिवर्सिटी से निष्कासित कर पुलिस के हवाले किया जाए। साथ ही छात्रों ने चीफ प्रॉक्टर इस्तीफा दें। वहीं, सीनियर्स छात्रों ने लॉर्ड बुद्धा हॉस्टल के बाहर प्रदर्शन किए। उनका कहना है कि जूनियर्स आए दिन विवाद करते रहते हैं। जिन चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। उनमें दो छात्र वहां मौजूद ही नहीं थे।

**जूनियर्स बोले- रैगिंग के लिए बुला रहे थे सीनियर**

बीटेक फर्स्ट ईयर के छात्र संस्कार ने कहा मैं यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में न रहकर बाहर रहता हूं। लॉर्ड बुद्धा हॉस्टल के सीनियर रात को फोन करके रैगिंग के लिए बुलाते हैं। गालियां देते हैं। मैंने अपने एचओडी को बताया। उन्होंने कहा कि फोन स्विच ऑफ कर दो। तब मैंने उनकी बात मान ली। हालांकि, फोन ऑन करते ही उनके कॉल दोबारा आने लगते हैं और पूछते हैं कि इंट्रो के लिए क्यों नहीं आ रहे हो? तब मैंने कहा कि हम बाहर रहते हैं, हॉस्टल में इंट्रो देने नहीं आएंगे। क्योंकि, वे हॉस्टल बुलाकर इंट्रो के नाम पर 5-5 घंटे बैठाकर रैगिंग करते हैं।

**पहले फोटो मंगाई, फिर पीटा**

छात्र संस्कार ने कहा, इंट्रो के लिए नहीं गए तो हॉस्टल के सीनियर साजिश रचने लगे। फर्स्ट बैच के जो लड़के यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रहते हैं उनसे मंगलवार को बाहर रहने वाले लड़कों के फोटो और वीडियो मंगवाए। हम इस बात को समझ नहीं पाए। बुधवार शाम को ऑडिटोरियम में प्रोग्राम चल रहा था। मेरे साथ फर्स्ट ईयर के 12 स्टूडेंट्स प्रोग्राम में शामिल होने के लिए गए थे।

छात्र संस्कार ने बताया प्रोग्राम खत्म होने पर शाम 6 बजकर 30 मिनट पर हम लोग बाहर निकले तो हॉस्टल के 40 से 45 सीनियर लाठी-डंडे लेकर खड़े थे। तब जूनियर ने अपने साथियों को बुला लिया। दोनों के बीच बातचीत के दौरान विवाद हो गया। संख्या ज्यादा होने पर हॉस्टल के सीनियर ने जूनियर को पीट दिया। हमले में फर्स्ट ईयर के दीपक वर्मा, साहिल सिंह, सेकंड ईयर के अंकित वर्मा और जीशाम के सिर पर चोट लगी है। हमले के बाद पथराव शुरू हो गया। जूनियर स्टूडेंट्स बचने के लिए बाहर की तरफ भागे। तब सीनियर उनको दौड़-दौड़ाकर पीटने लगे। करीब 300 मीटर दूर कैंपस के बाहर बड़ी संख्या में जूनियर पहुंच गए। फिर रात 11 बजकर 30 मिनट पर जूनियर ने पीटते हुए सीनियर को खदेड़ दिया। कई घंटे तक दोनों तरफ से पथराव और हंगामा हुआ। पूरे उपद्रव के दौरान यूनिवर्सिटी के सिक्योरिटी गार्ड तमाशबीन बने रहे। मारपीट और पथराव के दौरान गार्डों ने न तो बीच बचाव किया और न ही उपद्रवियों को पकड़ने की कोशिश की। छात्रों ने आरोप लगाया कि जब सीनियर पीटते हुए गेट पर आए तो सिक्योरिटी गार्ड मौजूद थे। न तो सिक्योरिटी गार्ड ने उनको रोकने की कोशिश की न ही गेट बंद किया। वहीं, अपने साथियों को घायल देखकर जूनियर्स भड़क गए। वे इकट्ठा होकर यूनिवर्सिटी गेट पर पहुंचे। कानपुर रोड पर जाम लगाने की कोशिश की। पुलिस ने समझाकर जाम खुलवा दिया।

## संजय जायसवाल और विजय सिन्हा के चलते बीजेपी-जेडीयू गठबंधन टूटा

### ये लोग केवल भटर-भटर करते हैं: विजेंद्र यादव

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल और विजय कुमार सिन्हा के कारण एनडीए में टूट हुई। नीतीश कुमार के नेतृत्व में विजय सिन्हा मंत्री थे, लेकिन आज चिल्ला रहे हैं। विजय सिन्हा को आज नीतीश सरकार की खामियां गिना रहे हैं वह पहले अपना परफॉर्मेंस बताएं कि मंत्री रहते हुए उन्होंने बिहार के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि विजय कुमार सिन्हा लंबे समय तक नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री रहे, वह अपने विभाग की उपलब्धि को बताएं। विपक्ष में रहते हैं तो भटर-भटर बोलते रहते हैं और पक्ष में रहते हैं तो काम नहीं करते हैं। इतना ही नहीं, बिजेंद्र यादव ने आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी के उस बयान का भी समर्थन किया है जिसमें उन्होंने भारत के माहौल को खराब बताया था और अपने बच्चों को विदेश में बसने की सलाह दी थी।

## मुख्यमंत्री योगी ने कोरोना की स्थिति पर की समीक्षा

### बोले- लोगों को फेस मास्क के लिए जागरूक करें

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि कोरोना संक्रमण से बचने के लिए कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करवाएं और अस्पतालों, बस, रेलवे स्टेशन, बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाए जाने के लिए लोगों को जागरूक करें। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कोविड की बदलती परिस्थितियों पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग बेहतर समन्वय के साथ तैयारी करें। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य सलाहकार समिति के परामर्श के अनुसार आगे की नीति तय की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार से सतत संपर्क-संवाद बनाए रखें।

उन्होंने कहा कि कोविड की बदलती परिस्थितियों पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। जो भी नए केस मिले, उनकी जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। दैनिक टेस्टिंग को बढ़ाया जाए। गंभीर, असाध्य रोग से ग्रस्त लोगों, बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग बेहतर समन्वय के साथ तैयारी करें। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य सलाहकार समिति के परामर्श के अनुसार आगे की नीति तय की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार से सतत संपर्क-संवाद बनाए रखें।

कोविड प्रबंधन में इंटेग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की उपयोगिता का हम सभी ने अनुभव किया है। गृह, स्वास्थ्य और नगर विकास विभाग परस्पर समंन्वय के साथ आइसीसीसी को फिर से एक्टिव करने की तैयारी करें।

कोविड के बीच अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया गया था। हर जिले में आईसीयू, वेंटिलेटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई थी। सभी अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरणों की क्रियाशीलता, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, हर अस्पताल में पर्याप्त संसाधन होने चाहिए।

# पटना हाईकोर्ट के सामने वकील के अपहरण की अफवाह

## जमुई के मुखिया हत्याकांड के अभियुक्त को पुलिस ने उठाया

पटना/जमुई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नए डीजीपी ने बुधवार को बिहार के पुलिसकर्मियों से कहा था कि आप अपराधी को दौड़ाओ, गुरुवार को सही में पुलिसकर्मियों ने यही कर दिखाया। पटना हाईकोर्ट के गेट नंबर चार के पास अति व्यस्त सड़क पर अचानक एक गाड़ी से सिविल ड्रेस में उतरे पुलिसकर्मियों ने एक अपराधी को दबोच लिया। अफवाह उड़ गई कि पटना में वकील को अगवा कर लिया गया। कोतवाली पुलिस पहुंच गई तो अफवाह को और बल मिला। सामने आया कि जमुई के अलीगंज प्रखंड अंतर्गत दरखा पंचायत के चर्चित नवनिर्वाचित मुखिया जयप्रकाश प्रसाद उर्फ प्रकाश महतो हत्याकांड के आरोपी सिकंदर मलिक को जमुई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वकील के अपहरण की अफवाह उड़ने के संबंध में जानकारी मिली कि गिरफ्तार अपराधी उस समय सफेद कमीज और काले पैंट में था, इसलिए देखने वालों को ऐसा लगा। बिना नंबर की सफेद गाड़ी से सिविल ड्रेस में आई थी पुलिस

पटना में जिस जगह पर यह गिरफ्तारी हुई, वहां अधिवक्ताओं की भीड़भाड़ थी। एक प्रत्यक्षदर्शी अधिवक्ता ने बताया कि सुबह 10:20 बजे बिना नंबर प्लेट की एक सफेद स्कार्पियो से तीन-चार लोग उतरे। एक के पास कमर में पिस्टल भी थी। उनलोगों ने कोर्ट परिसर की ओर घूम रहे व्यक्ति को खींचकर गाड़ी में बैठा लिया था। इस केस में कोतवाली पुलिस के पहुंचने पर भी कुछ खुलासा नहीं हुआ। पुलिस के विभिन्न स्रोतों से पुष्टि के क्रम में सामने आया कि गिरफ्तार व्यक्ति एक हत्याकांड का आरोपी है। यह हत्या 3 दिसंबर की शाम में जमुई के ब्लाडा मोड़ के पास हुई थी। दरखा पंचायत के नवनिर्वाचित मुखिया प्रकाश महतो की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

# 10 लाख का टू इन वन टॉयलेट

## सामुदायिक शौचालय में एक साथ लगाईं दो शीट बड़ा सवाल किस अधिकारी ने पास किया बजट

बस्ती, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बस्ती जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां विकास खण्ड कुदरहा के ग्राम पंचायत गौरा धंधा में एक सामुदायिक शौचालय में एक ही कमरे में दो शौचालय की सीट शौचालय की सीट लगा दी गई। जिसे देखकर अधिकारी भी भौचक रह गए। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर वायरल होने के बाद लोगों में यह शौचालय चर्चा का विषय बन गया है। बीडीओ ने जांच टीम भेजी तो बात सही पाई गई। अब संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। जिला मुख्यालय से करीब 20

किलोमीटर दूर कुदरहा ब्लॉक का है। जहां पंचायती राज अधिकारी शौचालय को देखकर अचरज में पड़ गए। जिसने भी देखा वो सोचने लगा कि आखिर एक समय दो लोग इसका प्रयोग कैसे करेंगे। इस सामुदायिक शौचालय का 10 लाख रुपये की लागत से निर्माण वर्ष 2020 में ही पूर्ण हो गया था।

15 जुलाई 2020 को शौचालय के प्रथम केयर टेकर सुधा देवी ने बताया कि उसी समय से ही दो टॉयलेट सीट लगा हुआ है। वर्तमान समय के केयर टेकर गिरजा देवी सफ़ाई कर्मी मुकुंद नाथ, माधुरी देवी, मीना देवी राम यज्ञ और प्रधान प्रतिनिधि जय सिंह ने बताया कि अधिकारियों को इस बावत जानकारी दी गई है। बताया कि इस विसंगति के कारण इसका आज तक इस्तेमाल शुरू नहीं हो पाया। खंड विकास अधिकारी वर्षा बंग ने बताया कि इसकी जानकारी होते ही जांच टीम को मौके पर भेजी गई थी। जिसमें बात सही पाई गई। ऐसे में जिस पंचायत सचिव के कार्यकाल में इसका धन निकाला गया है, उस पर विभागीय कार्रवाई और धन की रिकवरी की कार्रवाई तत्काल की जा रही है।

# पांचवीं बेटी पैदा हुई तो नवजात के मुंह पर थूका और फिर जड़े थप्पड़

## इस बेरहमी पर डॉक्टर भी चौंके

रायबरेली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के रायबरेली के लालगंज में पांचवीं बेटी होने से खफा एक पिता ने नवजात के मुंह पर थूक दिया। उसे थप्पड़ मारने लगा। बच्चे की रोने की आवाज सुनकर वहां मौजूद चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ अन्य मरीज व उनके तीमारदार भौचक्के रह गए। लोगों ने उसे ऐसा करने से मना किया तो वह झगड़े पर उतारू हो गया। चिकित्सक ने जब पुलिस बुलाने की बात कही तो आरोपी वहां से भाग निकला। गंगापुर बरस गांव निवासी दूरपतिया (30) को प्रसव पीड़ा होने पर पति माधव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। मंगलवार शाम करीब पांच बजे महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। जब जच्चा-बच्चा को लेबर रूम से वार्ड में लाया जा रहा था, तभी बच्ची का पिता बेटी को देख अपना आपा खो बैठा और नवजात के मुंह पर थूक दिया। उसे कई थप्पड़ जड़े। मौजूद अन्य लोगों ने जब उसके इस कृत्य पर एतराज जताया तो वह झगड़े पर आमादा हो गया। हंगामा देखकर वहां तैनात चिकित्सक डॉ. दुर्गेश नंदिनी ने जब पुलिस बुलाकर गिरफ्तार कराने की बात कही तो आरोपी पिता वहां से भाग निकला। वार्ड में भर्ती सैमसी निवासिनी नीतू, कोनी की महिमा सिंह व श्यामा सिंह ने बताया कि लोगों ने जब प्रसूता के पति को ऐसा करने से मना किया तो वह सभी से झगड़ने लगा। प्रसूता ने वहां मौजूद लोगों से बताया कि उसका पति पांचवीं बेटी होने पर नाराज है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार गौतम ने बताया कि आरोपी के इस अमानवीय कृत्य पर फटकारा गया और अस्पताल से जाने के लिए कह दिया गया था।

# कोरोना की चौथी लहर से स्वास्थ्य विभाग बेखबर

## दो ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट के भरोसे पूरा जिला, प्रभारी मंत्री का दावा भी फेल

सीतामढ़ी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना एक बार फिर से लोगों को डराने लगा है, लेकिन सीतामढ़ी में स्वास्थ्य विभाग इससे अनभिज्ञ है, जिससे एक फिर से कोरोना का बड़ा विस्फोट होने की संभावना जताई जा रही है, जबकि कोरोना के संभावित चौथी लहर को लेकर सरकारी स्तर पर केंद्र और राज्य सरकार तो बैठकें शुरु कर दी है, लेकिन सीतामढ़ी के स्वास्थ्य महकमा इससे पूर्णतः बेखबर है। हालांकि स्वास्थ्य महकमा जिले में प्रयाप्त ऑक्सीजन प्लांट का दावा कर रहा है।

सीतामढ़ी जिले में एक मात्र सदर अस्पताल का ऑक्सीजन प्लांट सुचारु रूप से चालू है। स्वास्थ्य विभाग सदर अस्पताल में लगे दो ऑक्सीजन जेनरेट प्लांट के भरोसे पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था का दावा पेश कर रहा है। एक ऑक्सीजन प्लांट कि क्षमता 1200 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन जेनरेट करने की क्षमता है। वही दूसरी की 200 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन जेनरेट करने की क्षमता है।

पिछले दिनों अधिकारियो के साथ वर्चुअल मीटिंग के दौरान प्रभारी मंत्री जमा खां ने कहा था कि सरकार के प्रयास से शीघ्र ही सीएम के द्वारा जिले में ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया जाएगा। अनुमंडलीय अस्पताल पुपरी व बेलसंड को पूरी क्षमता के साथ आधुनिक सुविधा से लैस किए जाने को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके बाद बेलसंड मे तो ऑक्सीजन प्लांट कि शुरुआत कर दी गई थी, लेकिन पुपरी अनुमंडल मे चालू होने वाला ऑक्सीजन प्लांट चालू नहीं हो सका। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र लाल ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। उनका कहना है कि जरूरत पड़ने पर सदर अस्पताल व बेलसंड में संचालित 1400 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन जेनरेट करने वाला प्लांट से ऑक्सीजन प्राप्त किया जा सकता है। बेलसंड का ऑक्सीजन प्लांट ठप नहीं है। आवश्कता पड़ने पर उससे कार्य लिया जाएगा।

# प्रेम विवाह के बाद दो पत्नियों को एक साथ रखना चाहता था पति

## विरोध करने पर दूसरी वाली को मार डाला

आगरा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जिससे प्रेम विवाह किया, उसने पहले प्यार में धोखा दिया। फिर जान ले ली। आगरा का सिक्योरिटी एजेंसी संचालक उदय सिंह ने ज्योति से प्रेम विवाह किया था। जबकि उदय पहले से ही शादीशुदा था। उसकी पहली पत्नी गांव में रहती है। यह बात उसने ज्योति से छिपाई। प्रेम विवाह के बाद ज्योति के साथ शेखर एन्क्लेव में साथ रहने लगा, लेकिन कुछ ही दिनों में उसका राज खुल गया। इसके बाद दोनों में झगड़े होने लगे। उदय दोनों पत्नियां का खर्च नहीं उठा पा रहा था। वह चाहता था कि दोनों पत्नी एक ही घर में एक साथ रहें। ज्योति पर गांव में रहने के लिए दबाव बना रहा था। ज्योति इसके विरोध में थी। ज्योति उसकी दूसरी पत्नी से कोई संबंध रखना नहीं चाहती थी। इसी बात को लेकर झगड़े बढ़ने लगे। मंगलवार को झगड़े के दौरान उदय ने ज्योति की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद थाने पहुंच गया।

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मामला की छानबीन की तो इन सब बातों का खुलासा हुआ। थाना सिकंदरा के प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि ज्योति के पिता बाबूराम पुलिस विभाग में थे। उनकी मौत हो गई थी। मृतक आश्रित में उनकी पत्नी सोना को फालोअर की नौकरी लगी थी। बेटी ज्योति का पहले पति से तलाक हो गया था। इसके बाद वो उदय सिंह की सिक्योरिटी एजेंसी में काम करने लगी। इसी दौरान उसकी दोस्ती उदय से हुई थी। ज्योति और उदय के बीच प्रेम संबंध हो गए। उदय ने अपनी शादी की बात छिपाई। वर्ष 2019 में कोर्ट मैरिज करने के बाद उदय और ज्योति शेखर एन्क्लेव में साथ रहने लगे। तब ज्योति को पता चला कि उदय पहले से शादीशुदा है। इसको लेकर दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। ज्योति का डेढ़ साल का बेटा भी है। मंगलवार को पति-पत्नी में झगड़ा हो गया था। इसी दौरान उदय ने ज्योति की हत्या कर दी।

# पेंसिल का छिलका गले में फंसा, छात्रा की मौत

## दर्द से कराहती मासूम ने तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

हमीरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। इस हादसे ने सबको झकझोर दिया। हमीरपुर के राठ पेंसिल की छीलन गले में फंसने से कक्षा एक की छात्रा की मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ी वीर गांव निवासी नंदकिशोर ने बताया बुधवार शाम उनका पुत्र अभिषेक (12), पुत्रियां अंशिका (8) व अर्तिका (6) छत पर बैठकर पढ़ाई कर रहीं थीं। होमवर्क करने के लिए अर्तिका मुंह में कटर दबाकर पेंसिल छील रही थीं। तभी पेंसिल की छीलन कटर से निकलकर स्वांस नली में फंस गई। दर्द से कराहती मासूम जमीन पर गिरकर तड़पने लगी। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉ. सत्येंद्र यादव ने मृत घोषित कर दिया। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा थी। मां अनीता का रो रो कर बुरा हाल है। डॉक्टर ने बताया परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। सीएचसी के डॉ सत्येंद्र कुमार यादव ने बताया छोटे बच्चों पर नजर रखना आवश्यक है। जिससे हादसों से बचा जा सकता है। कहा कुछ बच्चे लेट कर खाना खाते हैं अथवा पानी पीते हैं। यह जिंदगी के लिए घातक हो सकता है। स्वांस नली में खाना फंसने पर मौत तक हो सकती है। पेन-पेंसिल का प्रयोग सावधानी से कराएं। इनसे बच्चे की आंख जख्मी हो सकती है। बिस्तर पर पड़ी पेंसिल व पेन असावधानी में शरीर पर चुभने की आशंका रहती है। बच्चों की आदत कुछ भी उठा कर मुंह में रखने की होती है जिस पर अभिभावकों को ध्यान देने की जरूरत है।

# दिल्ली में कौन ज्यादा पावरफुल, मुख्यमंत्री या महापौर ?

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में नगर निगम चुनाव के बाद अब मेयर चुनने की बारी है. सीटों की संख्या के हिसाब से आम आदमी पार्टी की जीत तय मानी जा रही है, लेकिन दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने भी मेयर सीट पर दावा ठोक दिया है. एमसीडी में एकीकरण के बाद अब पूरे दिल्ली में सिर्फ एक मेयर होगा. एमसीडी के नियमों में बदलाव होने के बाद मेयर की शक्ति भी बढ़ा दी गई. मेयर की शक्ति बढ़ने के बाद दिल्ली के सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या मेयर का पद अब मुख्यमंत्री से ज्यादा पावर फुल हो जाएगा?

**मेयर के पास कितनी ताकत**

1. नगर निगम के अधिकार से जुड़े कोई भी फैसला लेने के लिए स्वतंत्र.
2. किसी भी फैसले की फाइल उपराज्यपाल या केंद्र के पास भेजने की अनिवार्यता नहीं.
3. निगम का सदन ही सर्वोच्च, विधेयक पास कराने के बाद कानून लागू होगा.
4. दिल्ली नगर निगम का बजट 14,804 करोड़, खर्च करने की स्वतंत्रता.
5. निगम के किसी भी अधिकारी और कर्मचारियों का तबादला कर सकते हैं.

**दिल्ली मुख्यमंत्री के पास मेयर इतनी भी शक्ति नहीं**

दिल्ली सरकार के अधीन कर्मचारियों का तबादला नहीं कर सकते हैं.
सरकार से जुड़े फैसले खुद ले सकते हैं, लेकिन उपराज्यपाल से मंजूरी अनिवार्य है.
दिल्ली सरकार की सभी फाइलों की मंजूरी के लिए केंद्र और उपराज्यपाल के पास भेजना अनिवार्य.
दिल्ली सरकार का बजट 75,800 करोड़ पर खर्च के लिए परमिशन जरूरी.
अब सवाल मेयर पावरफुल या मुख्यमंत्री?

**मेयर क्या होता है, कैसे चुना जाएगा?**

मेयर यानी महापौर किसी भी नगर निगम के प्रमुख को कहा जाता है. किसी एक शहर की बुनियादी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी महापौर के पास होती है. मेयर अपनी कैबिनेट यानी मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) का गठन करते हैं. एमसीडी में नियमों में बदलाव के बाद दिल्ली में 5 साल के लिए 250 पार्षद चुने जाएंगे. यही पार्षद मेयर का चुनाव करेंगे. हालांकि, लोकसभा और राज्यसभा के मेंबर भी इसमें वोटिंग कर सकते हैं. मेयर का कार्यकाल एक साल के लिए होगा.

**अब मुख्यमंत्री के बारे में...**

**मुख्यमंत्री किसी भी राज्य क्षेत्र का प्रशासक होता है, जो कानून-व्यवस्था और राजस्व समेत तमाम जनहित से जुड़े नियम बना कर लागू करवाता है. हालांकि, दिल्ली की स्थिति उलट है. राजधानी होने की वजह से दिल्ली में मुख्यमंत्री के पास कोई भी अधिकार नहीं दिया गया है. संविधान की धारा 239 एए के मुताबिक दिल्ली के मुख्यमंत्री को सभी फैसलों की फाइल उपराज्यपाल के पास भेजना अनिवार्य होगा. साथ ही इन फैसलों को उपराज्यपाल मानने के लिए बाध्य नहीं हैं. अरविंद केजरीवाल सरकार ने इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है.**

**इसे 2 सिनेरियों के जरिए आसानी से आप समझ सकते हैं...**

1. मेयर अगर आप का बना- इस स्थिति में मुख्यमंत्री ही पावरफुल रहेगा. क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आप के राष्ट्रीय संयोजक भी हैं. नगर निगम चुनाव के प्रमुख चेहरा भी रहे हैं. मेयर जो भी बनेगा, वो मुख्यमंत्री से हर काम में सलाह जरूर लेगा और सरकार का आदेश भी मानेगा.

2. मेयर अगर बीजेपी का बन गया- इस स्थिति में टकराव बढ़ेगा. क्योंकि मेयर सरकार के आदेश मानने के लिए बाध्य नहीं है. नगर निगम मेयर के पास मुख्यमंत्री से ज्यादा पावर है. ऐसे में यहां मुख्यमंत्री कम पावरफुल होंगे.

**दिल्ली मेयर की रेस में कौन-कौन आगे...**

दिल्ली में पहला साल के लिए मेयर का पद महिलाओं के लिए आरक्षित है. ऐसे में आम आदमी पार्टी से 4 नाम इस रेस में सबसे आगे है. रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली महिला आयोग की सदस्य रहीं प्रोमिला गुप्ता और सारिका चौधरी, आप महिला इकाई की प्रदेश संयोजक निर्मला कुमारी और पार्टी की एसटी/एससी विंग की उपाध्यक्ष प्रियंका गौतम का नाम चर्चा में है. मेयर के अलावा डिप्टी मेयर और 6 मेयर इन काउंसिल का भी चुनाव होना है. 27 दिसंबर को मेयर चुनाव के लिए नामांकन शुरू होगा और 6 जनवरी को वोट डाले जाएंगे.

## अस्पताल की अलमारी में बेटी का शव, बिस्तर के नीचे मां की लाश मिलने से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

अहमदाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है जहां एक ही अस्पताल में मां और बेटी दोनों के शव मिले हैं। बताया जा रहा है कि बेटी का शव ऑपरेशन थियेटर की अलमारी में मिला और फिर पलंग के नीचे से मां की लाश मिली। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के कागडापीठ पुलिस थाने की सीमा के भीतर भूलाभाई पार्क के पास स्थित अस्पताल के अंदर से बहुत दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर के अंदर एक अलमारी को अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा खोला गया। अलमारी खुलते ही सभी के होश उड़ गए। अंदर जो नजारा था वह भयावह था। दरअसल, उस अलमीरा में एक 30 साल की महिला का शव रखा हुआ था।

**बिस्तर के नीचे मां का शव मिला**

इसके बाद जब आसपास और भी जांच की गई तो वहीं बिस्तर के नीचे एक और महिला का शव मिला जो कि उस महिला की मा बताई जा रही है। घटना सामने आने के बाद अस्पताल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। वारदात की जानकारी होने पर स्थानीय थाने का अमला अस्पताल पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

# मोरबी पुल हादसा

## गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी जांच में प्रगति की रिपोर्ट, ओरेवा कंपनी को नोटिस जारी

मोरबी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने मोरबी पुल हादसे पर राज्य सरकार से जांच में प्रगति की रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। कोर्ट ने पूछा है कि अब तक घटना की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने क्या किया है, उस पर उसे पूरी जानकारी दी जाए। साथ ही हाईकोर्ट के पिछले आदेश पर क्या कदम उठाए गए, इसके बारे में भी बताया जाए। इतना ही नहीं हाईकोर्ट ने पुल का रेनोवेशन करने वाले ओरेवा ग्रुप को भी नोटिस जारी किया है। इसी साल अक्तूबर में हुए इस हादसे में 135 लोगों की मौत हुई थी। हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई कार्यवाही में कंपनी को प्रतिवादी बनाने की मांग की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की खंडपीठ ने अजंता कंपनी को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि कंपनी को हादसे से हुई क्षति के भुगतान के लिए उत्तरदायी बनाया जाए।

# तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल सस्पेंड

## गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश, ठग सुकेश ने लगाए थे वसूली के आरोप

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल को सस्पेंड कर दिया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि गृह मंत्रालय ने बुधवार रात उनके निलंबन का आदेश जारी किया। उनके तबादले के एक महीने बाद यह कार्रवाई की गई और उन्हें दिल्ली पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है। गृह मंत्रालय की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब 200 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने पिछले महीने सनसनीखेज दावा किया था कि उन्होंने मंडोली जेल में गोयल को अपनी सुरक्षा के लिए प्रोटेक्शन मनी के रूप में 12.5 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उन्हें आम आदमी पार्टी के मंत्री सत्येंद्र जैन को 10 करोड़ रुपए की प्रोटेक्शन मनी देने के लिए मजबूर किया गया था। चंद्रशेखर ने दावा किया कि वह आप नेता को 2015 से जानते थे। उसने आरोप लगाया कि सत्येंद्र जैन और दिल्ली के तत्कालीन जेल महानिदेशक संदीप गोयल की ओर से धमकियां मिल रही हैं।

**'सत्येंद्र जैन ने जेल में सुरक्षित रहने के लिए पैसे मांगे'**

चंद्रशेखर ने अपने पत्र में दावा किया कि जैन ने तिहाड़ जेल में उनसे मुलाकात की, जहां वह 2017 में टू लीव सिंबल करप्शन केस में बंद था। उसने आगे कहा कि जेल मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे जैन ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने आप में अपने योगदान के संबंध में जांच एजेंसी को कुछ भी बताया है। ठग ने आरोप लगाया कि उसके बाद 2019 में फिर से सत्येंद्र जैन और उनके सचिव और उनके करीबी दोस्त सुशील मुझसे जेल में मिले, उन्होंने मुझे जेल में सुरक्षित रूप से रहने के लिए, और यहां तक कि बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करने के लिए हर महीने 2 करोड़ रुपए देने के लिए कहा। उसने पत्र में लिखा कि जैन ने मुझे डीजी जेल संदीप गोयल को 1.50 करोड़ रुपए का भुगतान करने के लिए कहा। मुझे भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया और लगातार दबाव के माध्यम से दो-तीन महीने के अंदर मुझसे 10 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई।

**चंद्रशेखर का दावा- जैन को 10 करोड़ और गोयल को 12.50 करोड़ रुपए दिए**

चंद्रशेखर ने दावा किया कि जैन के सहयोगियों के माध्यम से कोलकाता में राशि इक्ट्ठी की गई थी। कुल 10 करोड़ रुपए सत्येंद्र जैन को और 12.50 करोड़ रुपए डीजी जेल संदीप गोयल को दिए गए। यह मामला सामने आने के बाद 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय बेनीवाल को गोयल की जगह दिल्ली की तिहाड़ जेल का महानिदेशक (जेल) नियुक्त किया गया था।

**केजरीवाल के मंत्रियों पर ठग सुकेश के आरोप सही**

इससे पहले जांच कमेटी की रिपोर्ट में ठग सुकेश चन्द्रशेखर ने केजरीवाल के मंत्रियों तिहाड़ जेल में बंद जेल मंत्री सत्येंद्र जैन, राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत और जेल के डीजी संदीप गोयल पर उगाही के जो आरोप लगाए थे, वे सही पाए गए हैं। दरअसल, सुकेश के आरोपों को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में तीन सदस्यों वाली हाई पॉवर कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने सुकेश से जेल में दो बार मुलाकात की और मामले की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

## दबंगों ने अंतिम संस्कार करने से रोका, अर्थी को करना पड़ा पांच घंटे इंतजार, बुलानी पड़ी पुलिस

छतरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के एक गांव में शवयात्रा रोके जाने और अन्तिम संस्कार न करने देने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के बाद अंतिम संस्कार करने पर रोक लगा दी। बाद में मामला इतना बढ़ा कि पुलिस प्रशासान को हस्तक्षेप करना पड़ा किया, लेकिन तब भी मामला शांत नहीं हुआ। दरअसल दबंगों ने वाद विवाद करके अंतिम संस्कार नहीं होने दिया। जिसके बाद पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारी, पटवारी, तहसीलदार मौके पर पहुंचे। जहां तहसीलदार ने किसी तरह मामले को सुलझाया तब कहीं जाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पांच घंटे बाद अंतिम संस्कार हो सका। मामला छतरपुर जिले की महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज दीक्षित के गृहग्राम उर्दमऊ का है। यहां अंतिम संस्कार को लेकर विवाद की स्थिति बन गई।

# सिरसा सांसद का पंजाब के सीएम पर तंज

## दुग्गल बोलीं- नशे के लिए उड़ता पंजाब और राजस्थान जिम्मेदार, स्पीकर ने टोका

हिसार, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल ने अपने संसदीय क्षेत्र में नशे के लिए पंजाब और राजस्थान की कांग्रेस और आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इतना ही नहीं सांसद ने पंजाब के सीएम भगवंत मान का नाम लिए बिना नशे से कोई वास्ता न होने पर भी टिप्पणी की और पंजाब को 'उड़ता पंजाब' बोला। इस पर लोकसभा स्पीकर ने सांसद को किसी दूसरे राज्य पर टिप्पणी करने पर टोका। बता दें कि विरोधी पंजाब के सीएम पर शराब पीने के कई बार आरोप लगा चुके हैं।

**हेमा मालिनी पकड़ी गई**

सांसद सुनीता दुग्गल ने संसद में ड्रग पर चर्चा करते हुए कहा कि मेरा राजनीति में आने का मकसद ही नशा को खत्म करना है। 2014 में रतिया में बुजुर्ग महिलाएं मुझे अलग ले जाकर कहती थी बेटा हमारे बच्चों को नशे से बचा लो। सांसद ने कहा कि ड्रग पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इसके लिए क्या उपाय किए हैं। इस पर किसी ने चर्चा नहीं की। जब हम छोटे-छोटे बच्चे होते थे तो सुनते थे कि हेरोइन पकड़ी गई। हम सोचते कि हेमा मालिनी पकड़ी गई।

**पंजाब में आप और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार**

2019 में एम्स ने अपनी रिपोर्ट में पंजाब, असम, दिल्ली, हरियाणा, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम और उत्तर प्रदेश को ड्रग्स के कारण चयनित किया गया। सांसद ने कहा कि मेरे इलाके में राजस्थान और पंजाब से नशा आता है और अब तो ड्रोन से आने लग गया। दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप की सरकार है। सांसद सुनीता दुग्गल ने बिना नाम लिए पंजाब के सीएम भगवंत पर मान पर तंज कसते हुए कहा कि संसद में पहले लोकसभा के सांसद थे, जिनका नशे से कोई लेना देना नहीं था। अब वे पंजाब के सीएम बन गए हैं।

**उड़ता पंजाब पर सबने चर्चा की**

सांसद ने कहा कि मेरे लोकसभा के तीन जिले ड्रग्स से प्रभावित हैं। हमारी सरकार ने कई प्रोग्राम चलाए हैं। हरियाणा में धाकड़ और क्लीन प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं और हमारे सिरसा के एसपी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। सासंद ने कहा कि पंजाब की धरती ऊर्जावान युवाओं की धरती है। आज जो पंजाब की धरती का हाल हो रहा है, उड़ता पंजाब के बारे में सबने चर्चा की। तब लोकसभा स्पीकर ने सांसद को टोका कि दूसरे प्रदेश के बारे में टिप्पणी मत कीजिए।

**एसपी अच्छा काम कर रहे हैं; सांसद**

सांसद ने कहा कि सिरसा में मौजूदा एसपी अर्पित जैन के नेतृत्व में 17 माह में 811 केस दर्ज किए गए। इस दौरान 1387 लोगों को जेल भेजा गया। इस अवधि के दौरान 8 किलो 799 ग्राम हेरोइन, 60 किलोग्राम अफीम, 5700 किलो चूरा पोस्त, 79 किलो गांजा और 60 हजार नशीली प्रतिबंधित गोलियां बरामद की है। वे अच्छा काम कर रहे हैं।

## दुल्हन की मांग को लेकर सैकड़ों कुंवारे युवकों ने निकाला अनोखा मार्च

सोलापुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में अविवाहित युवकों ने स्त्री-पुरुष के विषम अनुपात के मुद्दे को उठाते हुए अपने लिए दुल्हन की तलाश में मार्च निकाला. बुधवार को एक संगठन द्वारा 'दुल्हन मोर्चा' का आयोजन किया गया. इसके जरिए महाराष्ट्र में पुरुष-महिला अनुपात में सुधार के लिए प्री-कंसेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (पीसीपीएनडीटी) एक्ट को सख्ती से लागू करने की मांग की. साथ ही इसको लेकर जिला कलेक्टर के कार्यालय को एक ज्ञापन भी सौंपा. ज्ञापन में राज्य सरकार से मार्च में भाग लेने वाले अविवाहितों के लिए दुल्हन की व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया है. शादी की पोशाक पहने, घोड़ों पर सवार और बैंडबाजे के साथ कई कुंवारे लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपने लिए दुल्हन की मांग की. ज्योति क्रांति परिषद के संस्थापक रमेश बारस्कर ने कहा, लोग इस मोर्चे का मज़ाक उड़ा सकते हैं, लेकिन गंभीर वास्तविकता यह है कि विवाह योग्य युवाओं को सिर्फ इसलिए दुल्हन नहीं मिल रही है, क्योंकि राज्य में पुरुष-महिला अनुपात विषम है.

# वन विहार में अभी 555 चीतल

## 7 साल में 525 चीतल और 10 काले हिरण हुए शिफ्ट इनकी शिफ्टिंग से अब तक 4 सेंक्चुरी आबाद

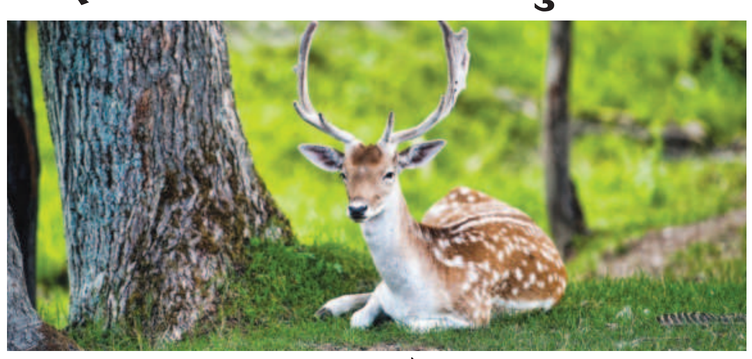

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। वन विहार में फ्री रेंज में घूम रहे चीतलों की संख्या हर साल तेजी से बढ़ रही है। यहां पर केवल 250 चीतल ही नियमानुसार रखे जा सकते हैं। जबकि इनकी संख्या हर साल दोगुनी हो जाती है। शाकाहारी वन्य प्राणी विहीन हो चुकी सेंक्चुरी को आबाद करने के लिए यहां से चीतल शिफ्ट किए जाते हैं। वन विहार के चीतलों से चार सेंक्चुरी आबाद हो चुकी। इसमें रातापानी सेंक्चुरी, खिवनी, रालामंडल और गांधी सागर सेंक्चुरी शामिल हैं। रातापानी सेंक्चुरी में जंगल सफारी शुरू होने के बाद अब एक बार फिर जनवरी में कैप्चर बोमा के माध्यम से चीतलों की शिफ्ट किया जाएगा। वर्तमान में वन विहार में 555 चीतल हैं। पिछले सात सालों में वन विहार से 525 चीतलों और 10 काले हिरण को 4 सेंचुरी में शिफ्ट किया गया है। 2015 में यहां से चीतलों की शिफ्टिंग शुरू हुई थी। वन विहार से देवास वन मंडल के खिवनी सेंचुरी में 110 चीतल शिफ्ट किए जा चुके हैं। देवास वन मंडल के मुताबिक यहां पर चीतलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। रालामंडल सेंक्चुरी और रातापानी सेंक्चुरी में भी 90 से अधिक चीतल शिफ्ट किए जा चुके हैं। गांधी सागर सेंक्चुरी में अब तक 240 चीतल शिफ्ट किए जा चुके हैं। वाइल्ड लाइफ मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि चीतलों की शिफ्टिंग की वजह मांसाहारी वन्य प्राणियों की मवेशियों पर निर्भरता को कम करना है। यदि सेंक्चुरी के कोर एरिया में उन्हें भोजन मिलेगा तो वह मवेशियों का शिकार नहीं करेंगे।

## पढ़ाई ना करने पर छात्र को स्कूल से निकाला, तो पहुंचा डीएम के पास

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बात स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे के मौज मस्ती से जुड़ी है, लेकिन मसला गंभीर है. इस मामले में एक छात्र ने जो किया वो भी काबिलेतारीफ है. जी हां बात हो रही स्कूल में मस्ती करने पर पिटाई, उठक-बैठक और मुर्गा बनाने आदि सजा की. ये बातें आपने पहले भी सुनी होगी, लेकिन इस बार मसला थोड़ा अलग है. अलग इसलिए कि मध्य प्रदेश के रतलाम में मस्ती करने पर कासिम नामक छात्र को स्कूल से निकाल दिया गया. कासिम अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के पास पहुंच गया. इसके बाद कलेक्टर ने छात्र के साथ डिप्टी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूल भिजवाया. दरअसल, रतलाम के ऊकंला इलाके में रहने वाला कासिम माणक चौक स्कूल के कक्षा नवीं का छात्र है. स्कूल प्रबंधन ने छात्र कासिम पर आरोप लगाया कि वह अन्य विद्यार्थियों को उलूल-जुलूल बोलता है. इसके अलावा, विद्यालय में खूब मस्ती करता है. इसी शिकायत के चलते कासिम को स्कूल से निकाल दिया गया.

# पश्चिम बंगाल एसटीएफ को मिली बड़ी कामयाबी, सिलीगुड़ी में संदिग्ध आईएसआई जासूस गिरफ्तार

सिलीगुड़ी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार (21 दिसंबर) को एक संदिग्ध जासूस को जलपाईगुड़ी जिले के सिलीगुड़ी के भारत नगर से गिरफ्तार किया. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध शख्स पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करता था. पुलिस ने कहा कि शक है कि शख्स पिछले कुछ सालों से इस काम में एक्टिव है. बताया कि संदिग्ध जासूस अपनी पत्नी के साथ सिलीगुड़ी के भारत नगर इलाके में किराए के मकान में रह रहा था. अधिकारी ने कहा कि वह शख्स बिहार के चंपारण जिले का रहने वाला है और ई-रिक्शा चलाता था. पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया.

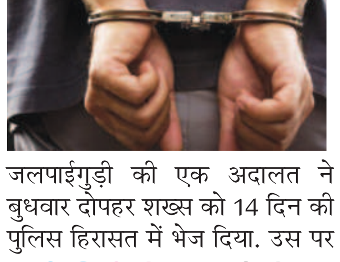

जलपाईगुड़ी की एक अदालत ने बुधवार दोपहर शख्स को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. उस पर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3, 4, 5 और 9 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120 बी के तहत आरोप लगाए गए हैं. एसटीएफ अधिकारी सुदीप भट्टाचार्य ने कहा, एसटीएफ उससे पूछताछ करेगी और जांच को आगे बढ़ाएगी. पश्चिम बंगाल एसटीएफ के अधिकारी का कहना है कि आरोपी शख्स पिछले कुछ समय से सिलीगुड़ी में किराए के मकान में रह रहा था. वह यहां ई-रिक्शा चलाने का काम करता था. इसकी आड़ में वह सेना के साथ-साथ वीवीआईपी की आवाजाही से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेजता था. आईएसआई को खुफिया जानकारी भेजने के लिए वह विशेष तकनीक और सोशिल मीडिया के अलग-अलग संकेतों का इस्तेमाल करता था. एसटीएफ की टीम इस बात की भी छानबीन करने में जुटी हुई है कि वह अकेले यह काम करता था या उसके साथ और लोग भी जुड़े थे. यह कोई पहला मामला नहीं जब बंगाल से किसी को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. सितंबर महीने में बंगाल एसटीएफ ने पाकिस्तान के रावलपिंडी में खुफिया एजेंसियों को सेना के प्रतिष्ठानों के बारे में कथित रूप से संवेदनशील जानकारी भेजने के आरोप में एक 39 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया था. एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार शख्स के पास से कुछ मोबाइल फोन समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किए थे. पूछताछ में पता चला था कि उसने कथित रूप से रावलपिंडी में सेना के प्रतिष्ठानों के बारे में खुफिया जानकारी साझा की थी.

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2022

# सरपंच पति खत्म कर रहे महिलाओं की राजनीति

प्रियंका सौरभ

भारत में, लोकसभा में महिलाओं का अनुपात 2009 में 10.6% से बढ़कर 2014 में 11.4% और 2019 में 14.4% हो गया है। यह देश के इतिहास में संसद में महिलाओं की सबसे अधिक संख्या है। हालांकि, लगातार वृद्धि दिखाने के बावजूद, महिलाओं का अनुपात अभी भी प्रभावित नहीं कर रहा है और बहुत कम बना हुआ है। अंतर-संसदीय संघ की महिला संसदीय प्रतिनिधित्व की वैश्विक रैंकिंग के अनुसार, भारत 2020 में 143वें स्थान पर है, जो पाकिस्तान (106), बांग्लादेश (98), और नेपाल (43) जैसे एशियाई समकक्षों से पीछे है। महिला सशक्तिकरण के लिये शासन द्वारा नौकरियो से लगातार जनता के मध्यम सेचुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों केपदों में महिला आरक्षण की व्यवस्था की गई है। 73 वे संवैधानिक संशोधन के माध्यम से, पंचायतों में एक तिहाई सीटें महिलाओ के लिये आरक्षित की गई थी। कई राज्यों ने आरक्षित सीटों की मात्रा पचास प्रतिशत तक बढ़ा दी। इसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और जमीनी स्तर पर राजनीतिक प्रक्रिया और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। हालांकि महिलाओ की खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति और प्रचलित पितृसत्तात्मक स्थापना के कारण, पंचायत स्तर पर महिलाओ को नेतृत्व का पूरा लाभ नही मिल पाया। राजनीतिक शक्ति और निर्णय लेले का काम निर्वाचित महिला प्रतिनिधियो के पतियों द्वारा किया जाता है और इस घटना को सरपंच पति के रूप में जाना जाता है। सरपंच पति बैठकों में जाते है और महिला सरपंच को घूंघट में कैद करके रखा जाता है। जब तक घूंघट रहेगा तब तक महिलाये आगे नही बढ सकती। ऐसे कई मामले सामने आये है जिनमें बताया गया है कि सरपंच पति ग्राम पंचायत के सारे कामकाज में दखल देते है साथ ही उन पर अभद्रता के आरोप भी लगाये गए है।कानून ने महिलाओं को अधिकार दिये है। जब कानून महिलाओ को अधिकार देता है तो उन्हें राजनीतिक नेतृत्व का अवसर भी मिलना चाहिये। उन्हें सामाजिक, आर्थिक कार्यो के साथ-साथ राजनीतिक कार्यों में भी आगे बढना चाहिये। पंचायतो में सीटों का आरक्षण महिलाओ के सशक्तिकरण के लिये क्रान्तिकारी कदम था। कम प्रतिनिधित्व का कारण पितृसत्ता आज भी एक कारण है, महिलाओं के पास हालांकि शक्ति है लेकिन वे इसका अनुभव नहीं करती हैं क्योंकि निर्णय पुरुष भागीदारों या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा प्रभावित होते हैं। सरपंचपति के निर्माण के रूप में यह पंचायती में बहुत अधिक दृष्टिगोचर होता है। राजनीतिक शिक्षा का अभाव महिलाओं की सामाजिक गतिशीलता को प्रभावित करती है। शैक्षिक संस्थानों में प्रदान की जाने वाली औपचारिक शिक्षा नेतृत्व के अवसर पैदा करती है और नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती है। राजनीति की समझ न होने के कारण उन्हें अपने बुनियादी और राजनीतिक अधिकारों की जानकारी नहीं है। कार्य-जीवन संस्कृति में महिलाएं दीवारों के पीछे अधिक सीमित होती हैं, इस प्रकार बच्चों के पालन-पोषण जैसे घरेलू कार्यों को सुनिश्चित करना पड़ता है। इसका असर उनके राजनीतिक करियर पर पड़ता है। संसाधनों की कमी राजनीति और सार्वजनिक जीवन में भाग लेने से रोकने के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी सबसे बड़ी बाधा है। महिलाओं को चुनाव लड़ने के लिए राजनीतिक दलों से पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं मिलती है। कुल मिलाकर राजनीतिक दलों का वातावरण भी महिलाओं के अनुकूल नहीं है, उन्हें पार्टी में जगह बनाने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है और बहुआयामी मुद्दों का सामना करना पड़ता है। राजनीति में हिंसा बढ़ती जा रही है। अपराधीकरण, भ्रष्टाचार, असुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि ने महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र से बाहर कर दिया है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को देखे तो जर्मनी, न्यूजीलैंड और ताइवान कुछ ऐसे देश थे जिन्होंने प्रभावी रूप से महामारी को तेजी से नियंत्रित किया। उनके बीच सामान्य बात यह है कि सभी राज्य प्रमुखों के रूप में महिलाओं द्वारा शासित हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी, महिला राज्यपालों वाले राज्य ने अपने पुरुष समकक्षों को पीछे छोड़ दिया। महिला विधायकों या राज्य प्रमुखों को अधिक महिला केंद्रित माना जाता है। भारतीय पंचायती व्यवस्था में देखा जा सकता है जहाँ महिला प्रधानों ने सार्वजनिक शौचालयों, स्वयं सहायता समूहों, घरेलू हिंसा आदि जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है। जिस दर पर महिलाएं कार्यालय में संपत्ति जमा करती हैं, वह पुरुषों की तुलना में प्रति वर्ष 10 प्रतिशत अंक कम है। ये निष्कर्ष प्रायोगिक साक्ष्य के साथ मेल खाते हैं कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक न्यायपूर्ण, जोखिम-प्रतिकूल और आपराधिक और अन्य जोखिम भरे व्यवहार में संलग्न होने की संभावना कम हैं। यह पाया गया कि पुरुष और महिला राजनेताओं के अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए संघीय परियोजनाओं पर बातचीत करने की समान संभावना है। हालांकि, इन परियोजनाओं के पूरा होने की देखरेख करने की संभावना महिलाओं की अधिक होती है। उदाहरणः महिला-नेतृत्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों में अधूरी सड़क परियोजनाओं का हिस्सा 22 प्रतिशत अंक कम है। चुनाव के लिए खड़े होने पर पुरुष विधायकों के खिलाफ आपराधिक आरोप लंबित होने की संभावना लगभग तीन गुना अधिक होती है।

महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में पुरुषों के समान अधिकार होने चाहिए। भले ही संविधान महिलाओं को सभी क्षेत्रों में समान अधिकार की गारंटी देता है, सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों को समानता के आधुनिक लोकाचार के अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। शासन के संस्थानों जैसे अदालतों, पुलिस, प्रशासनिक निकायों आदि को लैंगिक समानता पर ध्यान देना चाहिए। ज़िपर सिस्टम रवांडा जैसे देशों में अपनाई जाने वाली प्रथा है जहां पार्टी में हर तीसरी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित है। बेहतर परिणाम के लिए इस तरह के बदलावों को अपनाया जा सकता है। जीवन के सभी क्षेत्रों में शिक्षा और समान स्वास्थ्य पहुंच प्रदान करने से महिलाओं को राजनीति और सार्वजनिक क्षेत्र में भाग लेने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है। महिलाओं की भागीदारी के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों महत्वपूर्ण हैं। पैतृक संपत्ति में महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बावजूद महिलाओं को संपत्ति के अधिकार से वंचित रखा जाता है और इस प्रकार उनके पास आर्थिक संसाधनों की कमी होती है। संपत्ति के अपने अधिकार के बारे में समाज और महिलाओं के साथ सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। सामाजिक जागरूकता अभियान, शैक्षणिक संस्थानों, मीडिया, धार्मिक नेताओं, मशहूर हस्तियों, राजनीतिक नेताओं आदि की मदद से ठोस सामाजिक अभियानों के माध्यम से महिलाओं के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे पूर्वाग्रहों को खत्म करने की जरूरत है। हम निश्चित रूप से पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता लाने के लिए ग्लोबल जेंडर रिपोर्ट 2021 के अनुसार 135 साल तक इंतजार नहीं करना चाहते हैं। महिलाओं की भागीदारी सदियों से चली आ रही है और हम जिन गंभीर परिस्थितियों में हैं, उसे देखते हुए ये कच्चे कदम हैं, इसलिए, ऐसी नीतियों की तत्काल आवश्यकता है जो बेहतर सुधार सुनिश्चित कर सकें। परन्तु सरपंच पति प्रथा ने महिलाओ को पहले जहा थी वही लाकर खड़ा कर दी है। इसके लिये सरकार को सरपंच पति चलन को एक प्रभावी कानून के माध्यम से नियंत्रित करना चाहिये। शासन के मामले में क्षमता निर्माण पर आगे अतिरिक्त काम की आवश्यकता है। महिलाओ के अधिकार के बारे में समाज में जागरूकता बढाने और पंचायत स्तर पर महिलाओ की भागीदारी के महत्व के बारे में नौकर शाही को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।

# फिर कोरोना का खतरा

जिस तरह से चीन में कोरोना विषाणु के संक्रमण में अपने पैर पसारे हैं तब से पूरी दुनिया में इसे लेकर हाहाकार मच गया है। एक अनुमान के अनुसार आगामी तीन महीनों में चीन के लगभग 80 हजार लोग इससे प्रभावित होंगे। दावा तो यह भी किया जा रहा है कि बीस लाख लोगों की इससे मौत भी हो सकती है। हाल-फिलहाल भारी तादाद में लोग कोरोना के शिकार हो रहे हैं। पिछले कुछ समय से लोगों ने चैन की सांस ली थी कि चलो अब कोरोना जैसे जानलेवा बीमारी से छुटकारा मिल गया है। वजह यह थी कि इसके मामले बहुत तेजी से घटे थे। पूरी दुनिया में हालात सामान्य हो चले थे। सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगा था। लेकिन अब चीन के जरिए पूरी दुनिया को एक बार फिर कोरोना की नजर लग गई है। चीन से जिस तरह की डरावनी खबरें आ रही हैं, वह एक तरह से सतर्क रहने की चेतावनी हैं। हालात गंभीर होते देख भारत सरकार ने आनन-फानन में चेतावनी जारी कर सबको सावधानी बरतने की अपील कर दी है। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने एक हाई लेबल मीटिंग भी की। बता दें कि कुछ समय पहले ही चीन कोरोना मुक्त हो चुका था। फिर भी वह कोरोना को जड से उखाड फेंकने की नीति से पीछे नहीं हटा था। इसी वजह से वहां सार्वजनिक जीवन और गतिविधियों को लेकर कई स्तर पर सख्ती बरती जा रही थी। कई जगहों पर पूर्णबंदी जैसे हालात थे। लगातार बंदिशों से तंग आ गए लोगों ने जब इसका विरोध शुरू कर दिया तो सरकार ने कुछ हद तक छूट दे दी थी। देखा जाए तो संक्रमण के मामलों के सीमित होने के दौर में यह एक स्वाभाविक स्थिति थी। लोग उम्मीद पाल बैठे थे कि महामारी की मार खत्म हो चुकी है इसलिए लोग सामान्य जिंदगी जीने लगे थे। मगर कुछ दिनों में ही चीन से आने वाली खबरों ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। वहां फिर से कोरोना विषाणु के संक्रमण में तेजी से पैर पसार लिए हैं। बता दें कि कोरोना विषाणु और उसके संक्रमण से उपजी बीमारी की शुरुआत चीन से ही हुई थी और उसके बाद दुनिया भर में इसने कहर बरपाया। यही वजह है कि अब एक बार फिर चीन में जब कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ने की खबरें आ रही हैं तब दुनिया के अनेक देशों के साथ-साथ भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। चीन में स्थिति काबू से बाहर जा चुकी है और संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल पा रही है। दवाइयों की दुकानों से लेकर दवा फैक्ट्रियों तक लाइन लगी है। फिर भी दवाओं का अभाव बना हुआ है। पहले दौर में जब वुहान से विषाणु के संक्रमण की खबरें आईं थी, तब शायद वक्त पर अपने-अपने देशों में सावधानी बरतने को लेकर उतनी जागरूकता नहीं आ पाई थी। इसलिए उसका असर भी यह हुआ कि अमूमन सभी देशों में लाशों के ढेर लग गए थे। भारत उससे सबसे ज्यादा बुरी तरह प्रभावित होने वाले देशों में से एक था। इसलिए स्वाभाविक ही इस बार चीन में कोरोना से स्थिति बिगड़ने की खबरें आने के साथ ही भारत में सावधानी बरतने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाने लगे हैं। इसके मद्देनजर बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में संक्रमण से बचाव के लिए हर स्तर पर सावधानी बरतने की अपील की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में कोरोना के बहुरूपों के असर को सीमित करने से लेकर टीकाकरण की उपलब्धियों को देखते हुए चिंता करने की जरूरत नहीं है, मगर जिस तरह कोरोना के एक बहुरूप ओमीक्रान बीएफ.7 के मामले पाए जाने की खबर आई है, उसमें अपने स्तर पर सावधानी बरतना हर हाल में फायदेमंद रहेगा। भारत में कोरोना से बचाव के लिए जिस तरह व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया गया और लोगों ने इस मसले पर जागरूकता दिखाई, वह यहां राहत का एक बड़ा कारण है। टीकाकरण के मामले में भारत ने जो रिकार्ड बनाया है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि कोरोना के बहुरूपों के संक्रमण से लोग बचे रहेंगे। टीका बनाने वाली कंपनियों के साथ-साथ सरकार की ओर से भी इस बात का आश्वासन दिया गया था कि टीका कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा दीवार के तौर पर काम करता रहेगा। इसके बावजूद विषाणुओं की प्रकृति को देखते हुए हर स्तर पर सजग रहने की जरूरत है, अन्यथा इसकी मार से उपजी त्रासदी देख दुनिया दहल जाएगी।

# नरक लोक की सीटों के लिए मारामारी

रेखा शाह आरबी

फुर्सती लाल आज फुर्सत में थे अतः आज फिल्म देखने का मूड बना लिए आजकल की फिल्में उन्हें पसंद नहीं आती थी इसलिए फुर्सती लाल की नजर शोले पर जाकर रुकी ..फिल्म का सपरिवार आनंद रसानंद लिया देव दुर्भाग्यवश अगले दिन उनकी मृत्यु हो गई और वह पहुंच गए अपने सुकर्मों के जरिए स्वर्ग लोक में.. मन बड़ा प्रसन्न हुआ चलो मरे तो मरे लेकिन स्वर्ग लोक में तो आए हैं बड़े प्रसन्न थे चलो दुनिया के झंझट से मुक्ति पाए यहां पर कम से कम अच्छे लोगों के बीच रहने का मौका मिलेगा यह धरती तो इंसानों के रहने लायक बची ही नहीं लेकिन उनकी आंखें विस्मय से चौडी हो गई हो गई जब उन्होंने गब्बर सिंह की आत्मा को स्वर्ग लोक के उच्च सिंहासन पर बैठे हुए देखा साथ ही स्वर्ग लोग के अभूतपूर्व संसाधनों का प्रेम पूर्वक रसास्वादन करते हुए देखा। फुर्सती लाल बहुत ही आश्चर्यचकित और विस्मय में डूबे हुए विश्लेषण और अन्वेषण करते हुए विचार करने लगे कि... क्या स्वर्ग लोक के इतने बुरे दिन आ गए हैं कि अब चोर और डाकू को भी स्वर्ग लोक में स्थान मिलने लगा धरती का फिर भी तो समझा जा सकता है लेकिन स्वर्ग लोक के क्या यही दिन अच्छे दिन हैं.. क्या यहां पर भी हेराफेरी हो रही है... मन के भीतर सवालों की आंधी लगातार चलने लगी उन्हें लगा अगर उनके सवालों का जवाब उन्हें नहीं मिला तो उनका सिर सवालों के वेग से फट जाएगा.. और एक बार धरती पर तो मर ही चुके हैं यहां स्वर्ग लोक में भी मृत्यु निश्चित है। अपनी शंकाओं के समाधान के लिए इधर उधर देख रहे थे तभी उन्हें स्वर्ग लोक के प्रबंधक चित्रगुप्त नजर आए उन्हें दंडवत प्रणाम करते हुए कहा ...प्रभु यदि आपकी दया हो तो मेरी शंकाओं का समाधान करें मेरा मन दुविधा के सागर में गोते लगा रहा है जिसे सिर्फ आप ही पार लगा सकते हैं चित्रगुप्त ने फुर्सती लाल के चेहरे को देखते हुए उनके मन के भाव पढ़ लिए और मुस्कुराते हुए कहा .. पूछो वत्स क्या पूछना चाहते हो प्रभु सिर्फ इतना बता दे मैंने धरती पर सुना था कि पुण्य कर्म करने से स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है इसके लिए मनुष्य जीवन भर पुण्य कर्म, दान, धर्म करते हैं क्योंकि धरती के नरक लोक में भांति -भांति की ताड़ना जीवन भर झेलते हुए मृत्यु उपरांत सुख से जीव जीने की आकांक्षा लिए स्वर्ग की अभिलाषा करते हैं लेकिन मैं यहां पर देख रहा हूं की स्वर्ग लोक में गब्बर सिंह भी उपस्थित है बस मैं अपनी इसी शंका का समाधान करना चाहता हूं चित्रगुप्त ने हंसते हुए कहा.. पुत्र तुम्हारी मन की दुविधा को समझ सकता हूं और तुम गलत भी नहीं हो लेकिन नरक लोक में इतनी भारी भीड़ मची हुई है वहां पर खुद सीटों के लिए मारामारी हो रही है लाइन इतनी लंबी है की हम चाह कर भी बहुत सारे लोगों को उसमें नहीं भेज पा रहे हैं नरक लोक की सारी सीटें फुल है इसीलिए कुछ कम पापियों को स्वर्ग लोक में अर्जेस्ट करना मजबूरी बन गया था नरक लोक की सारी सीटें धरती के नेताओं ने कब्जा कर लिया है अत।

# जी 20 की अध्यक्षता- वैश्विक नेतृत्व का एक अभूतपूर्व अवसर

श्याम जाजू

दुनिया भर में फैली अस्थिरता, आर्थिक विषमता और प्रतिकूलता के मध्य विगत एक दिसंबर को भारत ने जी20 समूह के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। जी20 दुनिया के सफलतम देशों का संगठन है जिसके सदस्य देश दुनिया की दो तिहाई आबादी के साथ वैश्विक सकल उत्पाद के 85% हिस्से, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 75% हिस्से और विकास में वैश्विक निवेश के 80% हिस्से पर काबिज हैं। ऐसे सशक्त और प्रभावी संगठन का अध्यक्ष बनना वैश्विक परिदृश्य पर भारत के एक महत्वपूर्ण देश के रूप में उभरने का एक अहम संकेत है। भारत को जी20 समूह के देशों के नेतृत्व की जिम्मेदारी ऐसे समय पर मिली है जब पूरी दुनिया सदी में एक बार आने वाली विघटनकारी महामारी, संघर्षों और बहुत सारी आर्थिक अनिश्चितता के बाद के प्रभावों से गुजर रही है जिसकी वजह से अनेक देशों को उच्च मुद्रास्फीति, भोजन, उर्वरक और ऊर्जा की कमी, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता आदि समस्यायों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, परमाणु प्रसार आदि अन्य चुनौतियां वैश्विक अर्थव्यवस्था और समुदाय को लगातार अस्थिर कर रही हैं। कह सकते हैं भारत को काँटों का ताज मिला है। पर चुनौती यदि बड़ी है तो अवसर भी उतना ही बड़ा है। आज सारा विश्व भारत की तरफ देख रहा है। जिस तरह से भारत अपने साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व और विवेकपूर्ण नीतियों के बल पर कोविड-जन्य विपरीत परिस्थितियों पर पार पाने में सफल हुआ है, वह सारे विश्व को अचंभित करने वाला है। कोविड-19 महामारी और रूस यूक्रेन संघर्ष के झटकों से निपटने में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण, भारत एक अन्यथा अंधेरे और उदास वैश्विक परिदृश्य में आशा की किरण के रूप में उभरा है। जहाँ जी20 में सम्मिलित विश्व की अनेक बड़ी अर्थ व्यवस्थाएं मुद्रास्फीति, घटती उत्पादकता, बढ़ती बेरोज़गारी और आने वाली मंदी की आशंका से जूझ रही हैं, वही भारतीय अर्थव्यवस्था मज़बूती से आगे बढ़ रही है। स्टॉक मार्केट अपने उच्चतम स्तरों पर है। स्टार्ट-अप संस्कृति छोटे छोटे शहरों में भी पाँव पसार रही है, चहुँ तरफ़ा निवेश भारत में आ रहा है। विदेश मुदा का बड़ा भंडार देश के पास है। दुनिया भर में फैले भारतीय उद्यमी और पेशेवर सफलता की नयी बुलंदियां छू रहे हैं। दुनिया हतप्रभ है, वो जानना चाहती है कि भारतीय नेतृत्व में ऐसा क्या जादू है कि इतनी प्रतिकूल परिस्थितियां भी भारत के बढ़ते क़दमों को नहीं रोक पायी। कोविड के समय में भारत ने न केवल अपने देश वासियों की चिंता की और उन्हें कोरोना मुक्त किया बल्कि वैक्सीन मैत्री के माध्यम से दुनिया के अनेक देशों को वैक्सीन प्रदान कर महामारी से बचाया। यह भारत का विश्वरूप था जिसे पूरी दुनिया ने देखा और सराहा। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम हमेशा से जीते आये हैं उसे भारत ने साकार कर दिखाया और न केवल आर्थिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत ने अप्रतिम सफलता दिखाई बल्कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में नए प्रतिमान स्थापित कर दिए। जहाँ आज सारा विश्व अलग अलग खेमों में बंटा हुआ दिखता है वहीं भारत एक ऐसा देश बन गया है जिसके या तो सभी दोस्त हैया फिर जो नहीं है वो बनना चाहते है। रूस और अमेरिका जैसे दो धुर विरोधी, दोनों ही भारत को अपना निकट का मित्र मानते है। वहीं इजराइल और अरब लीग के देश भले ही एक दूसरे के विरोधी हो, भारत के वे दोनों ही अच्छे दोस्त है। ऐसे भारत का चमत्कारी नेतृत्व आज जी20 के शक्तिशाली समूह को मिला है। निस्संदेह न सिर्फ जी20 के देश बल्कि सारा विश्व आज भारत की तरफ टकटकी लगाए देख रहा है। भारत भी तत्परता के साथ अपने अनुभवों को दुनिया की बेहतरी के लिए साझा करना चाहता है। जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में भारत ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के द्वारा अपने नागरिकों को वित्तीय सुविधाएँ पहुँचाने, सरकार और सिस्टम के साथ जुड़ाव को गहरा करने, भ्रष्टाचार को कम करने और सेवाओं और सुविधाओं के शीघ्र और पारदर्शी वितरण को बढ़ावा देने का कार्य किया है उसने भारत के नागरिको कों, विशेषतः गरीबों, वंचितों के जीवन को बदल दिया है और उन्नत किया है। भारत जी20 की अध्यक्षता के दौरान, वैश्विक समुदाय के लाभ के लिए इस क्षेत्र में अपनी सफलता की कहानियों को साझा करना चाहेगा। साथ ही भारत जलवायु और विकास एजेंडे को एकीकृत करने, छोटे और सीमांत किसानों का समर्थन करने, खाद्य सुरक्षा और पोषण बढ़ाने, वैश्विक कौशल अंतराल को संबोधित करने जैसे महत्वपूर्ण हित के क्षेत्रों में परिणाम देने की आकांक्षा रखेगा। भारत जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण क्षेत्रों में अपनी पहल की पहुंच और क्षमता को भी बढ़ावा देना चाहेगा, जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा जोखिम पहल परियोजनाओं के द्वारा पहले ही किया जा रहा है। पिछले माह अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम ने देश को इस अवसर का उपयोग करने को कहा। उन्होंने कहा हमें वैश्विक भलाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जी20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़े अवसर के रूप में आई है। हमें इस अवसर का पूरा उपयोग करना चाहिए और वैश्विक भलाई व विश्व कल्याण पर ध्यान देना चाहिए। चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या सतत विकास, भारत के पास चुनौतियों से संबंधित समाधान हैं। हमने एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य की जो थीम दी है, वह हमारी 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल हमारे पुरातन देश के इतिहास में यह एक बड़ा मुकाम है। दुनिया के 20 बड़े देशों के समूह जी20 की अध्यक्षता का अर्थ हैं कि भारत अगले एक साल दुनिया की 80 फीसदी जीडीपी वाले और दुनिया की 60 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले देशो के समूह को राह दिखाएगा। यह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करने का मौका तो होगा ही साथ ही दुनिया को अपनी संस्कृति से परिचित कराने का एक अवसर भी होगा। अगले एक साल के दौरान देश में जी-20 देशों की 200 बैठके होंगी, जो बड़े विचार पूर्वक देश के 50 विभिन्न शहरों में आयोजित की जाएँगी। बड़े-छोटे ये शहर देश की हर दिशा से चयनित होंगे। इस तरह भारत के पास दुनिया के सामने हमारी संस्कृति और धरोहर पेश करने का बड़ा मौका होगा। 'विश्व स्वरुप' भारत के इस अवतरण के पीछे हमारी हजारों वर्षों की यात्रा जुड़ी है, अनंत अनुभव जुड़े हैं। उन सब को भी दुनिया से साझा करने का यह एक अप्रतिम अवसर होगा।

**लेखक : वरिष्ठ भाजपा नेता हैं**

# अध्यापकों को भी मिले ग्रेच्युटी की रक़म

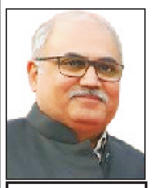

रजनीश कपूर

किसी भी कंपनी या प्रतिष्ठान में लंबे समय तक काम करने वाले व्यक्ति को सेवानिवृत होने पर पेंशन, प्रोविडेंट फंड के अलावा ग्रेच्युटी की रक़म भी मिलती है। ग्रेच्युटी किसी कर्मचारी को कंपनी की ओर से मिलने वाला इनाम होता है। अगर कर्मचारी नौकरी की कुछ शर्तों को पूरा करता है तो ग्रेच्युटी का भुगतान एक निर्धारित फॉर्मूले के तहत निश्चित तौर पर दिया जाता है। अगस्त 2022 तक सभी निजी स्कूल के अध्यापकों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिलता था। हाल ही में देश के सर्वोच्च न्यायालय ने कई सालों से लंबित पड़े इस मामले में निजी स्कूल के अध्यापकों के हित में एक अहम फ़ैसला दिया है। जो अध्यापकों के पक्ष में है। याचिकाकर्ता ने अदालत से स्पष्ट करने की अपील की थी कि 'पेमेंट ऑफ़ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' की धारा 2 के तहत निजी स्कूल के अध्यापकों को कर्मचारी माना जाए या नहीं? 29 अगस्त 2022 को सर्वोच्च न्यायालय की एक खण्डपीठ ने अपना ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाते हुए इन अध्यापकों को भी कर्मचारी की श्रेणी में माना। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ द्वारा दिये गये इस फैसले ने सभी शैक्षिक संस्थाओं को अब अध्यापकों को ग्रेच्युटी की रक़म देने के लिए बाध्य कर दिया है। कोर्ट की खंडपीठ ने ऐसी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें शिक्षकों को ग्रेच्युटी न देने की पैरवी की गई थी। फ़ैसले के मुताबिक़ जो भी शिक्षक 1997 के बाद सेवानिवृत हुए हैं उनके संबंधित स्कूलों को भी उन्हें ग्रेच्युटी देनी होगी। इस फ़ैसले से देश के लाखों शिक्षकों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। कर्मचारी को मिलने वाली ग्रेच्युटी की रक़म नियोक्ता कंपनी की तरफ से दी जाती है। मौजूदा व्यवस्था के अनुसार यदि कोई कर्मचारी किसी कंपनी या संस्थान में कम से कम 5 साल तक काम करता है तो वह ग्रेच्युटी का हकदार होता है।

पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत इसका लाभ उस संस्थान के हर कर्मचारी को मिलता है जहां 10 से ज़्यादा लोग काम करते हैं। यदि कोई कर्मचारी नौकरी छोड़ता है या रिटायर हो जाता है, परंतु वह ग्रेच्युटी के नियमों को पूरा कर लेता है तो वह ग्रेच्युटी के लाभ का हक़दार होता है। अभी तक सभी निजी स्कूल के अध्यापकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा था। लेकिन इस फ़ैसले के बाद वे सभी लाभान्वित हो जाएँगे। परंतु सुप्रीम कोर्ट के इस फ़ैसले के बावजूद कुछ स्कूल इसका पालन नहीं कर रहे थे। ताज़ा मामला दिल्ली के एक निजी स्कूल में काम कर रही अध्यापिका का है। इस महिला अध्यापक ने अपने जीवन के 27 साल दिल्ली के इस निजी स्कूल को दिये। मई 2021 में उनके रिटायर होने पर स्कूल प्रशासन ने इन्हें ग्रेच्युटी देने से मना कर दिया। रिटायर होने के एक डेढ़ साल बाद तक वे अपने ग्रेच्युटी के लिए स्कूल को बार-बार लिखती रहीं पर उनके हाथ निराशा ही लगी। अख़िरकार इस महिला ने अदालत का रुख़ किया और दिल्ली उच्च न्यायालय में न्याय की गुहार लगाई। इनके हक़ की लड़ाई के लिये दिल्ली की 'राधे कृष्णा लीगल एड फाउंडेशन' ने इस मामले को निःशुल्क लड़ने का निर्णय लिया। संस्था के प्रमुख ट्रस्टी अजय गर्ग एडवोकेट के अनुसार स्कूल में इतने लंबे समय तक कार्य करने पर, इस अध्यापिका की ग्रेच्युटी की रक़म लगभग दस लाख से अधिक बनती थी। शायद इसीलिए दिल्ली का यह निजी स्कूल इस रक़म को देने से बच रहा था। स्कूल और दिल्ली के शिक्षा विभाग को क़ानूनी नोटिस भेजे जाने पर भी जब कोई उत्तर नहीं आया तो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई। याचिका में स्कूल द्वारा अध्यापिका को ग्रेच्युटी की रक़म ब्याज सहित देने व स्कूल पर क़ानून का पालन न करने की उचित क़ानूनी कार्यवाही की माँग की गई। स्कूल प्रशासन ने 11 नवम्बर 2022 को, मामले की सुनवाई की पहली तारीख़ पर ही ग्रेच्युटी देने की माँग को स्वीकार लिया और मामला रद्द करने की अपील की। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि स्कूल द्वारा दी गई राशि से याचिकाकर्ता संतुष्ट नहीं हों तो दिल्ली सरकार का शिक्षा विभाग इस बात को सुनिश्चित करे कि ग्रेच्युटी की सही रक़म याचिकाकर्ता को दी जाए। यदि इसके बाद भी अध्यापिका को कोई शिकायत हो तो वे अदालत का दरवाज़ा खटखटा सकती हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पीड़ित अध्यापिका को उनकी ग्रेच्युटी की रक़म ब्याज सहित प्राप्त हुई।

# देख तेरे संसार की माया

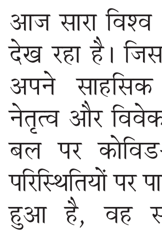

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अंधेरे और उजाले का वजूद ठीक वैसा ही है जैसे आधा गिलास पानी। पहले दांपत्य संसार अंधेरे में और जीवन उजाले में होता था। अब दांपत्य उजाले में और जीवन अंधेरे में है। जिसे ढकना चाहिए उसे खुला और जिसे खुला रखना चाहिए उसे ढका जा रहा है। पहले मांसाहार से अधिक लोग दूर रहते थे, अब कुछ लोग ही उसकी माया से बच पा रहे हैं। पहले परिवार में कोई समस्या आती तो घर के बड़े-बुजुर्ग उसे दूर कर देते, अब पारिवारिक कलहों की समस्या बड़े-बुजुर्ग खुद बनते जा रहे हैं। पहले खाने के लिए कमाया जाता था, अब कंप्यूटर के आगे गद्दीदार कुर्सी पर बैठे कमाई हुई मोटी रकम से बढ़ती चर्बी को घटाने के लिए वाकिंग करना पड़ रहा है। पहले लोग फल-फूल, दूध खा-पीकर बलवान रहा करते थे। संतानहीनता की कोई समस्या नहीं हुआ करती थी। किंतु अब दाम्पत्य जीवन चलाने के लिए दवाइयाँ खानी पड़ रही हैं। संतान के लिए फर्टिलिटी सेंटर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पहले सभी शरीर से हार्डवेयर और दिल से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हुआ करते थे।

किंतु अब सभी शरीर से सॉफ्टवेयर और दिल से हार्डवेयर इंजीनियर हो गए हैं। पहले वैद्य घर-घर घूमकर इलाज करता था। सरदर्द के लिए झंडूबाम काफी था। अब सरदर्द का इलाज करने के लिए घर बार बेचना पड़ रहा है। पहले चोर घर में घूसकर चोरी करते थे। अब वे घर बैठे ही मोबाइल से चोरी कर रहे हैं। पहले अनपढ़-अशिक्षित चोर उचक्के बना करते थे। अब पढ़े-लिखे चोरी करने के लिए नए-नए साइबर कोर्स कर रहे है। पहले उधारी करना सिर झुकाने वाला काम था। मन दुखी हो उठता था। अब उधारी करना स्टेटस की निशानी है। विश्वास न हो तो क्रेडिट कार्ड ही ले लें। आज क्रेडिट कार्ड रखने वाला अमीर और डेबिट कार्ड रखने वाला गरीब कहलाता है।

पहले चीन से एक-दो वस्तुएँ ही आती थीं, अब तो लगता है कि हम चीन में ही रह रहे हैं। हर चीज़ में चीन ही छाया हुआ है। सोचिए यह हमारी उपलब्धि है या फिर हमारा दुर्भाग्य।

# भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को वरदान से प्राप्त हुआ था एक पुत्र

### विष्णु जी ने दिया था लक्ष्मी जी को श्राप

देवी भागवत पुराण के छठे स्कंद में श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी के पुत्र का वर्णन मिलता है। एक कथा के अनुसार, श्री हरि विष्णु ने लक्ष्मी जी को घोड़ी होने का श्राप दे दिया था। इसके बाद लक्ष्मी जी घोड़ी बन गईं और तमसा-यमुना नदी के संगम पर जाकर रहने लगीं। वहां लक्ष्मी जी ने भगवान शिव जी की आराधना की।

### शिवजी ने दिया वरदान

लक्ष्मी जी की भक्ति भावना देखकर भगवान शिव ने प्रसन्न होकर लक्ष्मी जी को वरदान दिया कि जल्द ही श्री हरि विष्णु उनका सानिध्य प्राप्त करेंगे और उनसे पुत्र की प्राप्ति होगी। इसके बाद भगवान शिव ने अपने चित्ररूप को विष्णु जी के पास भेजा। चित्ररूप ने भगवान विष्णु जी से कहा कि लक्ष्मी जी से भेंट करें। तब विष्णु जी ने कहा कि मैं लक्ष्मी जी से भेंट करने जाऊंगा और शिवजी के वरदान स्वरूप लक्ष्मी जी को वापस लेकर आऊंगा।

### श्री हरि पहुंचे मां लक्ष्मी के पास

इसके बाद भगवान विष्णु अश्व का रूप धारण करके तमसा और यमुना नदी के किनारे पहुंच गए, जहां मां लक्ष्मी घोड़ी के रूप में बैठी थीं। मां लक्ष्मी ने घोड़े के रूप में विष्णु जी को पहचान लिया। इसके बाद विष्णु जी और लक्ष्मी जी के संयोग से एक हैहय नाम का बालक उत्पन्न हुआ। उस बालक को विष्णु जी और लक्ष्मी जी जंगल में ही छोड़ कर चले गए। फिर लक्ष्मी जी और विष्णु जी पुनः अपने स्वरूप में आ गए।

### विष्णु जी ने राजा हरीवर्मा को सौंप दिया था पुत्र

दूसरी तरफ एक हरीवर्मा नाम का राजा भगवान श्री विष्णु के जैसा बालक प्राप्त करने के लिए विष्णु जी की तपस्या कर रहा था। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर विष्णु जी ने हरीवर्मा को दर्शन दिए और कहा कि मैंने एक पुत्र उत्पन्न किया है, जिसे तुम अपना पुत्र समझ कर ले जाओ। वह बालक तमसा और यमुना नदी के किनारे है। राजा हरीवर्मा बालक को अपने साथ ले गये। आगे चलकर वह बालक एकवीर नाम से प्रसिद्ध हुआ।

# भयानक भूकंप सह सकता है यह मंदिर!

## राजस्थान में दक्षिण शैली का पहला मंदिर

काला कुआं स्थित वेंकटेश बालाजी दिव्य धाम दक्षिणी शैली पर आधारित प्रदेश का पहला मंदिर है। इस मंदिर का शिलान्यास 2012 में हुआ और 2016 मे यह बनकर तैयार हुआ। क़रीब 6 करोड़ रुपये लागत से निर्मित मंदिर को बनाने के लिए दक्षिण के हैदराबाद से कारीगरों को बुलाया गया था। इसकी सबसे खास बात यह दावा है कि यह मंदिर इस तरह से बनाया गया है कि रिक्टर स्केल पर 9 तीव्रता तक का भूकंप भी यह आसानी से झेल सके।

बालाजी दिव्य धाम मंदिर के आचार्य स्वामी सुदर्शन महाराज ने बताया मंदिर में नीचे प्रवचन हॉल का निर्माण किया गया है। ऊपर की जगह गर्भगृह बनाया गया है, जिसमें काले रंग के ग्रेनाइट से निर्मित भगवान वेंकटेश की प्रतिमा है। इनके दक्षिण में भगवती पद्मावती का श्रीविग्रह है। इनके वामांग में भगवती गौदंबा का श्रीविग्रह हैं। भगवान के पार्षद गरुड़जी सामने विराजमान हैं। साथ ही हनुमानजी की प्रतिमा हैं। मंदिर की पूजा पद्धति भी पूर्ण रूप से दक्षिण शैली पर आधारित है।

**दक्षिण से फ्लाइट में लाई गई थी भगवान की प्रतिमा**

सुदर्शनाचार्य महाराज ने बताया वेंकटेश बालाजी दिव्य धाम मंदिर मे विराजमान भगवान की प्रतिमा को दक्षिण के कारीगरों से बनवाकर फ्लाइट से दिल्ली लाया गया था। दिल्ली से अलवर मंदिर तक भगवान की प्रतिमा कार से लाई गई थी। मूर्ति के निर्माण कार्य को मंदिर के महाराज ने स्वयं समय-समय पर जाकर देखा। गौरतलब है कि मंदिर की स्थापना पर दक्षिण के राज्य कांचीपुरम, तमिलनाडु, तेलगांना व उत्तरप्रदेश सहित अन्य कई राज्यों के अनेक धर्माचार्य आए थे और विधि-विधान से प्रतिमा को स्थापित करवाया था।

# पौष महीने की अमावस्या पर नदी में स्नान

## पितरों के लिए तर्पण और धूप-ध्यान करने की परंपरा

शुक्रवार, 23 दिसंबर को पौष महीने की अमावस्या है। इस दिन पौष मास का शुक्ल पक्ष खत्म हो जाएगा। अमावस्या का महत्व भी पर्व की तरह ही है और इससे संबंधित कई परंपराएं है, जिनका पालन करने से धर्म लाभ के साथ ही सेहत को भी लाभ मिलता है।

अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान और तीर्थ दर्शन करना चाहिए। शुक्रवार को किसी पौराणिक मंदिर में दर्शन करें। अगर इस दिन किसी वजह से नदी में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो अपने घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

मंदिर दर्शन करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर के मंदिर में ही पूजन करें। अपने इष्टदेवों के मंत्रों का जप करें।

अमावस्या तिथि के स्वामी पितर देवता माने गए हैं। इसलिए अमावस्या पर घर के पितर देवता को लिए धूप-ध्यान करें। नदी स्नान करने जाए तो स्नान के बाद पितरों के नाम से तर्पण करें। हाथ में नदी का जल लें और अंगूठे की ओर से जल अर्पित करें।

पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के लिए दोपहर का समय सबसे अच्छा रहता है। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं। जब कंडे से धूआं निकलना बंद हो जाए, तब कंडे के अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से अर्पित करें।

इस दिन भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। विष्णु-लक्ष्मी की पूजा करें। मिठाई का भोग तुलसी के साथ लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। ध्यान रखें अमावस्या पर तुलसी नहीं तोड़ते हैं, इसलिए एक दिन पहले ही पूजा के लिए तुलसी के पत्ते तोड़कर रख लें।

शुक्रवार का कारक ग्रह शुक्र है। इसलिए शुक्रवार को शिव जी की पूजा करें। शिवलिंग रूप में ही शुक्र की पूजा की जाती है। शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

# मेवाड के आराध्य हैं सगस जी बावजी

## कैसे महाराणा ने किया था इनका वध, फिर तांत्रिक ने किया था जिंदा!

मेवाड़ के आराध्य देव लोक देवता सगस जी बावजी पर भक्तों को असीम श्रद्धा है। माना जाता है कि जो भी भक्त पूरी श्रद्धा से प्रार्थना करते हैं, उनकी इच्छा पूरी होती है। हर साल सगस जी बावजी के जन्मदिन के मौके पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। यह मंदिर करीब 400 साल पुराना बताया जाता है। शहर में कई जगह सगस जी बावजी के स्थान बने हुए हैं। लोगों का इनसे विशेष जुड़ाव देखने को मिलता है।

इतिहास और लोककथाओं के हवाले से जानकार बताते हैं मेवाड़ के लोक देवता सगस बावजी महाराणा राज सिंह के बड़े पुत्र थे, जो उदयपुर शहर के सर्व ऋतु विलास में रहते थे। किसी के बहकावे में आकर रानी अपने पुत्र को गधे दिलाना चाहती थी। तब उन्होंने महाराणा की रानियों को कुंवर के प्रति भड़का दिया। क्रोध में राज सिंह ने अपने पुत्र का वध करवा दिया था। लेकिन इसके बाद की कहानी और ज्यादा रोचक है।

**तांत्रिक ने किया था फिर से जिंदा!**

लोगों के बीच प्रचलित किस्सों के अनुसार बताया जाता है जब षड्यंत्र के तहत सुल्तान सिंह जी का वध हुआ, इसके बाद उनकी शव यात्रा निकाली जा रही थी। शवयात्रा वर्तमान आयड़ की पुलिया के पास पहुंची तो चबूतरे पर अर्थी रखी गई। इतने में पास ही में निवास कर रहे यतिजी महाराज को किसी ने कुंवर सुल्तान सिंह जी के नहीं रहने की सूचना दी। यतिजी को इस पर तनिक भी विश्वास नहीं हुआ और कारण कि सुबह तो राजकुमार उनके पास आए थे। यह यति तांत्रिक था। इसके चमत्कार के कई किस्से जनजीवन में आज भी सुनने को मिलते हैं।

किंवदंतियों में कहते हैं कुंवर को अपने तंत्र बल से जीवित किया। दोनों ने कुछ देर चौपड़ पांसा खेला। उसके बाद यतिजी बोले अब अर्थी वर्थी छोड़ो और पूर्ववत हो जाओ। इस पर राजकुमार बोले नहीं जिस दुर्गति से मैं मृत्यु को प्राप्त हुआ, अब जीना व्यर्थ है। मैं अब मर कर ही मेवाड़ वासियों की सेवा करना चाहता हूं। इस पर यति ने पानी के छींटे दिए और कुंवर को फिर मृत किया।

# इन 5 राशिवालों को नए साल में सबसे ज्यादा परेशान करेगा राहु

नया साल आने को है। ऐसे में अब हर कोई जानना चाहता है कि उसके लिए नया साल कैसा रहेगा, हालाँकि 5 राशियां ऐसी हैं, जिन पर राहु परेशानियां बनकर टूटेगा। आपको बता दें कि ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, राहु हमेशा उल्टी चाल (वक्री) चलता है। वहीं शनि के बाद सबसे धीमी चाल राहु की ही होती है। जी दरअसल यह करीब डेढ़ साल की अवधि में राशि परिवर्तन करता है। आपको बता दें कि साल 2023 में राहु अक्टूबर तक मेष राशि में रहेगा, जिसके स्वामी मंगल हैं। वहीं इसके बाद वह मीन राशि में चला जाएगा, जो बृहस्पति की राशि है।

**मेषः** मेष राशि वालों की बुद्धि को राहु कुछ हद तक भ्रम में डालेगा। जी हाँ और इस राशि के लोग काम में जल्दबाजी दिखाने से बचे क्योंकि इससे समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। साजिश का शिकार भी हो सकते हैं और लोगों से झगड़े और वाद-विवाद भी जन्म लेंगे। सावधानी के साथ यह समय व्यतीत करें।

**वृषभः** राहु आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। डॉक्टरों के चक्कर भी लगाने पड़ सकते हैं। इसके अलावा पैसा फिजूल के कामों में खर्च होगा। केवल यही नहीं बल्कि इस दौरान आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं।

**तुलाः** इस अवधि के दौरान नौकरीपेशा लोग संभलकर रहें। इसके अलावा ऑफिस के लोगों से कहासुनी हो सकती है। सावधानी से पेश आएं और बिना सोचे-समझे फैसले भी लेंगे, जिससे बाद में नुकसान होगा। इसी के साथ लोगों के साथ मन-मुटाव भी होने की प्रबल संभावना है। कारोबार के मामलों में निरंकुशता का अनुभव कर सकते हैं।

**मकरः** शादीशुदा जिंदगी में उलझनें बढ़ेंगी। इसके अलावा एडजस्ट करने के लिए बहुत ज्यादा कोशिशें करनी होंगी। आप ठंडे दिमाग से काम लें और सब्र रखकर चीज को समझने की कोशिश करें। इसके अलावा घर का माहौल अप्रिय लग सकता है। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

**मीनः** राहु आपको पैसा तो दिलाएगा लेकिन पैसों के जितना पास पहुंचेंगे, परिवार उतना दूर हो जाएगा। परिवार से अलग महसूस करेंगे। खाने-पीने पर ध्यान दें वरना सेहत खराब हो सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

**राहु से बचने के लिए-** आप राहु से बचने के लिए राहु मंत्र का जाप करें। इसके अलावा बुधवार को सात तरह के अना, कांच की चीजें, जौ, सरसों, सिक्का, नीले या भूरे रंग के कपड़े का दान करें। राहु दोष है तो गोमेद रत्न धारण करें। इसी के साथ राहु के कारण होने वाली बीमारियों से बचने के लिए राहु यंत्र की पूजा करें। काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।

# पुरुषों की ये आँख फड़कने से मिलता है धन लाभ

महिला हो या पुरुष हर किसी की आंख फड़कती है। जी हाँ, वहीँ मेडिकल में इसे सामान्य घटना के तौर पर देखते हैं हालाँकि सामुद्रिक शास्त्र में इसके कई तरह के मायने होते हैं। जी हाँ और इसी के साथ ये बात मायने रखती है कि इंसान की दाईं आंख फड़क रही है या बाईं। आपको बता दें कि इसके बारे में सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है। वहीँ ज्योतिष, वास्तु शास्त्र औ फेंगशुई की तरह ही सामुद्रिक शास्त्र का अपना महत्व है। अब आज हम आपको बताएंगे, पुरुष के आंख फड़कने के पीछे क्या संकेत छिपे होते हैं?

**दाई आंख फड़क रही है तो-** पुरुषों का दाईं आंख फड़कना काफी शुभ माना जाता है। जी हाँ और इसका मतलब है कि उस इंसान के जीवन में कुछ अच्छा होने वाला है। इसके अलावा उसकी जो लंबित इच्छा थी, वह पूरी होने वाली है। इसके अलावा पुरुषों के दाईं आंख फड़कने से धन लाभ होता है।

**बाई आंख फड़क रही है तो-** सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर पुरुष की बाईं आंख फड़क रही है तो यह अशुभ संकेत की तरफ इशारा करता है। बाईं आंख फड़कने से भविष्य में किसी परेशानी में पड़ सकते हैं इस वजह से कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं।

**दोनों आंख फड़क रही है तो-** सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की दोनों आंख एक साथ फड़क रही हैं तो यह भी अच्छा संकेत माना जाता है। इसका मतलब है उस इंसान के जीवन में कुछ अच्छा होने वाला है और जल्द ही किसी पुराने दोस्त या रिश्तेदार से मुलाकात होने वाली है।

> अगर कोई व्यक्ति गुस्से में है और हमें भला-बुरा कह रहा है तो शांत रहना चाहिए। थोड़ी देर में वह खुद चुप हो जाएगा। अगर हम भी गुस्सा हो जाएंगे हालात बहुत ज्यादा बिगड़ जाएंगे।

# 21 साल बाद 2 भारतीय फिल्में ऑस्कर की रेस में

## छेल्लो शो को मिला बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेशन, आरआरआर भी ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में

21 साल बाद ऑस्कर में भारत की फिल्म छेल्लो शो को बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है। ये गुजराती फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री थी। 2001 में लगान के बाद अब तक ऑस्कर में किसी भारतीय फिल्म को इस कैटेगरी में नॉमिनेशन नहीं मिला था। इसके साथ ही एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गाने नाटू-नाटू (नाचो-नाचो) को भी बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में नॉमिनेशन मिल गया है। बुधवार (21 दिसंबर) को ऑस्कर की 10 कैटेगरी के लिए शॉर्टलिस्ट फिल्मों की अनाउंसमेंट की गई।

**ऑस्कर में एंट्री दिलाने के लिए मेकर्स ने शुरू किया था कैंपेन**

आरआरइार को फैंस ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म ने इंडिया के साथ-साथ विदेश में भी खूब कमाई की। आरआरआर को पहले 'बेस्ट फीचर फिल्म कैटेगरी' के नॉमिनेशन के लिए भेजा गया था, पर किसी वजह से इसे तब नहीं चुना गया। इसके बाद एस.एस. राजामौली ने इसे ऑस्कर में एंट्री दिलाने के लिए कैंपेन शुरू किया था।

**फिल्म को विदेशों में भी मिली जबरदस्त पॉपुलैरिटी**

आरआरआर केवल बॉक्स ऑफिस पर ही सुपरहिट नहीं थी बल्कि क्रिटिक्स ने भी इस फिल्म को खूब सराहा। फिल्म में राम चरण, जूनियर एनटीआर, अजय देवगन और आलिया भट्ट लीड रोल में थे। इस फिल्म ने 1200 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। वहीं इसे विदेशों में भी काफी पॉपुलैरिटी मिली है। अमेरिका और जापान में इस फिल्म को सबसे ज्यादा पसंद किया गया।

**छेल्लो शो को 20 सितंबर को मिली थी ऑफिशियल एंट्री**

वहीं छेल्लो शो की बात करें तो ये फिल्म डायरेक्टर और राइटर पान नलिन की सेमी ऑटोबायोग्राफी है। दरअसल, पान नलिन खुद भी सौराष्ट्र के एक गांव में पले-बढ़े हैं और उन्हें फिल्मों से बेहद प्यार रहा। फिल्म की शूटिंग मार्च 2020 में पूरी हुई थी, जिसके ठीक बाद देशभर में लॉकडाउन लगा था। फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम कोरोना महामारी के दौरान पूरा किया गया था। इसे 20 सितंबर को ऑस्कर 2023 के लिए भारत की तरफ से ऑफिशियल एंट्री मिली थी।

**ऑस्कर नॉमिनेशन में भेजा गया कांतारा का नाम**

इसके साथ ही फिल्म 'कांतारा' को ऑस्कर 2023 के लिए नॉमिनेशन के तौर पर भेजा गया है। इसके मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने हाल ही में इसकी पुष्टि की है। मेकर्स का कहना है कि उन्होंने अपनी फिल्म कांतारा को लास्ट मोमेंट पर ऑस्कर 2023 के नॉमिनेशन में भेजा है। मेकर्स ने उम्मीद जताई है कि उनकी फिल्म को ऑस्कर के लिए नॉमिनेट कर लिया जाए, जिससे कि लोग फिल्म में दिखाए गए मैसेज को ग्लोबली पहचान मिल पाए।

# 'गुनाह है ये, पाप है ये, मत करो' बेशरम रंग कंट्रोवर्सी पर पूनम पांडे ने ऐसे किया रिएक्ट

**शाहरुख खान** की फिल्म पठान रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। इस फिल्म के पहल गाने बेशरम रंग को लेकर शुरु हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस गाने में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की बिकनी रंग को लेकर फिल्म और गाने का विरोध किया जा रहा है और भगवा रंग की बिकनी को लेकर संत समाज और राजनैतिक पार्टियां ने इसे सोची-समझी चाल बताया है, उनका आरोप है कि इस गाने में जानबूझकर भगवा बिकनी का इस्तेमाल किया गया है। इस मुद्दे पर संत समाज से जुड़े लोग और कई राजनेताओं ने आपत्ति जताते हुए उस सीन को ही फिल्म से हटाने की मांग की है। इसी के साथ कुछ लोग फिल्म पठान को बैन करने की मांग कर रहे हैं। इस गाने को लेकर शुरु हुए इस कॉन्ट्रोवर्सी पर कई फिल्मी सितारे बेशरम रंग का सपोर्ट भी कर चुके हैं। वहीं अब अपनी बोल्डनेस को लेकर चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे ने पठान के बेशरम रंग पर प्रतिक्रिया दी है।दरअसल, हाल ही में पूनम पांडे से जब पठान कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कौन-सा विवाद। जिसके बाद रिपोर्टर ने एक्ट्रेस को बताया कि गाने में दीपिका के बिकनी के रंग को लेकर विवाद हो रहा है इस पर आपका क्या कहन है। इस बात को सुनने के बाद पूनम ने कहा कि इस बारे में बात करना बेवकूफी है। गाना बहुत अच्छा है, दीपिका भी ऑसम लग रही हैं और सबसे ज्यादा माई फेवरेट एसआरके। कौन इतना हॉट दिख सकता है, गुनाह है ये, पाप है ये, मत करो सर।वैसे पूनम से पहले कई फिल्मी सितारें पठान के बेशरम रंग का समर्थन कर चुके हैं। हालांकि इसके बावजूद पूरे देश में पठान का विरोध हो रहा है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण को लोग बुरी तरह ट्रोल कर रहे है और इतना ही नहीं कई जगहों पर किंग खान और दीपिका के पुतले तक जलाए गए हैं। मध्य प्रदेश और बिहार के अलावा कई राज्यों में फिल्म पठान का विरोध हो रहा है और फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की जा रही है।

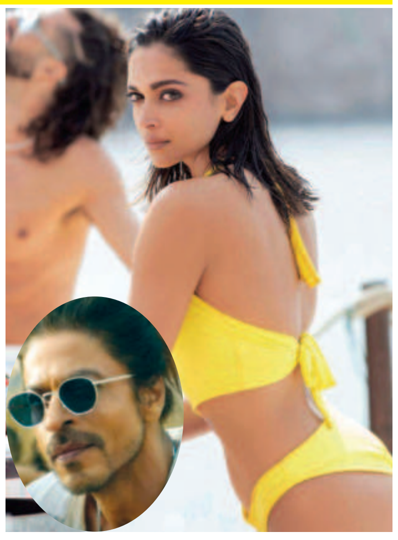

# चित्रांगदा सिंह के हाथ लगी इंडो-इटैलियन फिल्म

अक्षय कुमार की फिल्म गबर इज बैक के आइटम सॉन्ग कुंडी मत खटकाओ राजा में अपनी अदाओं से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मॉडर्न लव मुंबई में अपनी जबरदस्त एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली चित्रांगदा जल्द ही एक इंडो-इटैलियन फिल्म में नजर आने वाली हैं। गौतम घोष की अगली इंडो-इटैलियन फिल्म से चित्रांगदा का फर्स्ट लुक सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में इटली के दि ग ग ज अ भि ने ता मा क ों लियोनार्डी के साथ चित्रांगदा स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं। वैसे तो इस फिल्म की शूटिंग साल 2019 में ही शुरु हो गई थी, लेकिन कोविड की वजह से बाकि फिल्मों की तरफ इस फिल्म की शूटिंग को भी बीच में ही रोकना पड़ गया था। वहीं अब एक बार फिर फिल्म की टीम ने काम शुरु कर दिया है और इस फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा मुंबई और जबलपुर में शूट होगा।

इस फिल्म से एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह का फर्स्ट लुक भी आउट हो चुका है जिसमें चित्रांगदा बिल्कुल ही सिंपल लग रही हैं। सामने आई फोटो में प्लेन ऑरेंज साड़ी और लाइट मेकअप में भी चित्रांगदा काफी खूबसूरत लग रही हैं। खबरों के मुताबिक फिल्म में चित्रांगदा सिंह अहम भूमिका निभा रही हैं लेकिन मेकर्स और एक्ट्रेस की तरफ से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिल्म की कहानी गौतम घोष और जगन्नाथ गुहा ने लिखी हैं, साथ ही दो इटैलियन स्क्रिप्ट राइटर एमेडियो पगनीनी और सर्जियो स्कैपग्निनी ने भी स्क्रिप्ट पर काम किया हैं। इसे अंग्रेजी, हिंदी और आंशिक रूप से इटैलियन में बनाया जा रहा है। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक कपल और उनके बच्चे की कहानी के जरिए ह्यूमन डिस्प्लेसमेंट के मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में एक बच्चा भी अहम भूमिका में दिखने वाला है लेकिन अब तक यह तय नही है कि ये किरदार कौन निभाने वाला है।

चित्रांगदा डीआईडी लिटिल मास्टर्स 4 जैसे रियालिटी शो को जज कर चुकी है। इसके अलावा वेब सीरीज की बात करें तो वह मॉडर्न लव : मुंबई में लतिका की भूमिका में नजर आई, जिसे बहुत पसंद किया गया।

**पर्सनल जिंदगी का संघर्ष**

चित्रांगदा उन सितारों में से है, जिसनी नीजी जिंदगी में बहुत उठा-पटक रही है। साल 2001 में जब वह गोल्पर ज्योति रंधावा से शादी रचाई थी तो शायद सोचा भी नहीं होगा की इस रिश्ते का भविष्यऐसा होगा। शादी के बाद उसे एक बेटा हभी हुआ और बच्चे का नाम जोरावर रखा। जहां ज्योति अपने करियर की वहज से दिल्ली में बस गए थे, वहीं चित्रांगदा को मूवी की वजह से मुंबई में रहना पडता और धी रे - धी रे छो टी - मो टी बडी वहजें बनने लगी और उनकी शादीशुदा जिंदगी में हमेशा के लिए दरार पड गई।

## मेरे लिए 'कहानी' मायने रखती है: मोनल

एक दशक से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग में काम कर रही मोनल गज्जर ने फिल्म कागज से 2021 में हिन्दी फिल्मों में शुरूआत से पहले चार भाषाओं में फिल्में की हैं। हाल ही में दूसरी हिन्दी फिल्म पूरी करने वाली मोनल तमिल, तेलुगु, मलयालम और गुजराती भाषा की फिल्मों में काम करने के बाद किसी तरह की जल्दी में नहीं है।

वह कहती है, मैं बस प्रवाह के साथ आगे बढ़ रही हूं। मैं उन परियोजनाओं को हाथ में लेती हूं जो भाषा की बाधा के बावजूद मुझे पसंद हों। यह भी सच है कि पास कभी काम की भरमार नहीं थी, इसलिए चुनने के लिए बहुत कुछ था भी नहीं। ऐसे में इंडस्ट्री में टिकी रहने के लिए जो कुछ भी हाथ में था, उसमें से ही चुना।

वह खुश है कि क्षेत्रीय उद्योगों ने नए दरवाजे खोल दिए हैं। वह कहती है, जब मैंने शुरू किया तो अलग-अलग उद्योग हुआ करते थे लेकिन अब अलग भाषाओं के बावजूद हर कोई अखिल भारतीय फिल्मों की रिलीज की प्रतीक्षा कर रहा है। यह बहुत अच्छा है कि अब हम जो भी शूट करते हैं. वह सभी इलाकों में रिलीज हो जाता है। निजी तौर पर मैं नायक और नायिका की अवधारणा में विश्वास नह करती। मेरे लिए कहानी मायने रखती है और हम केवल अपने किरदार निभाते हैं बाकी सब टीम प्रयास है।'अब बॉलीवुड पर अधिक ध्यान दे रही मोनल कहती कि मेरी अगली दो-तीन हिन्दी परियोजनाओं की घोषणा कुछ महीनों में की जायगी, अंदाजा नहीं है कि यह वेब सीरीज होगी या मूवी, क्योंकि इन दिनों चीजें किसी भी दिशा में जा सकती है।

# हैवी वर्क लहंगा चोली में भूमि पेडनेकर ने बिखेरा हुस्न-ए-जलवा

## ट्रेडिशनल लुक में लगाया बोल्डनेस का तड़का

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो अक्सर अपने लुक्स से इंटरनेट पर तहलका मचाती हैं। हाल ही में ट्रेडिशनल लुक में बोल्ड फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही चर्चा में आ गई हैं। फैंस भी भूमि की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में भूमि पेडनेकर पेस्टल ग्रीन कलर के हैवी वर्क वाले लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

# कटरीना कैफ की शादी से ना खुश है रणबीर कपूर ?

## सेट पर विक्की कौशल का इस तरह उड़ाया मजाक !

बॉलीवुड की बार्बी डॉल कही जाने वाली कटरीना कैफ आखिरकार अब विक्की कौशल की दुल्हनियां बन ही गयी हैं। वही एक्ट्रेस की इस तरह शादी की खबरे सुन कई लोगों के दिल टूट गए थे। कहा जाता है की इसी दिल टूटे इंसान की लिस्ट में एक नाम बॉलीवुड के सवारियां रणबीर कपूर का भी हैं। वही अब इंटरनेट पर आए इस वीडियो ने इस बात को यकीन में तब्दील कर दिया हैं।

दरअसल हाल ही में इंटरनेट पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही हैं। जिसमे रणबीर कपूर कटरीना कैफ के पति विक्की कौशल का मजाक बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिससे फैंस को यह लगने लगा है की रणबीर ऐसा इसलिए कर रहे है क्यों की वो विक्की और कटरीना के शादी से खुश नहीं हैं। दरअसल वीडियो में यह देखने को मिल रहा है की रणबीर एक फिल्म सेट पर हैं और शॉट के लिए तैयार हो रहे हैं जब पीछे से विक्की कौशल इन्हें देखकर कहते हैं कि रणबीर नहीं बल्कि उनके फेवरेट तो रणवीर सिंह हैं। फिर विक्की रणबीर को एक डांस स्टेप भी करके दिखाते हैं लेकिन रणबीर उन्हें ज्यादा भाव नहीं देते हैं। जब विक्की अपनी तारीफ करने लगते हैं तो रणबीर उनकी मजे लेते हुए दिखाई देते हैं। रणबीर विक्की से कहते हैं कि वो एक फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं और वो डायरेक्टर को कहेंगे कि विक्की को फोन करें।

जब विक्की पूछता है कि फिल्म में हीरो कौन होगा तो रणबीर विक्की के स्टेटमेंट पर उनका मजाक उड़ाते हुए कहते हैं 'रणवीर सिंह, तेरा फेवरेट'! इसपर विक्की चौंक जाते हैं और सामने से कहते हैं कि रणवीर नहीं रणबीर ही उनके फेवरेट हैं। वही इस पुरे बात-चित के दौरान कियारा आडवाणी भी व्हाहा मौजूद रहती हैं। दरअसल यह एक स्क्रिप्टेड वीडियो है,विक्की और कियारा की फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' में रणबीर ने कैमियो किया है और ये क्लिप उसी का है। हालांकि यह बात तो सभी जानते है की एक समय पर रणबीर कपूर और कटरीना कैफ रिलेशनशिप में हुआ करते थे। और उनके बीच का ये प्यार जग जाहिर हो चूका था। लेकिन उनका ये प्यार ज्यादा दिन तक नहीं चल पाया और फिर दोनों आपसी समझौते से हमेशा के लिए अलग हो गए। वही अब दोनों अपने लाइफ में काफी ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। खुशहाल मैरिड लाइफ एन्जॉय कर रहे हैं।

# फिल्म इंडस्ट्री से साल 2022 के स्टार परफॉर्मर, जो सालों साल रहेंगे आपको याद

**यह साल का वह** समय है जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं और बीते साल को याद करते हैं, फिल्मों के बेंचमार्क सेट करने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर धुंआधार कमाई करने और हमारे पसंदीदा अभिनेता जिन्होंने अपने ऑन-स्क्रीन किरदारों को यादगार बनाया, बेहतरीन प्रदर्शन दिया और दर्शकों और फैन्स अमिट छाप छोड़ दी। तो आइए ऐसे ही कुछ यादगार प्रदर्शन पर नजर डालते है जो स्क्रीन्स पर लार्जर दैन लाइफ किरदारों और परफॉर्मेंसेज के साथ आए और दर्शकों का दिल जीत लिया।

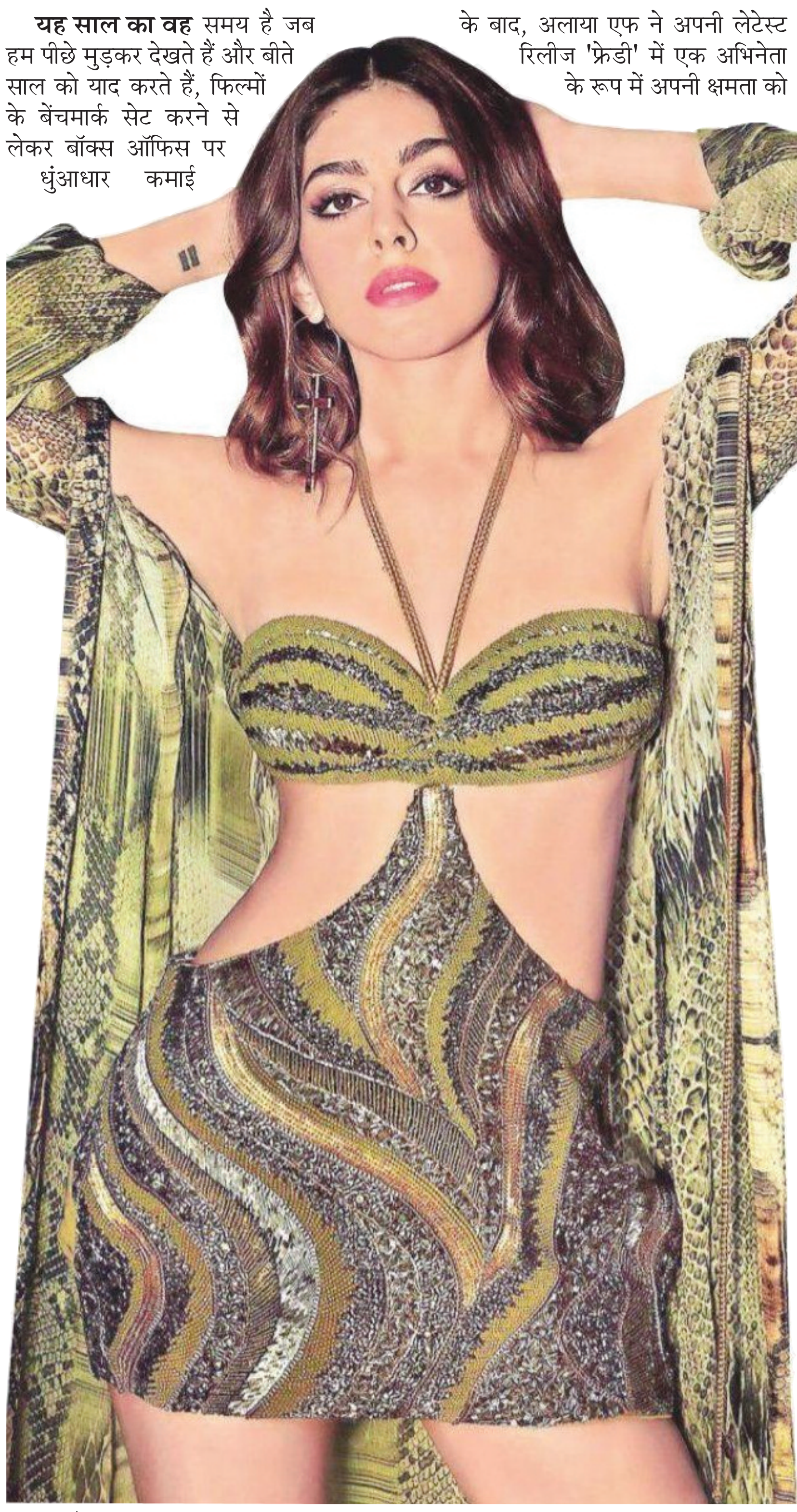

## अलाया एफ (फ्रेडी)

सैफ अली खान और तब्बू के साथ जवानी जानेमन के साथ एक शानदार शुरुआत करने के बाद, अलाया एफ ने अपनी लेटेस्ट रिलीज 'फ्रेडी' में एक अभिनेता के रूप में अपनी क्षमता को इस हद तक साबित कर दिया कि समीक्षकों और दर्शकों सहित हर कोई, कैनाज के उनके किरदार से इस कदर प्रभावित है कि उससे बाहर ही नही आ पा रहा है। अपनी पहली फिल्म से ही, जेन-एक्स अभिनेता को फिल्मों और किरदारों की उनकी दिलचस्प पसंद और कम फिल्में करने की उनके फैसले को खूब सराहा है।

## कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड के सबसे सफल स्टार के रूप में पहचाने जाने वाले कार्तिक आर्यन को निस्संदेह बॉलीवुड के तारणहार के रूप में लेबल किया जा रहा है और हो भी क्यों न... लॉकडाउन के बाद, मेन एक्टर के रूप में उनकी फिल्म 'भूल भुलैया 2' बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म बन गई जिसे देखने के लिए ज्यादा से ज्यादा दर्शकों की भीड़ उमड़ी और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को भी रिवाइव किया जिससे सिनेमा मालिकों, प्रदर्शकों और वितरकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

## अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन की पुष्पा-द राइज़ ने बॉक्स ऑफिस पर एक ऐतिहासिक बेंचमार्क सेट किया, बॉलीवुड और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ी रिलीज़ को पीछे छोड़ दिया और ग्लोबल लेवल पर 350 करोड़ से अधिक की कमाई की। सुपरस्टार की पैन इंडिया अपील और स्टार पावर ऐसी थी कि अकेले फिल्म के हिंदी वर्जन ने 80 करोड़ से अधिक की कमाई की। अल्लू का दमदार डायलॉग 'झुकेगा नहीं साला' लोगों और उनके उत्साही प्रशंसकों के लिए एक आइकोनिक लाइन बन गया है। इसमें कोई हैरानी नहीं कि अल्लू अर्जुन को मेन ऑफ द ईयर अवार्ड्स में जीक्यू के 'लीडिंग मैन' का ताज क्यों पहनाया गया और उन्होंने अत्यधिक प्रतिष्ठित कवर पर प्रभाव डाला। इतना ही नही पॉपुलर एक्टर अल्लू अर्जुन ने भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर न्यूयॉर्क में वार्षिक भारतीय दिवस परेड में ग्रैंड मार्शल के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

## (रॉकिंग स्टार) यश

सुपर सफल केजीएफ फ्रैंचाइजी (केजीएफ 1 और केजीएफः चैप्टर 2) के साथ, यश ने सीमाओं को पार किया है और एक बड़े फैन बेस के साथ भारतीय सिनेमा में सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक बन गए हैं। विशाल व्यक्तित्व वाले पैन-इंडिया मेगा स्टार को केजीएफः चैप्टर 2 की भारी सफलता के साथ कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने और इसकी खोई हुई महिमा को वापस लाने का श्रेय दिया जाता है। हाल ही में आयोजित इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में, यश ने केजीएफः चैप्टर 3 के बारे में खुलासा किया और कहा, "हमारे पास एक योजना है, लेकिन अभी के लिए नही। मैं कुछ और करना चाहता हूं। मैं 6-7 साल से केजीएफ कर रहा हूं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम बाद में केजीएफ 3 करेंगे।"

## ऋतिक रोशन

भले ही ऋतिक रोशन को इस साल सिर्फ एक हिट मिली हो, लेकिन सैफ अली खान के साथ 'विक्रम वेधा' में वेधा (भोजपुरी लहजे में बोलना) के रूप में उनके प्रदर्शन ने न केवल उन्हें तारीफ और सरहाना दिलाई, बल्कि इसने उनकी फिल्मोग्राफी के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया। तो कुछ ऐसा है ऋतिक का जादू ।

## दीपिका पादुकोण

ऋतिक रोशन की तरह दीपिका पादुकोण को भी इस साल एक हिट मिली - गहरीयां। मेंटल हेल्थ के बारे में जागरूकता फैलाने और चुनौतीपूर्ण और लीक से हटकर किरदार निभाने के लिए दीपिका को सलाम। दीपिका जैसी अनुभवी और शानदार अदाकारा ही अपने किरदार के साथ न्याय कर सकती थी जिसे दर्शक और उनके प्रशंसक लंबे समय तक याद रखेंगे।

## यामी गौतम धर

रचनात्मक रूप से, यह यामी गौतम धर के लिए एक बहुत ही बड़ा साल रहा है क्योंकि खूबसूरत अभिनेत्री की अब तक दो रिलीज़ हुई हैं जिनमें 'ए थर्सडे' और 'दसवीं' शामिल हैं, दोनों ओटीटी फिल्में हैं। जबकि 'ए थर्सडे' एक गंभीर मुद्दे से जुड़ी थी, 'दसवीं' ने एक अभिनेता के रूप में उन्हें बहुत कुछ दिया हैं, क्योंकि फिल्म में उन्होंने एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते हुए एक नई बोली सीखीं। काम के मोर्चे पर, अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में 'लॉस्ट' और 'ओएमजी 2' जैसी परियोजनाएं हैं।

## विजय वर्मा

अपनी पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक, विजय वर्मा को 'डार्लिंग ऑफ द ईयर' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उनके नाम मल्टी-स्टारर हिट 'डार्लिंग्स' हैं, जिसमें आलिया भट्ट और शेफाली शाह भी हैं। इम्तियाज अली की 'शी' में एक कुख्यात नारकोटिक्स डीलर सास्या और 'गली बॉय' में मोईन की भूमिका निभाने के बाद, विजय ने 'डार्लिंग्स' में एक जटिल, त्रुटिपूर्ण व्यक्ति और एब्यूसिव हसबैंड की भूमिका निभाई, जिसे तारीफ और सरहाना के साथ नफरत भी खूब मिली।

## शेफाली शाह

फिल्मों और वेब शोज सहित पांच सफल परियोजनाओं के साथ, यह निस्संदेह शेफाली शाह का साल है! दमदार एक्रेटस शेफाली शाह ने इस साल कई दिलचस्प और विशिष्ट परियोजनाओं को करने की अपनी इच्छा जाहिर की और बड़े पर्दे और ओटीटी स्पेस पर अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। शेफाली ने 'डार्लिंग्स', 'डॉक्टर जी', 'दिल्ली क्राइम एस2', 'जलसा', 'ह्यूमन' और मोस्ट अवेटेड 'थ्री ऑफ अस' सहित फिल्मों और वेब शोज में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया।

## रकुल प्रीत सिंह

जबकि उनके प्रशंसक उन्हें रकुल 'प्रीति' सिंह के रूप में संदर्भित करते हैं, सबसे सुंदर अभिनेत्री दर्शकों और उनके प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरी उतरी हैं क्योंकि उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया और परियोजनाओं में अलग और दिलचस्प रोल्स को खूबसूरती से निभाने के लिए खूब वाहवाही बटोरी जिसमें 'थैंक गॉड', 'कटपुतली', 'रनवे 34' और 'डॉक्टर जी' शामिल है।

## सोहम शाह

'तुम्बाड' हो, 'शिप ऑफ थिसियस', 'तलवार', 'बिग बुल' या 'सिमरन' हो, एक दिलचस्प भूमिका जो प्रदर्शन और लोकप्रियता के मामले में सोहम शाह के लिए वास्तव में सामने आई, वह है 'महारानी' से भीमा भारती '। जबकि सोहम 'महारानी सीजन 1' (जो सीजन 2 से बिल्कुल अलग था) में अपने सहज प्रदर्शन के लिए खूब तारीफ हासिल की थी, उन्होंने शो के सीजन 2 में अभिनय करके कहानी को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया।

## सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत ने इस साल जिन दो फ़िल्मों में अभिनय किया है उसमें 'गहराइयां' और 'फ़ोन भूत' शामिल हैं। इस फिल्मों ने न केवल उन्हें एक अभिनेता के रूप में उनकी सीमा को प्रदर्शित करने का मौका दिया, बल्कि दो अलग अलग शैली की फिल्मों को चुनने के लिए उनकी शानदार पसंद को भी प्रदर्शित किया। कहने की जरूरत नहीं है, जेन-एक्स अभिनेता ने दोनों परियोजनाओं में बेहरीतन प्रदर्शन किया और एक भरोसेमंद अभिनेता के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा को शोकेस किया।

## अभिषेक बनर्जी

चाहे वह वेब सीरीज 'द ग्रेट वेडिंग्स ऑफ मुन्नेस' में एक अहम भूमिका हो या वरुण धवन अभिनीत उनकी हालिया रिलीज 'भेड़िया' हो, अभिषेक बनर्जी ने हर उस भूमिका में शानदार काम किया है जिसे उन्होंने बड़े या छोटे पर्दे पर निभाया है। अपने स्क्रीन टाइम के बावजूद, अभिषेक अपनी फिल्मों में आलोचकों और दर्शकों, सभी से तारीफ हासिल करते हैं और परियोजनाओं की सबसे बड़ी यूएसपी में से एक बन जाते हैं।

## नुसरत भरुचा

समाज में वर्जित माने जाने वाले 'कंडोम' के विषय से संबंधित 'जनहित में जारी' के साथ, नुसरत भरुचा ने फिल्म में बेहद शानदार प्रदर्शन दिया, जिसे समीक्षकों द्वारा सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की। अक्षय कुमार के साथ उनकी दूसरी बड़े बजट की फिल्म 'राम सेतु' को भी दर्शकों और आलोचकों ने खूब सराहा, जो फिल्म में नुसरत के प्रदर्शन की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे।

## सबा आजाद

एक्टर-सिंगर सबा आज़ाद ने सोनीलिव शो 'रॉकेट बॉयज़' में परवाना ईरानी के रूप में अभिनय करके सभी को प्रभावित किया, जिसमें जिम सर्भ और इश्वाक सिंह मुख्य भूमिकाओं में थे। वह शो के अपकमिंग सीज़न में भी दिखाई देंगी, और अपने अब तक के करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें प्लेबैक सिंगर, अपने बैंड के साथ प्रदर्शन और अभिनय शामिल हैं। 'रॉकेट बॉयज 2' के अलावा, खूबसूरत अभिनेत्री 'मिनिमम' की रिलीज का भी इंतजार कर रही हैं, जहां वह एक फ्रेंच लड़की की भूमिका में नजर आएंगी।

# बॉडीगार्ड के बेटे की किस्मत चमकाने में जुटे सलमान खान

## डेब्यू फिल्म के लिए खुद कर रहें एक्ट्रेस की तलाश

बॉलीवुड में भाईजान के नाम से मशहूर सुपरस्टार सलमान खान अपनी एक्टिंग के अलावा अपनी दरियादिली के लिए जाने-जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में ना जाने कितने स्टार्स का करियर आज सुपरस्टार के दम पर है। बी-टाउन में सलमान खान ना जाने कितने सितारों के गॉड फादर कहे जाते है। सुपरस्टार ना जाने कितने न्यू कमर्स को बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने का मौका दिया है।

कैटरीना कैफ, जरीन खान, जहीर इकबाल, प्रनुतन बहल, सोनाक्षी सिन्हा, अथिया शेट्टी, सूरज पंचोली और आयुश शर्मा समेत कई सितारों को सलमान खान ने लॉन्च किया है। वहीं अब सलमान खान जल्द ही सालों पहले किए अपने एक वादे को जल्द पूरा करने जा रहे हैं। अपने दोस्त के बेटे जहीर इकबाल के बाद अब सलमान अपने सबसे करीबी शख्स के बेटे को बॉलीवुड में लॉन्च करने जा रहे हैं।

दरअसल, सलमान खान ने अपने पसर्नल बॉडीगार्ड शेरा से किए अपने सालों पुराने वादें को पूरा करने जा रहे हैं। सलमान ने शेरा से वादा किया था कि वो उनके बेटे टाइगर को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे। साल 2019 में सलमान ने टाइगर के डेब्यू को लेकर कहा था कि "शेरा के बेटे टाइगर को अभी तैयार किया जा रहा है और वह पहले से ही कई प्रोड्यूसर्स और निर्देशकों की नजरों में है। शेरा को लगता है कि मैं उनके बेटे के लिए एक स्क्रिप्ट का सबसे अच्छा जज मैं बनूंगा, इसलिए मैं अब स्क्रिप्ट्स को देख रहा हूं।"

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान जल्द ही शेरा के बेटे टाइगर को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले है क्योंकि टाइगर की पहली फिल्म के लिए स्क्रिप्ट की तलाश खत्म हो चुकी है। मूवी की स्क्रिप्ट और बाकि चीजें तैयार है। फिलहाल भाईजान टाइगर के अपोजिट एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं जिसके लिए उन्होंने खुद दो-तीन एक्ट्रेसेस से फिल्म में काम करने को लेकर बात भी की है।

एक्ट्रेस के साथ सलमान इस फिल्म के लिए बेहतरीन डायरेक्टर की भी तलाश कर रहे है ताकि टाइगर के बॉलीवुड डेब्यू में किसी तरह की कमी ना रहे है। वैसे कहा तो ये भी जा रहा है कि सुपरस्टार ने सतीश कौशिक से फिल्म को डायरेक्ट करने को लेकर बात की है। फिल्म की शूटिंग को लेकर खबर है कि इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2023 से शुरु करने की प्लॉनिंग चल रही है। इसके अलावा फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

# मैं एक शर्मीली बच्ची थी : जिया शंकर

जिया शंकर जल्द ही रितेश देशमुख के साथ फिल्म 'वेद' में नजर आएगी। वह साऊथ सिनेमा में पहले से ही एक जानामाना नाम है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी है। प्रस्तुत हैं जिया से हुई बातचीत के प्रमुख अंश

* अपने फिल्मी सफर के बारे में कुछ बताएं?

मैंने 16 साल की उम्र में शुरूआत की। खुद को संवारने में थोड़ा समय लगा। मैं एक अंतर्मुखी और शर्मीली बच्ची थी। मैं महाराष्ट्रीयन हूं लेकिन पहला ब्रेक एक तेलुगु फिल्म में तब मिला जब मैं 18 साल की थी।

* अपनी फिल्म 'वेद' के बारे में कुछ बताएं ?

वेद का अर्थ है पागलपन। यह एक त्रिकोणीय प्रेम कहानी बिल्कुल नहीं है। यह दो अलग प्रेम कहानियाँ हैं और प्यार बिल्कुल अलग है। रितेश दोहरी भूमिका नहीं निभा रहे। हॉं मैं रितेश के अपोजिट हूँ और जेनेलिया भी उनके अपोजिट हैं। अभी कहानी बहुत अलग है।

● क्या आपने रितेश और जेनेलिया के साथ तीन फिल्मों की डील साइन की है? -नहीं, अभी मुझे तीन फिल्मों की डील के लिए साइन नहीं किया गया है। * हिंदी फिल्म उद्योग के किन अभिनेताओं/ निर्देशकों के साथ आप काम करना चाहेंगी? -करण जौहर, इम्तियाज अली, जोया अख्तर के साथ काम करना सपना है। वह मेरी पसंदीदा महिला निर्देशक हैं। जिन अभिनेताओं के साथ मैं काम करना चाहूंगी, वे हैं वरुण धवन और अमिताभ बच्चन सर मैं ऋषि कपूर सर के साथ काम करना चाहती थी। 'बॉबी' मेरी पसंदीदा फिल्म है। मैंने यह फिल्म अपने परिवार की वजह से देखी। मुझे उनके अभिनय करने के तरीके और उनकी मासूमियत से प्यार हो गया। कम से कम उनसे मिलने का सपना भए। उनके जैसा कलाकार कोई नहीं है। 'कपूर एंड संस' में काम के ने मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

# क्या 'पुष्पा 2' से रश्मिका मंदाना हुई आउट ?

## ये एक्ट्रेस कर सकती हैं फिल्म में नेशनल क्रश को रिप्लेस!

'पुष्पाः द राइज' एक ऐसी फिल्म है जिसने साउथ सिनेमा के दीवानों और बॉलीवुड लवर्स को एक साथ इम्प्रेस किया है। इस फिल्म ने न सिर्फ कमाई के रिकॉर्ड तोड़े बल्कि दर्शकों के दिल में भी खास जगह बनाई। इस फिल्म में पुष्पा के स्टाइल से लेकर गानों तक सब कुछ सुपरहिट रहा। वहीं, ऑडियंस इस फिल्म के अगले पार्ट का बेसब्री से इंतज़ार कर रही है।

कई दिनों से 'पुष्पा 2' को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की खबरें घूम ही रही हैं। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। आपको बता दें, फैंस पलके बिछाए अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की ऑनस्क्रीम केमिस्ट्री 'पुष्पा 2' में देखने के लिए बेताब हैं। लेकिन अब ऐसी उड़ती-उड़ती खबरें सामने आई है कि इस फिल्म में अब ये जोड़ी दखने को नहीं मिलेगी।

रिपोर्ट्स का दावा है कि 'पुष्पा 2' के लिए मेकर्स रश्मिका की जगह किसी और एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि अब साई पल्लवी को रश्मिका की जगह अप्रोच किया गया है। तो क्या साई पल्लवी की फिल्म में एंट्री से रश्मिका का पत्ता कट जाएगा? क्या साई पल्लवी 'पुष्पा 2' में रश्मिका की जगह लेने वाली हैं? तो चलिए आपको बताते हैं कि आखिर सच क्या है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये सिर्फ अफवाहें हैं कि मेकर्स ने 'पुष्पा 2' के लिए साई पल्लवी से कॉन्टेक्ट किया है और वो फिल्म में रश्मिका मंदाना को रिप्लेस करेंगी। दरअसल, सच तो ये है कि साई पल्लवी को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है लेकिन उनकी वजह से रश्मिका की फिल्म से छुट्टी नहीं होगी। क्योंकि एक्ट्रेस को पुष्पा की बहन के किरदार के लिए मेकर्स अप्रोच कर रहे हैं।

रिपोर्ट की मानें तो, अगर साई पल्लवी फिल्म के लिए हामी भरती हैं तो उन्हें फौरन साइन कर लिया जाएगा। रिपोर्ट्स का कहना है कि फिल्म के लिए एक

मजबूत और यादगार आदिवासी लड़की का किरदार लिखा गया है और इस रोल के लिए साई के नाम पर विचार किया जा रहा है। वहीं, अल्लू अर्जुन और साई पल्लवी के सीन के लिए लगभग 20 मिनट के रनटाइम की उम्मीद की जा रही है। लेकिन अगर साई इस ऑफर को रिजेक्ट कर देती हैं तो मेकर्स सेकंड ऑप्शन के साथ भी तैयार हैं।

## एयरपोर्ट पर कम होगी भीड़:लैपटॉप, मोबाइल और चार्जर निकाले बिना होगा सिक्योरिटी चेक

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर पैसेंजर अब जल्द ही अपने बैग से लैपटॉप, मोबाइल और चार्जर निकाले बिना एंट्री कर सकेंगे। लंबी कतारों को खत्म करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। आने वाले दिनों में एयरपोर्ट पर नए मॉडर्न स्कैनर्स लगाए जाएंगे, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस को बैग से निकाले बिना ही स्क्रीनिंग हो जाएगी। द हिंदू ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। एविएशन सिक्योरिटी रेगुलेटर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के डायरेक्टर जनरल जुल्फिकार हसन ने कहा कि बेहतर सुरक्षा के साथ-साथ यात्री सुविधा के लिए नई तकनीकों की जरूरत है। उम्मीद की जा रही है कि बीसीएएस एक महीने के भीतर टेक्निकल नॉर्म जारी करेगा। इसके बाद एयरपोर्ट पर बैग स्क्रीनिंग के लिए आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे।रिपोर्ट में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट सहित सभी एयरपोर्ट को केबिन बैग की स्क्रीनिंग के लिए लगाई गई मशीनों में सुधार करने की आवश्यकता है। ये मशीनें पुरानी टेक्नोलॉजी की हैं। ड्यूल एक्स-रे, कम्प्यूटर टोमोग्राफी और न्यूट्रॉन बीम टेक्नोलॉजी जैसी तकनीकें यात्रियों को लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हटाने की जरूरत को खत्म कर देंगी। एयरपोर्ट पर भीड़ से छूटी थी फ्लाइट एयरपोर्ट पर ये मॉड़र्न मशीनें ऐसे समय लगाई जा रही हैं जब देश भर के एयरपोर्ट पर एयर ट्रैवलर्स की रिकॉर्ड संख्या देखी जा रही है। 11 दिसंबर को कुल 4.27 लाख डोमेस्टिक ट्रैवलर्स को देखा गया था।

# रिलायंस ने जर्मन कंपनी मेट्रो के भारतीय कारोबार का किया अधिग्रहण, 2850 करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 2,850 करोड़ में जर्मन फर्म मेट्रो एजी के भारत में थोक कारोबार का अधिग्रहण करेगी। इस अधिग्रहण से रिलायंस के मुखिया अरबपति मुकेश अंबानी भारत के विशाल खुदरा क्षेत्र में अपनी प्रमुख स्थिति को मजबूत करना चाहता है। खबरों के अनुसार इस डील में मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी ने अहम भूमिका निभाई है। रिलायंस इंस्ट्रीज की सब्सिडियरी आरआरवीएल (रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड) ने 100 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीदारी के लिए मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षरण किया है। यह डील 2850 करोड़ रुपये में की गई है।

**जर्मन फर्म मेट्रो एजी ने 2003 में भारत में शुरू किया था कारोबार**

जर्मन कंपनी मेट्रो एजी ने 2003 में कैश-एंड-कैरी बिजनेस फॉर्मेट पेश करने वाली पहली कंपनी के रूप में भारत में कारोबार शुरू किया था। वर्तमान में यह कंपनी लगभग 3,500 कर्मचारियों के साथ 21 शहरों में 31 बड़े प्रारूप स्टोर संचालित करती है। मल्टी-चैनल B2B कैश एंड कैरी होलसेलर के रूप में कंपनी की भारत में 3 मिलियन से अधिक बी2बी ग्राहकों तक पहुंच है। इनमें से 1 मिलियन ग्राहक अपने स्टोर नेटवर्क और ईबी2बी ऐप के माध्यम से खरीदारी करते हैं। मेट्रो इंडिया ने खुद को किराना और अन्य छोटे व्यवसायों और व्यापारियों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2021/22 (सितंबर 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष) में, मेट्रो इंडिया ने 7700 करोड़ (926 मिलियन) की बिक्री की है जो भारतीय बाजार में प्रवेश के बाद से कंपनी का सबसे अच्छा बिक्री प्रदर्शन है। कंपनी ने एक बयान मे कहा, इस अधिग्रहण के माध्यम से, रिलायंस रिटेल को भारत के प्रमुख शहरों के प्रमुख स्थानों पर स्थित मेट्रो इंडिया स्टोर्स के एक विस्तृत नेटवर्क तक पहुंच मिलेगी। साथ ही कंपनी को पंजीकृत किराना और अन्य संस्थागत ग्राहकों का एक बड़ा आधार, मजबूत आपूर्तिकर्ता नेटवर्क और मेट्रो इंडिया की ओर से कार्यान्वित कुछ वैश्विक सर्वोत्तम संचालक तकनीक हासिल होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह अधिग्रहण रिलायंस रिटेल के फिजिकल स्टोर फुटप्रिंट और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क, प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों और सोर्सिंग क्षमताओं में तालमेल और दक्षता का लाभ उठाकर उपभोक्ताओं और छोटे व्यापारियों की बेहतर सेवा करने की क्षमता को और मजबूती प्रदान करेगा। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, "मेट्रो इंडिया का अधिग्रहण छोटे व्यापारियों और उद्यमों के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से साझा समृद्धि का एक अनूठा मॉडल बनाने की हमारी नई वाणिज्य रणनीति के अनुरूप है। मेट्रो इंडिया भारतीय बी2बी बाजार में अग्रणी और प्रमुख खिलाड़ी है और इसने मजबूत ग्राहक अनुभव प्रदान करने वाला एक ठोस मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म बनाया है।

| स्थान | 22 कैरेट गोल्ड (10ग्र) | 24 कैरेट गोल्ड (10ग्र) | सील्वर (1केजी) |
|---|---|---|---|
| हैदराबाद | 50,100 रुपये | 54,650 रुपये | 74,700 रुपये |
| बैंगलोर | 50,100 रुपये | 54,650 रुपये | 74,700 रुपये |
| केरल | 50,100 रुपये | 54,650 रुपये | 74,700 रुपये |
| विशाखापत्तनम | 50,100 रुपये | 54,650 रुपये | 74,700 रुपये |

| स्थान | पेट्रोल पर लीटर | डीजल पर लीटर |
|---|---|---|
| हैदराबाद | 109.67 रुपये | 97.82 रुपये |
| दिल्ली | 96.72 रुपये | 89.62 रुपये |
| चेन्नई | 102.63 रुपये | 94.24 रुपये |
| मुंबई | 106.31 रुपये | 97.28 रुपये |
| बेंगलुरू | 101.94 रुपये | 87.89 रुपये |

## कैंसर, शुगर सहित कई बीमारियों की दवाओं के दाम घटे

### पैरासिटामोल का रेट भी हुआ कम

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने कैंसर, डायबिटीज, बुखार और हेपेटाइटिस सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में काम आने वाली दवाओं के रेट देश में 40 फीसदी तक कम कर दिए हैं। ऐसा सरकार की आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल 119 दवाओं की अधिकतम कीमत तय करने के कारण हुआ है। सरकार का इरादा आने वाले समय में एनएलईएम में शामिल कुछ और दवाओं की अधिकतम कीमतें तय करने का है। बुखार में काम आने वाली दवा पैरासिटामोल के दाम अब 12 फीसदी कम हो गए हैं। नेशनल फार्मास्युटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी की बैठक में इस सूची में शामिल 119 तरह के फार्मूलेशन वाली दवाओं की अधिकतम कीमत प्रति टेबलेट-कैप्सूल तय की गई है। जिन मुख्य दवाओं की कीमतों में कमी गई है उनमें बुखार की दवा पैरासिटामोल, मलेरिया के इलाज में काम आने वाली दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन भी शामिल हैं। टेमोज़ोलोमीड एक कैंसररोधी दवा है। इसका उपयोग कीमोथेरेपी में किया जाता है। एलोप्यूरिनॉल का प्रयोग खून में यूरिक एसिड को कम करने के लिए किया जाता है। कैंसर दवाइयों के कारण खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है। इसे रोकने के लिए एलोप्यूरिनॉल दी जाती है। सोफोसबुविर का

प्रयोग हैपेटाइटिस सी के इलाज के लिए किया जाता है। सिरोसिस और लीवर कैंसर के इलाज में भी यह काम आती है। लट्रोज़ोल टैबलेट मेनोपॉज के बाद की महिलाओं में स्तन कैंसर के इलाज लिए दी जाती है। फ्लुकोनाज़ोल एंटी फंगल दवा है। हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन मलेरिया की दवा है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जरूरी दवाओं की राष्ट्रीय सूची जारी करता है। इस साल सितंबर में यह सूची जारी की गई थी। इस सूची में 27 श्रेणियों में 384 दवाओं को शामिल किया गया है। सूची में 34 नई दवाएं जोड़ी गई, तो 26 दवाओं को हटाया भी गया था। कई कैंसररोधी दवाएं, एंटीबॉयोटिक्स, वैक्सीन, सिगरेट की लत छुड़ाने वाली निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी समेत कई जरूरी दवाओं को इस लिस्ट में जोड़ा गया है। संक्रमण रोकने में काम आने वाली 18 दवाएं भी इस सूची में सितंबर में शामिल की गईं।

## कोरोना से सहमा बाजार, सेंसेक्स 241 अंक टूटा

### 18,150 के नीचे बंद हुआ निफ्टी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना के नए वेरिएंट से शेयर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस वजह से उतार-चढ़ाव के बीच बाजार आज गिरावट पर बंद हुआ है। गुरुवार को रियल्टी, ऑटो, पीएसई और मेटल शेयरों पर दबाव देखने को मिला है और एनर्जी, इंफ्रा और एफएमसीदी शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 241.02 अंक यानी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 60,826.22 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 85।25 अंक यानी 0.47 फीसदी की गिरावट के साथ 18,113.85 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में, बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 635।05 अंक या 1।03 फीसदी गिरकर 61,067.24 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 186.20 अंक या 1.01 फीसदी की गिरावट के साथ 18,199.10 अंक पर बंद हुआ था। जेके पेंट्स, एक्रो पेंट्स में 153 करोड़ रुपये में 60 फीसदी हिस्सा खरीदेगी। पहले चरण में जेके पेंट्स 60 फीसदी हिस्सा खरीदेगी। अगले 12

महीनों में बचा हुआ 40 फीसदी हिस्सा खरीदेगी।सीएनबीसी-टीवी18 के मुताबिक टाटा ग्रुप की ऑनलाइन ग्रॉसरी कंपनी 'बिगबास्केट' भी 2025 तक अपने आईपीओ की पेशकश कर सकती है। 200 मिलियन डॉलर की फंडरेजिंग के बाद कंपनी की फिलहाल कुल वैल्यू 3.2 बिलियन डॉलर है। विपुल पारेख ने कहा कि बेंगलुरु स्थित ई-कॉमर्स फर्म पूरे भारत में अपनी पहुंच प्राप्त करने की कोशिशों में जुटी हुई है और अगले 24 से 36 महीनों में एक आईपीओ पेश करने का चुन सकती है, लेकिन इससे पहले कंपनी का लक्ष्य और अधिक निजी पूंजी जुटाने की है।

## दैनिक पंचांग

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | धनु में | धनु--- | 06-15 बजे |
| चंद्र- | धनु में | मकर- | 08-18 बजे |
| मंगल | वृष में | कुंभ - | 10-19 बजे |
| बुध- | धनु में | मीन... | 11-47 बजे |
| गुरु- | मीन में | मेष-- | 13-22 बजे |
| शुक्र- | धनु में | वृष-- | 15-08 बजे |
| शनि- | मकर में | मिथुन.. | 17-09 बजे |
| राहु- | मेष में | कर्क... | 19-20 बजे |
| केतु- | तुला में | सिंह... | 21-33 बजे |
| | | कन्या.. | 22-43 बजे |
| | | तुला | 01-49 बजे |
| | | वृश्चिक | 04-00 बजे |

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस **- 15 -47** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - पौष कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **Dec 23**
नक्षत्र -मूल **- 01 -13** रात्रितक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - गण्ड **-15 - 40 -** तक उप वृध्दि
करण- नाग **- 15 - 47 -** तक उप- किंस्तुघन
विशेष:-
व्रत -त्योहार - देवपितृकार्ये अमावस्या

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 10:52 से 12:15 तक**

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चंचल | 06:46 - 08:07 | शुभ | रोग. | 17:44 - 19:24 | अशुभ |
| लाभ | 08:07 - 09:29 | शुभ | काल. | 19:24 - 21:01 | अशुभ |
| अमृत | 09:29 - 10:52 | शुभ | लाभ. | 21:01 - 22:38 | शुभ |
| काल. | 10:52 - 12:15 | अशुभ | उत्पात | 22:38 - 00:15 | अशुभ |
| शुभ. | 12:15 - 13:38 | शुभ | शुभ | 00:15 - 01:53 | शुभ |
| रोग | 13:38 - 15:01 | अशुभ | अमृत | 01:53 - 03:30 | शुभ |
| उत्पात | 15:01 - 16:24 | अशुभ | चंचल | 03:30 - 05:07 | शुभ |
| चंचल | 16:24 - 17:44 | शुभ | रोग | 05:07 - 06:46 | अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे। लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें।कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है।त्वचा सम्बन्धी छोटी छोटी तकलीफों से आप परेशान हो सकते है।

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आज आप जो भी करेंगे,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा।आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा।आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा) आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे। यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे।आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है।लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे।यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा।अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा हैविदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।शुभ रंग सफ़ेद है।

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें।इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे।दिल की ना सुनें,अपने दिमाग की सुनें।तर्कशक्ति से काम लें।अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें।निवेश के लिए अच्छा दिन है।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है।खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है।आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है।अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें।सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी।

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते) लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी।इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है।आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें।इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं।

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू) घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी।इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें।आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है।आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी।

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) अपने घर से जुड़ी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें। निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं। अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें।अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं।आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें।हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें।इस समय आप अपनी शक्ति बढाना चाहते हैं।

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे। दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय स्थान पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे। लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है।लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी।आपका कोई करीबी भी आज भावनाओ में बहकर बात करेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

## कोरोना के आने से डरा एविएशन इंडस्ट्री! 3 सालों में एयरलाइंस को हुआ 29000 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना के चौथे लहर आने का डर बढ़ता जा रहा है। भारत सरकार एक के बाद एक एतियातन बैठक कर रही है। लेकिन कोरोना के फिर से दस्तक की खबरों से सबसे ज्यादा एविएशन सेक्टर चिंतित है जिसे कोरोनाकाल के दौरान भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। कोरोना के चलते बीते तीन वर्ष में एविएशन सेक्टर को 29000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। और कोरोना के रोकथाम के लिए सरकार कोई बंदिशें लागू करती है तो एविएशन सेक्टर की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं।

## बिटकॉइन, इथेरियम के दामों में बड़ी गिरावट से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट पस्त

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। आज क्रिप्टोकरेंसी के मार्केट में जबरदस्त गिरावट देखी जा रही है और इसके साथ ही इसके कुल मार्केट कैप में भी जबरदस्त कमजोरी आ चुकी है। आज क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में हलचल मची हुई है और बिटकॉइन के दाम में भी बड़ी कमी आ चुकी है। इसके ग्लोबल मार्केट कैप में 1 खरब डॉलर से नीचे के ही स्तर बने हुए हैं और लोगों के पास इस समय बिटकॉइन में पैसा बनाने के मौके नहीं बन पा रहे हैं। ग्लोबल मार्केट में बिटकॉइन के दाम में जोरदार गिरावट के चलते ये अपने तीन तिमाही के निचले स्तर पर आ चुकी है। बिटकइन के दाम इस

समय 16,829 डॉलर प्रति कॉइन से नीचे आ गए हैं और इसके तीन तिमाही के ऊंचे स्तर यानी 69,000 डॉलर से कोसों नीचे आ चुकी है। दूसरी तरफ ईथर यानी इथेरियम ब्लॉकचेन से जुड़ी ईथर के दाम में कल के मुकाबले लगभग सपाट लेवल देखे जा रहे हैं। आज इसके दाम 1213 डॉलर प्रति टोकन के आसपास बने हुए हैं। डॉजकॉइन के दाम में हल्की तेजी देखी जा रही है और ये क्रिप्टोकरेंसी कल के मुकाबले ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही है। आज भारत में बिटकॉइन 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ 1,391,560।56 रुपये प्रति कॉइन पर कारोबार कर रही है।इथेरियम के दाम आज 100,284.4 रुपये प्रति कॉइन पर कारोबार कर रहे हैं। 0.16 फीसदी की तेजी इसके एक घंटे के कारोबार में देखी जा रही है। बीएनबी के दाम देखें तो आज 0.42 फीसदी की गिरावट के साथ 20,358.95 रुपये पर कारोबार कर रही है। टीथर के दाम में आज 82.73 रुपये के लेवल देखे जा रहे हैं और यूएसडी सिक्का के रेट 8272 रुपये पर आ गए हैं। दोनों ही क्रिप्टोकरेंसी के रेट में आज 0.18-0.18 फीसदी की तेजी देखी जा रही है।

## एफटीएक्स के पूर्व मुखिया को एफबीआई के हवाले किया गया, बहामास से न्यूयार्क लाए गए

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिवालिया क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के पूर्व मुखिया सैम बैंकमैन फ्राइड को एफबीआई के हवाले कर दिया गया है। उन्हें बुधवार की रात बहामास से न्यूयार्क ले जाया गया। उन्हें कुछ दिनों पूर्व हिरासत में लिया गया था। बैंकमैन-फ्राइड पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में मुकदमा चलाया जा रहा है।

उसके अरबों डॉलर के साम्राज्य और क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स धराशायी होने से संबंधित धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। मैनहट्टन यूएस अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने बुधवार रात एक बयान में कहा कि कथित जालसाज जल्द से जल्द एक संघीय न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा। बैंकमैन-फ्राइड ने नासाओ के ओडिसी हवाई अड्डे से लगभग 7 बजे उड़ान भरी। पूर्व अरबपति को स्थानीय मीडिया की ओर से लगातार फिल्माया जा रहा था, इसलिए पुलिस का एक लंबा काफिला उन्हें एक निजी रनवे तक ले गया था।

## मारुति सुजुकी ने लिया कारों के दामों में बढोतरी का फैसला

हैदराबाद, 22 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। महंगाई के चलते नववर्ष 2023 से देश की मशहूर कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कारों के दामों में बढोतरी का फैसला लिया। इस संदर्भ में आटोमेकर मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी से प्राप्त महत्वपूर्ण व्यापारिक सूत्रों ने बताया कि, मारुति के कारों के उत्पादन के दौरान तत्संबंधित वाहनों के इलेक्ट्रानिक उपकरणों की कमी के कारण इससे जुडे खासकर डोमेस्टिक माडल्स में कुछ हदतक मामूली प्रभाव पड़ा है।

इसके चलते कंपनी ने इस प्रभाव को कम करने के लिए सभी संभव प्रयास कर रही है। पर डोमेस्टिक माडल्स के कारों की बिक्री अधिकांश होने के चलते तत्संबंधित इलेक्ट्रानिक उपकरणों की कमी के चलते डोमेस्टिक माडल्स के कारों के उत्पादन पर प्रभाव पडा है। इसके चलते आटोमेकर मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी ने आगे बताया कि, कंपनी लगभग सभबी मारुति कारों के माडल्स के दामों में आगामी नववर्ष 2023 से बढोतरी करने के फैसले लिया गया है। इस मामले में मारुति सुजुकी कंपनी ने नववर्ष 2023 से अपनी कंपनी की विभिन्न कारों के दामों में बढोतरी के फैसले के चलते मुद्रास्फीति तथा विनियामक आवश्यकताओं के कारण लागत दबावों का हवाला दिया।

साथ ही,आटोमेकर मारुति सुजुकी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि, जबकि कंपनी लागत कम करने तथा आंशिक रुपसे वृध्दि को आफसेट करने के लिए अधितकम प्रयासरत है।

पर मूल्य वृध्दि के माध्यम से कुछ प्रभाव को पारित करना अनिवार्य हो चुका है। इसे देखते हुए कंपनी ने जनवरी 2023 में कारों के मूल्य में बढोतरी की योजना बनाई है, जो कारों के सभी माडल्स में पृथक्-पृथक होगी।

मारुति सुजुकी कंपनी ने कारों के उत्पादन व बिक्री का महत्वपूर्ण विवरण देते हुए बताया कि, नवंबर 2022 में कार की कुल बिक्री में 14 प्रतिशत वृध्दि दर्ज हुई है। साथ ही मारुति सुजुकी ने इस वर्ष नवंबर में कुल 1,59,044 इकाइयां बेची हैं, जो गत वर्ष की समान अवधि में कुल 1,39,184 रही है। इस आंकडे में घरेलू बिक्री(1,35,055 इकाइयां), अन्य ओईएम की बिक्री(4251 इकाइयां) तथा निर्यात(19,738 इकाइयां) शामिल हैं। कंपनी ने यह भी बताया कि, कंपनी की घरेलू बिक्री गत वर्ष नवंबर में 18 प्रतिशत बढकर 1,39,306 रही। साथ ही मिनी कारों(आल्टो, एस-प्रेसो) की बिक्री गत वर्ष इसी महिन में 17,473 इकाइयों से बढकर 18251 इकाईयां हो गयी। इसी तरह काम्पैक्ट सेगमेंट(स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्नीस, बैलेनो व डिजायर) में बिक्री गत वर्ष नवंबर में 57,019 यूनिट से बढकर 72,844 यूनिट हुई। जबकि मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री 1554 इकाईयां रही।उपयोगिता वाहनों जैसे विटारा ब्रेज्झा, एस क्रास व एर्टिगा में बिक्री इस वर्ष नवंबर में बढकर 32,563 इकाईयां हुई। दूसरी ओर गत वर्ष इसी महिने में 21,393 इकाइयों की तुलना में घटकर 19,738 इकाइया रह गयी।

इसके चलते बीएसई एक्सचेंज पर मारुति सुजुकी इंडिया शेयर्स जो 1.58 प्रतिशत गिरावट के साथ 8815 पर बंद हुए।

## मारुति सुजुकी ने कामराजर पोर्ट से डील साइन की

### दुनियाभर में हर साल 20 हजार कारें एक्सपोर्ट करेगी कंपनी, पांच साल के लिए किया कॉन्ट्रेक्ट

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ग्लोबल मार्केट में अपनी कारों को एक्सपोर्ट करने कि लिए तमिलनाडु के कामराजर पोर्ट से डील साइन की है। यह डील पांच साल के लिए की गई है। ऑटोमोबाइल यूनिट्स को इंपोर्ट और एक्सपोर्ट करने के लिए कामराजर पोर्ट के मैनेजमेंट ने एक कार-कम-जनरल कार्गो बर्थ डेवलप किया है। इसका इस्तेमाल अफ्रीका, मिडल ईस्ट, लैटिन अमेरिका, आसियान , ओशिनिया और सार्क रीजन में कारों के एक्सपोर्ट के लिए किया जाएगा। भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि वह इस पोर्ट से सालाना 20 हजार व्हीकल्स को एक्सपोर्ट करेगा। एक्सपोर्ट के लिए देश में कंपनी का यह चौथा पोर्ट है।

वर्तमान में मारुति सुजुकी मुंबई, मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से अपनी गाड़ियों को विदेश में एक्सपोर्ट कर रही है। मारुति सुजुकी के एमडी और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा, कंपनी मेक इन इंडिया पहल के लिए डेडीकेटेड है।

# सांसद गिल ने की भारतवंशी डॉक्टर की खुदकुशी की जांच की मांग

लंदन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पहली महिला सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने भारतीय मूल की एक जूनियर डॉक्टर वैष्णवी कुमार की खुदकुशी और कर्मचारियों द्वारा उसे तंग करने की जांच कराने की मांग की है। गिल ने बर्मिंघम में नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) अस्पताल ट्रस्ट की स्वतंत्र जांच कराने के लिए ब्रिटिश सरकार को पत्र लिखा है। इस अस्पताल को सरकार से वित्त पोषण प्राप्त है और डॉ. वैष्णवी (35) बर्मिंघम एजबैस्टन के इसी अस्पताल में काम करती थीं। सांसद प्रीत कौर गिल ने डॉ. वैष्णवी कुमार की आत्महत्या का अपने पत्र में जिक्र करते हुए लिखा कि इस मामले की गत माह जांच के दौरान पता चला कि उसे काम पर अपमानित किया जाता था तथा वह घर आकर रोती थी। विपक्षी लेबर पार्टी की वरिष्ठ सांसद गिल ने कहा कि कुमार के संपर्क में रहे कई कर्मियों ने बताया कि एनएचएस अस्पताल में 'मुंह बंद रखो या काम छोड़ दो' की संस्कृति है। गिल ने इस मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है, ताकि लोग खुद आगे आकर सबूत देने में सुरक्षित महसूस करें।

# कोरोना को लेकर डीसीडब्ल्यू ने जताई चिंता

## केंद्र से चीन से आने वाली फ्लाइट्स पर बैन लगाने की अपील की

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग ने भी पड़ोसी देश चीन में कोरोना के बढ़ते मामले पर चिंता जाहिर की है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि पिछले साल कोरोना की जो लहर आई उसने कई घर उजाड़ दिए, मैंने भी अपनों को खोया। जो खबरें चीन से आ रही हैं वो हर भारतीय की नींद उड़ा रही है। मेरी केंद्र सरकार से अपील है तुरंत चीन से आने वाली फ्लाइट्स पर बैन लगाएं।

**चीन में हालात बेहद खराब**

रिपोर्ट्स की मानें तो अभी हर रोज चीन में एक से डेढ़ लाख लोग संक्रमित मिल रहे हैं। ये दुनिया के किसी भी दूसरे देश से कहीं अधिक है। इसके अलावा मरने वालों की संख्या भी यहां दो से तीन हजार प्रतिदिन है। एक अनुमान के तहत अगले तीन महीने के अंदर चीन में कोरोना संक्रमण के चलते 10 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो सकती है। 80 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर चीनी सरकार इन आंकड़ों को नहीं मानती है। डब्ल्यूएचओ को मुताबिक चीन में हर रोज 15 से 20 हजार नए संक्रमित मिल रहे हैं। वहीं, रोजाना 60 से 70 लोग जान गंवा रहे हैं।

**स्वास्थ्य मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक**

कोरोना को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसके बाद मंडाविया ने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है। सभी संबंधित पक्षों को इसे लेकर सतर्क व सावधान रहना है। उधर, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा कि कोरोना टीकों की तीसरी या ऐहतियाती खुराक अनिवार्य है। इसे सभी को लेना चाहिए। भीड़भाड़ वाली जगह मास्क पहने की सलाह भी दी गई है। बैठक के बाद मंडाविया ने ट्वीट कर कहा, 'कुछ देशों में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए हमने विशेषज्ञों व अधिकारियों के साथ देश में हालात की समीक्षा की। कोविड अभी गया नहीं है। सभी संबंधित पक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे सतर्क रहें और निगरानी को मजबूत करें। हम किसी भी हालात से निपटने के लिए तैयार हैं।'

### म्यांमार संकट को लेकर पहला प्रस्ताव पास, सेना से 'सू की' समेत हिरासत में रखे नागरिकों को छोड़ने की मांग

न्यूयॉर्क, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में म्यांमार में जारी मानवाधिकार संकट को लेकर पहला प्रस्ताव लाया गया। इसमें मांग की गई कि म्यांमार की सेना (जुंता) मनमाने तरीके से हिरासत में रखे गए नागरिकों को तुरंत छोड़े। प्रस्ताव में म्यांमार की प्रमुख नेता आंग सान सू की और पूर्व राष्ट्रपति विन माइंट को छोड़ने का अनुरोध भी किया गया। गौरतलब है कि यूएनएससी की अध्यक्षता इस महीने भारत के पास है। इसी मौके पर ब्रिटेन ने म्यांमार को लेकर यह प्रस्ताव पेश किया, जिस पर वोटिंग कराई गई। प्रस्ताव को लेकर यूएनएससी के 12 सदस्यों ने म्यांमार से तुरंत हिंसा रोकने और हिरासत में रखे गए लोगों को छोड़ने की मांग की। वहीं तीन सदस्य- रूस, चीन और भारत इस प्रस्ताव पर वोटिंग में शामिल नहीं हुए। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि यह प्रस्ताव म्यांमार में रक्तपात रोकने के लिए एक कदम है। हालांकि, इसे लेकर काफी कुछ किया जाना बाकी है। उधर चीन के राजदूत झांग जुन ने कहा कि म्यांमार के मुद्दे पर कोई भी हल तत्कालिक नहीं है।

**म्यांमार में पिछले साल हुआ था तख्तापलट**

म्यांमार में एक फरवरी 2021 को सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों का तख्तापलट कर सत्ता खुद संभाल ली थी। फिलहाल सैनिक शासक जनरल मिन आंग हलायंग म्यांमार के राष्ट्राध्यक्ष हैं। तख्तापलट के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने म्यांमार पर कई प्रतिबंध लगाए थे। इसके पहले भी 1990 के दशक में जब सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डाल कर सत्ता पर कब्जा जमाया, तब 20 वर्ष तक अमेरिका ने म्यांमार के लिए राजदूत की नियुक्ति नहीं की थी। 2010 में जब म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल की गई, तब अमेरिका ने वहां अपना राजदूत भेजा था।

# 4 लाख साल पुराने वायरस को जिंदा कर रहा रूस

## इसे झेलने के लिए इंसानों की इम्यूनिटी काफी नहीं; आ सकती है कोरोना जैसी महामारी

### एक और महामारी की आहट

मॉस्को, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस में 4 लाख साल पुराने वायरस को जिंदा किया जा रहा है। इस पर साइबेरिया शहर की नोवोसिबिर्स्क में एक बायोवेपंस लैब काम कर रही है। इस लैब के साइंटिस्ट का कहना है कि इसी वायरस की वजह से हिमयुग के मैमथ और प्राचीन गैंडों का अस्तित्व खत्म हो गया था।

**4 लाख साल पुराना वायरस क्या है और इसने कैसे तबाही मचाई**

रिपोर्ट मुताबिक लाखों साल पहले मरे मैमथ और गैंडों के शव रूस के याकुटिया नाम की जगह पर मिले हैं। इस जगह का तापमान -55 डिग्री से भी कम है। यही वजह है कि 4 लाख सालों से बर्फ के नीचे दबे होने की वजह से इन जानवरों का मृत शरीर सुरक्षित है। रिसर्च के दौरान साइंटिस्ट को मैमथ के शरीर से ये खतरनाक वायरस मिला है। ऐसा माना जा रहा है कि हिम युग में इन वायरसों की वजह से महामारी फैली थी। इसमें सैकड़ों बड़े जानवर एक साथ मारे गए थे।

**रूस के लैब में इस वायरस को क्यों किया जा रहा है जिंदा?**

साइबेरिया शहर के नोवोसिबिर्स्क में एक बायोवेपंस लैब है। रूस में इस लैब को लोग 'वेक्टर स्टेट रिसर्च सेंटर ऑफ वायरोलॉजी' के नाम से भी जानते हैं। इसी लैब में साइंटिस्ट इस वायरस को जिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं। रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि हिम युग में मैमथ और और प्राचीन गैंडों की मौत के लिए ये वायरस जिम्मेदार थे। ऐसे में इस खतरनाक संक्रामक वायरस के बारे में जानने के लिए ही एक बार फिर से इसे जिंदा किया जा रहा है।

ये 4 लाख साल पुराने मैमथ का कंकाल है जिस पर रूस में रिसर्च किया जा रहा है।

**रूस के रिसर्च पर दुनिया को एक और महामारी की चेतावनी**

आमतौर पर किसी देश में जब इस तरह के रिसर्च होते हैं तो दुनिया भर के साइंटिस्ट्स के बीच इसकी जानकारी होती है। हर देश दूसरे देश की साइंस और टेक्नोलॉजी की मदद लेकर अपने रिसर्च को अंजाम देते हैं। जंग शुरू होने के बाद से ही रूसी साइंटिस्ट्स से दुनिया के बाकी देशों के वैज्ञानिक संपर्क में नहीं हैं। यही वजह है कि यूरोपीय देशों को इस बात की चिंता सता रही है कि रूस अपने लैब में इस वायरस को बायोवेपंस का रूप दे सकता है। लंदन के किंग्स कॉलेज के बॉयो सिक्योरिटी एक्सपर्ट फिलिपा लेंट्जोस ने चेतावनी दी है कि ये वायरस जिंदा होकर किसी तरह से लैब के बाहर आता है तो दुनिया में एक और महामारी आ सकती है। उन्होंने कहा कि ये बेहद जोखिम भरा यानी आग से खेलने जैसा है।

**इससे पहले मिला था 48 हजार साल पुराना जोंबी वायरस**

1 दिसंबर 2022 को रूस के इसी याकुटिया क्षेत्र में एक झील के नीचे 48,500 साल पुराना जोंबी वायरस मिला था। फ्रांसीसी रिसर्चर ने इस वायरस को खोजने का दावा किया था। साइंटिस्ट्स का कहना था कि जोंबी वायरस में 13 तरह के नए रोगाणु मिले हैं। ये सभी रोगाणु 48 हजार साल से ज्यादा समय से बर्फ में जमे थे, इसके बावजूद इनमें संक्रमण फैलाने की क्षमता बरकरार है। इस वायरस को लेकर बीआईओआरएक्सआईवी डिजिटल लाइब्रेरी में एक रिसर्च प्रकाशित हुई है। रिसर्च में शामिल साइंटिस्ट्स का कहना है कि झील में दफन ये वायरस बाहर निकलकर वातावरण में फैल सकते हैं और फिर इंसानों और जानवरों को बीमार कर सकते हैं।

**'ये वायरस इतने ताकतवर कि इंसानों के शरीर झेल नहीं पाएंगे'**

ऐक्स-मार्सिले यूनिवर्सिटी फ्रांस में नेशनल सेंटर ऑफ साइंटिफिक रिसर्च के प्रोफेसर जीन मिशेल क्लेवेरी ने कहा है कि रूस जो रिसर्च कर रहा है वो बहुत जोखिम भरा है। उन्होंने कहा कि इस वायरस से अगर संक्रमण फैलता है तो इंसान शरीर का इम्यून सिस्टम इतना मजबूत नहीं है कि इसे झेल पाएंगे। इसकी वजह यह है कि हमारे शरीर ने 4 लाख साल पुराने वायरस का कभी सामना नहीं किया है। इसके साथ ही एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि रूस इस प्री-हिस्टोरिक समय के वायरस के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जो जानवर और मनुष्यों के बीच संक्रमण के जरिए एक जानलेवा महामारी फैला सकता है।

**वायरस कैसे फैलता है और इसका बिहेवियर क्या है?**

खांसने, छीकने या नाक और मुंह से निकली छोटी बूंदों से वायरस एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे के शरीर में पहुंचता है। वायरस के चारों ओर एक प्रोटीन की लेयर होती है। प्रोटीन के इसी लेयर के जरिए ये शरीर के बाकी कोशिकाओं को संक्रमित करता है। वायरस कई तरह के होते हैं, लेकिन इनमें तीन चीजें एक जैसी होती हैं-

**1. ये बेहद छोटे यानी 200 नैनोमीटर व्यास से भी छोटे होते हैं।**
**2. खुद का क्लोन यानी नया रूप बनाकर संक्रमण फैलाना वायरस का सामान्य व्यवहार होता है।**
**3. अभी तक कोई ऐसा वायरस नहीं है, जो अपने पास राइबोसोम रखता हो। राइबोसोम हमारे शरीर के कोशिका के कोशिका द्रव में स्थित एक बहुत ही बहुत सूक्ष्म कण हैं।**

**वायरस अपना नया वैरिएंट्स कैसे बनाता है?**

किसी भी वायरस में समय के साथ बदलाव होते हैं, ताकि वो नेचर में सर्वाइव कर सके। जहां ज्यादातर वायरस अपने गुणों को बहुत ज्यादा नहीं बदलते, वहीं कुछ वायरस ऐसे भी होते हैं जिनमें वैक्सीन और इलाज से लड़ने के कारण बदलाव हो जाते हैं। इस तरह वायरस के नए वैरिएंट्स बनते हैं, जो हमारे लिए खतरा पैदा करते हैं।

# पति की दूसरी शादी रोकने पहुंची पत्नी तो ससुराल वाले बने जालिम, देवर ने की बदसलूकी की सारी हदें पार

रुड़की, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला के देवर ने अभद्रता करते हुए पिस्टल तान दिया और दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला के शोर मचाने पर आरोपी धमकी देकर फरार हो गया। महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। सहारनपुर निवासी महिला ने गंगनहर कोतवाली में तहरीर बताया कि उसकी शादी मंगलौर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। पति और ससुराल के लोगों से विवाद के चलते वह काफी समय से सहारनपुर स्थित अपने मायके में रह रही थी। इसी बीच महिला को जानकारी मिली कि उसका पति दूसरी शादी कर ली है। यह जानकारी मिलने के बाद दो दिन पहले महिला बातचीत करने के ससुराल पहुंची। लेकिन आरोप है कि यहां ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। जिसके बाद मंगलवार को वह सहारनपुर लौट रही थी कि इसी दौरान रास्ते में पनियाला रोड पर देवर ने उसे रोक लिया। आरोप है कि सुनसान जगह पर ले जाकर देवर ने महिला के साथ अभद्रता करते हुए उस पर पिस्टल तान दिया और इसके बाद दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर पिटाई करते हुए धमकी देकर फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक एश्वर्य पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

# 'खुद को बचाने के लिए हुई कोविड पॉजिटिव', चीन की सिंगर जेन झांग ने सोशल मीडिया पर किया खुलासा

बीजिंग, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन की मशहूर सिंगर और सॉन्ग राइटर जेन झांग सोशल मीडिया पर बहुत ही आलोचना झेल रही है क्योंकि उन्होंने खुलासा किया है कि खुद को जानबूझकर कोरोना से इन्फेक्ट किया है. उनका ये सच तब जाकर सामने आया है, जब चीन बुरी तरह कोरोना के नए वेरिएंट बीएफ.7 से प्रभावित है. सिंगर ने सोशल मीडिया पर बात को कबूलते हुए कहा कि जब अपने दोस्तों को कोविड पॉजिटिव देखा तो उन्होंने ऐसा कदम उठाया.

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि वो होम ऑफ शिप गई थीं. चीन की वो जगह, जहां पर कोरोना पॉजिटिव बहुत ही ज्यादा लोग हैं. ऐसा कदम उठाने के पीछे की खास वजह खुद को दिसंबर के महीने में नए साल के कॉन्सर्ट के लिए तैयार करना था. जेन झांग ने बातों को विस्तार मे कहते हुए बताया कि उन्होंने ऐसा जानबूझकर किया क्योंकि वो खुद को दिसंबर में होने वाले कॉन्सर्ट के समय दूसरों से इन्फेक्ट होने से बचाना चाहती थीं.

**'कोविड पॉजिटिव लोगों से मिली'**

सिंगर ने पोस्ट पर लिखते हुए बताया, "मुझे चिंता थी कि नए साल के परफॉर्मेंस के दौरान मेरी स्थिति प्रभावित होगी, इसलिए मैं ऐसे लोगों से मिली जो कोविड पॉजिटिव थे क्योंकि मेरे पास अभी के समय में वायरस से उबरने का टाइम है." 38 वर्षीय सिंगर ने कहा कि बुखार, गले में खराश और शरीर में दर्द जैसे लक्षण शुरू होने के बाद वह सोने चली गईं. उनके लक्षण एक कोविड रोगी के समान थे लेकिन केवल एक दिन तक रहे. उन्होंने कहा, एक दिन और एक रात सोने के बाद, मेरे सभी लक्षण गायब हो गए. मैंने ठीक होने से पहले बिना किसी दवा के खूब सारा पानी पिया और विटामिन सी लिया.

**विवादास्पद पोस्ट को हटा दिया**

जब से सिंगर का पोस्ट वायरल हुआ है तब से कई लोगों ने उनके असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए उनकी आलोचना की, खासकर ऐसे समय में, जब चीन कोविड-19 के प्रकोप का सामना कर रहा है. अपने कार्यों के लिए प्रतिक्रिया का सामना करते हुए गायिका ने सोशल मीडिया से विवादास्पद पोस्ट को हटा दिया और जनता से माफी मांगी. उन्होंने चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर लिखा, "मैंने अपनी पिछली पोस्ट बनाने से पहले चीजों पर ध्यान से विचार नहीं किया. मैं जनता से माफी मांगती हूं."

# महिलाओं को जहर देकर लूटने वाला चार्ल्स शोभराज 19 साल बाद रिहा, 'बिकिनी किलर' नाम से हुआ था मशहूर

काठमांडू, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल की सर्वोच्च अदालत ने बुधवार को 'बिकिनी किलर' के नाम से कुख्यात फ्रांसीसी 'सीरियल किलर' चार्ल्स शोभराज को उसकी सेहत के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया। शोभराज हत्या के आरोप में वर्ष 2003 से 19 साल जेल की सजा काट रहा है। उच्चतम न्यायालय के सूत्रों के मुताबिक न्यायमूर्ति सपना प्रधान मल्ला और न्यायमूर्ति तिलक प्रसाद श्रेष्ठ की संयुक्त पीठ ने 78 वर्षीय शोभराज को जेल से रिहा करने का फैसला सुनाया। सर्वोच्च अदालत ने शोभराज की उस याचिका पर यह फैसला सुनाया जिसमें उसने दावा किया है कि वह उसके लिए निर्धारित अवधि से अधिक का समय जेल में बिता चुका है। नेपाल में उन कैदियों को रिहा करने का विधिक प्रावधान है जो कारावास के दौरान अच्छे चाल-चलन के साथ सजा का 75 फीसदी हिस्स जेल में बिता चुके हों। अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे 15 दिनों के अंदर शोभराज के स्वदेश लौटने की व्यस्था करें।

**जेल की सजा पूरी करने का दावा**

अपनी याचिका में शोभराज ने दावा किया था कि वह नेपाल के वरिष्ठ नागरिकों को दी गई 'छूट' के अनुरूप अपनी जेल की सजा पूरी कर चुका है। उसने दावा किया वह दी गई 20 साल की सजा में से 17 साल पहले ही जेल में बिता चुका है और अच्छे चाल-चलन के कारण उसे रिहा करने की सिफारिश पहले ही की जा चुकी है। शोभराज को अगस्त, 2003 में काठमांडू के एक 'कसीनो' से पकड़ा गया था। भक्तपुर की जिला अदालत ने वर्ष 1975 में एक कनाडाई नागरिक लौरेंट कैरिएरे और एक अमेरिकी नागरिक कोनी जो ब्रोंजिच की हत्या के लिए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

# चीन में कोविड-19 के मामले क्यों अचानक बढ़ रहे हैं

## मंदी की चिंताओं के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कितना पड़ेगा असर

बीजिंग, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में एक बार फिर कोरोना का कहर देखा जा रहा है. वर्तमान में चीन में कोविड-19 संक्रमणों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है. चीन ने 7 दिसंबर को विरोध प्रदर्शनों के बाद अपनी जीरो कोविड रोकथाम रणनीति में बदलाव की घोषणा की, जिसके बाद कोरोना के केस अचानक बढ़ गए. चीन के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया में भी कोरोना संक्रमण के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं. चीन में इस वक्त कोरोना के मामले फिर से बढ़ना इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि यह ऐसा वक्त है जब पूरी दुनिया वैश्विक मंदी की चिंताओं में घिरी हुई है. कोविड-19 संक्रमणों में तेजी से वृद्धि न सिर्फ चीन की अर्थव्यवस्था बल्कि दुनिया की अर्थव्यवस्था पर एक बड़ा नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चीन में बढ़ते कोरोना के मामलों पर चर्चा करेंगे पहले जान लेते हैं आखिर चीन में क्या हो रहा है.

**चीन में क्या हो रहा है?**

ज़ीरो कोविड प्रतिबंधों की वजह से कोरोना के मामले चीन में लगातार घटे थे. इस दौरान लगा जैसे एक बार फिर दुनिया पटरी पर लौट रही है, हालांकि इन प्रतिबंधों में देशव्यापी प्रदर्शन के बाद चीन की कम्यूनिस्ट सरकार ने ढ़ील दी. नए नियमों के मुताबिक चीन में लॉकडाउन अब पूरे मोहल्ले या शहरों के बजाय इमारतों, या किसी इकाइयों तक सीमित हो गए. इसके बाद खबरें आने लगीं कि चीन में एक बार फिर कोरोना विस्फोट हुआ है. देश की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली चरमरा गई है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में दिखाया गया कि क्लीनिक और अस्पतालों में बेड उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीज अपनी कारों में ड्रिप ले रहे हैं. कई भवायवह वीडियो सामने आने लगे. सीएनएन की खबर के मुताबिक, कोरोना के केस इतने बढ़ गए हैं कि, बीजिंग जैसे शहरों में कार्यालयों, सड़कों और शॉपिंग सेंटरों को सुनसान छोड़ दिया गया है. राज्य संचालित समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को संक्रमण से बचने के लिए दिसंबर के अंत तक अपनी तैयारियों को पूरा करने के लिए कहा गया है. बीबीसी के मुताबिक, देश में स्वास्थ्य व्यवस्था में कमी की ख़बरों के बीच लोगों ने घबराहट में दवाएं और कोविड-19 टेस्टिंग किट ख़रीदना शुरू कर दिया है. ऐसी चिंताएं हैं कि एसएआरएस--सीओवी-2 वायरस का एक नया संस्करण अब चीन में फैल चुका है. चीन के स्वास्थ्य आयोग के डेटा से पता चलता है कि चीन में कोरोना के नए वैरिएंट के मामले नवंबर के मध्य में लगभग 2,000 थे जो नवंबर के अंत तक 4,000 हो गए. दिसंबर के पहले सप्ताह तक यह संख्या 5,000 तक पहुंच गई. इतना ही नहीं खबरों के मुताबिक, दैनिक मामले की संख्या 27 नवंबर को 40,000 का आंकड़ा पार कर गई थी. हालांकि जैसे ही कोरोना का विस्फोट एक बार फिर चीन में हुआ देश ने 14 दिसंबर से दैनिक कोरोना मामलों को प्रकाशित करना बंद कर दिया.

**देश की 60% आबादी अगले तीन महीने में हो सकती है संक्रमित**

चीन के प्रमुख महामारी वैज्ञानिक वू ज़ुन्यो ने 18 दिसंबर को कहा कि उनका मानना है कि देश इस सर्दी में तीन संभावित संक्रमण में से पहली लहर का अनुभव कर रहा है. उनका अनुमान है कि देश की 60% आबादी, जो वैश्विक आबादी का लगभग 10% है वो अगले तीन महीनों में संक्रमित हो सकती है. मरने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है. मिनेसोटा विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर इंफेक्शियस डिजीज रिसर्च एंड पॉलिसी के निदेशक माइकल ओस्टरहोम ने रॉयटर्स के हवाले से कहा, यह महामारी अगले हफ्तों में [चीन] के माध्यम से दुनिया में फैलने वाली है.

**इसका वैश्विक आर्थिक प्रभाव क्या होगा?**

पिछले दो वर्षों में जीरो कोविड के तहत लगाए गए लॉकडाउन ने पहले ही चीन की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया था. घरेलू सेवा क्षेत्र विशेष रूप से कड़े प्रतिबंधों से पस्त हैं. नतीजतन, इस साल की शुरुआत में 16 से 24 आयु वर्ग में हर पांच में से एक चीनी बेरोजगार था. ब्लूमबर्ग ने बताया कि यह आंकड़ा अगले साल और खराब होने की उम्मीद है, जब 11.6 मिलियन स्नातक नौकरी पेशा जीवन में प्रवेश करेंगे. अब, कोविड-19 संक्रमणों में तेजी से उछाल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को एक और संकट में डाल सकता है.

# सालगिरह से पहले सुहाग उजड़ गया

## ये कैसी शराबबंदी कि जवान बेटे को चम्मच से खिलाना पड़ रहा

पटना, 22 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। देवर की तबीयत बिगड़ी तो लोग कहने लगे कि अस्पताल ले जाओगे तो केस हो जाएगा। पुलिस अरेस्ट कर लेगी। डर की वजह से घर में ही झोलाछाप डॉक्टर से दिखाई। मुझे नहीं पता था कि पुलिस से पहले उन्हें यमराज उठा ले जाएंगे। इतना कहते-कहते बिहार के छपरा जिले की रहने वाली बसंती देवी बिलख पड़ती हैं। कहती हैं, 'अब तो सब लुट गया। शराब पीने से पहले देवर की जान गई, फिर पति की मौत हो गई। दो बेटियां हैं, इनकी शादी कैसे करूंगी। कमाने वाले तो चले गए।'

बता दें कि बिहार में जानलेवा शराब ने कोहराम मचा रखा है। छपरा, सिवान, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय सहित कई जिलों अब तक 77 लोगों की जान जा चुकी है। कई लोग अंधे हो चुके हैं। आलम ये है कि पुलिस के डर से लोग अस्पताल तक नहीं जा रहे। मरने पर अंतिम संस्कार भी चोरी-छिपे करना पड़ रहा है।

पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर वैशाली जिले का देशराजपुरा गांव। यहां 2 दिसंबर को कच्ची शराब पीने से डीपीएस स्कूल के प्रिंसिपल समेत तीन लोगों की मौत हो गई। प्रिंसिपल का परिवार केरल लौट गया है। शराब से जान गंवाने वाले राहुल पासवान का घास-फूस का झोपड़ीनुमा छोटा सा घर। दरवाजे पर उनकी मां दयावंती गुमसुम बैठी हैं। पिता राम प्रवेश पास में ही खेत में काम कर रहे हैं। उसमें गोभी की फसल लगी है। पूछने पर दयावंती रो पड़ती हैं। उनसे कुछ बोलते नहीं बन पा रहा। बिलखते हुए कहती हैं, 'हमरा के छोड़ के कहां गईलअ ए बबुआ। थोड़ी देर बाद खुद को संभालते हुए कहती हैं, 'चचेरी बहन की शादी थी। रातभर काम किया। सुबह 5 बजे घर आया और सो गया। दिन में उसके पापा आवाज दिए कि चलो खेत में गोभी निकालना है। वो बोला- तबीयत ठीक नहीं लग रही है, कल काम करेंगे। इसके बाद सो गया। कुछ देर बाद उल्टी करने लगा। मुझे लगा रात में कुछ उल्टा-सीधा खाया होगा, इस वजह से ऐसा हो रहा है। उल्टी साफ करने के बाद मैं अपने काम में लग गई। थोड़ी देर बाद उसने आवाज दी कि अम्मा कुछ दिखाई नहीं दे रहा। इसके बाद हम डर गए। उसके पापा डॉक्टर से दिखाने के लिए हाजीपुर लेकर गए, लेकिन उधर से वो जिंदा नहीं लौटा। घर पर उसकी लाश आई।'

इसी तरह राहुल गांव से थोड़ी दूर पर मनहार बाजार में चाऊमीन का ठेला लगाता था। वह इतना कमा लेता था कि परिवार को दो वक्त की रोटी नसीब हो जाती थी। अब घर के एक कोने में सॉस की खाली बोतलों का ढेर लगा है। राम प्रवेश अभी भी पुलिस केस से डरते हैं। कहते हैं बार-बार पुलिस आ रही है, पता ना कब हमें फंसा देगी।

राम प्रवेश कहते हैं, 'शराब पी थी कि नहीं, ये कौन जानता है। कोई बेटा अपने बाप के सामने दारू (शराब) पीता है क्या? पुलिस धमकी देकर पूछती है कि बताओ तुम्हारे बेटे ने कहां से शराब खरीदी थी, नहीं तो जेल में डाल देंगे। अब वो चला गया तो मैं कैसे बताऊं कि कहां शराब बिकती है।' हालांकि गांव के लोग दबी जुबान में कहते हैं, ' राहुल की मौत तो शराब पीने से ही हुई है। उस रात पार्टी में राहुल ने शराब पी थी, लेकिन पुलिस के डर से कोई ये बात मानेगा नहीं। वरना पुलिस परिवार को भी फंसा देगी और सरकार से कोई मुआवजा भी नहीं मिलेगा।' इसी बीच पुलिस रामप्रवेश और उनके दो बेटों को उठा ले गई है। राहुल की मां को हार्ट अटैक आ गया है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

यही हाल छपरा जिले के मशरक पंचायत का बहरौली गांव का है। झोपड़ीनुमा घर, द्वार पर 20 दिन की बेटी को गोद में लिए गुड़िया बैठी हैं। अभी सालभर भी इनकी शादी को नहीं हुआ है। उसके पहले ही शराब ने इनका सुहाग उजाड़ दिया। इनके जेठ की मौत भी शराब पीने से हो चुकी है। पिछले साल जनवरी में गुड़िया की शादी हुई थी। इस बार नए साल में पति के साथ सालगिरह मनाने बाहर जाने वाली थी। गुड़िया कहती हैं, 'वे अचानक शाम में कहने लगे कि सिर दर्द कर रहा है, चक्कर आ रहा है, कुछ दिखाई नहीं दे रहा। हम पहले उन्हें मशरक ले गए, उसके बाद छपरा ले गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वहां से डॉक्टर ने पटना रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी जान चली गई।

जेठ के छोटे-छोटे तीन बच्चे हैं। मेरी एक बेटी है। कोई कमाने वाला नहीं रह गया। अब सबका भार हमारे ऊपर आ गया है। सरकार कहती है जो पिएगा वो मरेगा। जब बिकती है तभी तो लोग पीते हैं। क्या जहर मिलाकर मरवा देंगे सबको?'

मुजफ्फरपुर में 19 साल के अद्वैत (बदला हुआ नाम) और उनके पिता सुबोध कुमार नाराजगी भरे लहजे में कहते हैं, 'कोई सरकार से कहेगा कि यहां शराब मिल रही है तो सरकार नहीं मानेगी। सरकार कहती है कि पूर्ण शराबबंदी है, फिर लोग पीकर कैसे मर रहे हैं?'

सुबोध कहते हैं, 'इस साल जुलाई की बात है। अद्वैत एक शादी में गया था। वहां कुछ लोगों ने इसे शराब पिला दी। घर लौटा तो उल्टियां करने लगा। फिर बोला- कुछ दिखाई नहीं दे रहा। हम डॉक्टर के पास लेकर गए। इलाज हुआ, लेकिन कोई फायदा नहीं।

कोलकाता इलाज कराया तो पता चला कि उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। अब ठीक नहीं हो पाएगी। फिर भी हम हार नहीं माने हैं, अब चेन्नई में इलाज करा रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं कि तीन साल बाद पता चलेगा कि रोशनी वापस आएगी या नहीं। मेरा जवान बेटा अंधा हो गया। कार-बाइक चलाने वाले को उंगली पकड़ चलाना पड़ रहा है। ना नहा-धो सकता है और ना कपड़े पहन सकता है। चम्मच से खिलाना पड़ रहा है। पढ़ाई तो इसकी छूट ही गई। हमारा काम धंधा चौपट होने लगा है। हम किसे दोष दें सरकार को, शराब को या खुद को समझ नहीं पा रहा।' अद्वैत को आज भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे अब नहीं देख पाएंगे। उनके पिता इलाज के लिए लाखों रुपए खर्च कर चुके हैं।

मुजफ्फरपुर के ही रहने वाले 24 साल के प्रमोद अपने मां-बाप के इकलौती संतान हैं। दो साल पहले मां की कैंसर से मौत हो गई। गम में पिता ने शराब पीनी शुरू कर दी। प्रमोद कहते हैं, 'इसी साल सितंबर की बात है। पापा ने घर पर ही शराब पी थी। उसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। 20 दिन वेंटिलेटर पर रहे। जान तो बच गई, लेकिन जीवन मौत से भी बदतर हो गया। उनकी आंखों की रोशनी चली गई। पापा दुकान चलाते थे। उनके इलाज के लिए दुकान बेचना पड़ा। पैसे की कमी हुई तो हमने अपनी मोटरसाइकिल भी बेच दी। 2.5 लाख रुपए खर्च हो गए हैं, लेकिन कोई उम्मीद नहीं है। पहले महीने में 10-12 हजार रुपए कमा लेता था, लेकिन अब बाहर भी कमाने नहीं जा सकता। दिनभर छोटे बच्चे की तरह पिता की रखवाली करनी पड़ती है।'इसी गांव के एक शख्स ने बताया कि शराब की वजह से इलाके में सैकड़ों लोग आंखें गंवा चुके हैं, लेकिन पुलिस के डर से वे खामोश हैं। जिसके पास पैसे हैं, वो बाहर इलाज करा रहे है, जो कमजोर है वो घर में मजबूर बैठे हैं।

मशरक पंचायत के मुखिया अनिल सिंह कहते हैं, 'तस्कर पड़ोसी राज्यों से शराब बिहार लाते हैं और फिर यहां कई गुना ज्यादा कीमत पर बेचते हैं। अभी जिन लोगों की जान गई है या आखें खराब हुई हैं, वे दलित और मजदूर परिवार से हैं। इसलिए वे महंगी शराब की जगह कच्ची शराब पीते हैं।'

मुखिया अनिल सिंह कहते हैं, 'पुराने खंडहर, जंगल और नदी में तैरती नावों पर भट्टियां सुलगती हैं। इन पर गन्ने का रस, महुआ के फूल, शोरा, चावल, आलू, जौ और मकई को उबालकर कच्ची शराब बनाई जाती है। ज्यादा नशीला बनाने के लिए नशे की गोलियां भी डाली जाती हैं। हम और आप ढूंढेंगे तो इनकी भट्टियां नहीं मिलेंगी, लेकिन पीने वालों को पता है कि कहां-कहां कच्ची शराब मिलती है।'

बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद कहते हैं, 'लोगों में शराबबंदी कानून का डर है। पुलिस की कार्रवाई के डर से लोग जल्दी अस्पताल नहीं जाते। अगर पुलिस आगे आती और कार्रवाई के साथ इलाज कराती तो इतनी मौतें नहीं होतीं। शराब माफियाओं का पता लगाने के लिए पुलिस की जांच शराब पीड़ितों से ही शुरू होती है। नाम न बताने पर पुलिस पीटती है और बता देने पर शराब माफिया।'

मद्य निषेध विभाग बिहार सरकार में एक्साइज एग्जामिनर राज पांडेय के मुताबिक, बिहार सरकार ने इस साल मार्च में शराबबंदी कानून में संशोधन किया। पहली बार शराब पीने के मामले में पकड़े जाने पर 2000 से 5000 रुपए तक का जुर्माना देना होगा। दूसरी बार शराब पीते पकड़े जाने पर जेल भेजा जाएगा। इसके पहले पहली बार में ही जेल में डाल दिया जाता था।

सारण जिले के सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा बताते हैं, 'कच्ची शराब में जहर होता है। इसका असर पहले लिवर और दिमाग पर होता है। पाचन तंत्र गड़बड़ हो जाता है। शुगर लेवल तेजी से बढ़ जाता है। ऑक्सीजन सेचुरेशन गिरने लगता है। फार्मेल्डिहाइड होने से फॉर्मिक एसिड बनने लगता है। इससे आंखों की रोशनी चली जाती है। दूसरा, खून भी गाढ़ा हो जाता है, किडनी काम करना बंद कर देती है। ऐसे में मरीज को बचाना मुश्किल होता है।'

बिहार में 2016 में शराबबंदी कानून बना। अब तक 6 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें बड़ी संख्या में कमजोर तबके के लोग हैं। पिछले महीने ही तीन लाख लीटर से ज्यादा शराब जब्त हुई थी। आंकड़े गवाह हैं कि शराबबंदी के बाद भी ना तो शराब बंद हुई ना पीने वाले कम हुए। लोग महंगी शराब पी नहीं सकते और पुलिस के डर से कच्ची शराब पीने के बाद अस्पताल नहीं जा पाते। यही सस्ती शराब इनके लिए महंगी पड़ रही है।

## बेजुबान के साथ क्रूरता

### शराबियों के सामने भौंक रहा था कुत्ता फांसी लगाकर मौत के घाट उतारा

रायपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक आवारा कुत्ते को फांसी पर लटकाने के आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शहर के न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह इलाके में एक शराब दुकान के सामने अज्ञात लोगों ने एक कुत्ते को फांसी पर लटका दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस को आज घटना की जानकारी मिली तब घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया। बाद में पुलिस ने एक निर्माणाधीन भवन से कुत्ते का शव बरामद हुआ। कुत्ते को दीवार के सहारे फांसी पर लटकाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। बेजुबान के साथ क्रूरता की हदें पार करते हुए इस फोटो पर पुलिस ने खुद से संज्ञान लिया है।

यह घटना थाना राजेंद्र नगर क्षेत्र अंतर्गत अम्लीडीह के शराब भट्टी के पास की है। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में वारदात को

अंजाम दिया गया है। भट्टी के पास एक कुत्ता भौंक रहा था जिसके बाद शराबियों ने शराब के नशे में कुत्ते के चारों पैरों को बांध दिया और फिर फांसी में लटका दिया।

कुत्ते के फांसी में लटकाने की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस फोटो पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। वायरल फोटो में कुत्ते के गले में फांसी का फंदा डाला है।

शराबियों ने कुत्ते के हाथ-पैर बांधकर शव को दीवार की एक रॉड से बांधकर लटकाया है। फोटो वायरल होने के बाद पुलिस एक्टिव हो गई है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। फोटो वायरल होने के बाद एनिमल्स संस्थाओं ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

## हेमंत सोरेन की नीतियां ही बन गयी हैं उनके गले की फांस

### नियोजन नीति रद्द होने के बाद अब स्थानीयता नीति पर सवाल

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासी-मूलवासी समाज का मन जीतने के लिए अपने कार्यकाल में दो महत्वपूर्ण काम किये हैं। पहला तो उन्होंने नियोजन नीति बनायी और दूसरा स्थानीयता नीति को विधानसभा से पारित कराया। इन दोनों नीतियों में आदिवासी-मूलवासी समाज को खुश करने के पर्याप्त कारण थे, लेकिन अब वही नीतियां उनके गले की फांस बन गयी हैं। नियोजन नीति में स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता दी गयी थी। हिन्दी-अंग्रेजी जानने-बोलने वालों को रोजगार से वंचित कर दिया गया था। नियोजन नीति को रांची हाईकोर्ट ने अब रद्द कर दिया है और स्थानीयता नीति को केंद्र सरकार जब तक नौवीं अनुसूची को शामिल नहीं करती, तब तक इसका लागू होना नामुमकिन है। ऐसा नहीं है कि इन आशंकाओं से हेमंत सोरेन अनजान थे। उन्होंने खुद इसी साल विधानसभा में स्थानीयता नीति का आधार 1932 के खतियान को बनाने की अपने ही दल के विधायकों की मांग को यह कह कर खारिज कर दिया था कि कोर्ट में यह रद्द हो जाएगा।

हेमंत सोरेन पर जब माइनिंग लीज प्रकरण में आफिस आफ प्राफिट का आरोप लगा तो वे

बौखला गये। इसकी शिकायत बीजेपी नेताओं ने राज्यपाल से की थी। राज्यपाल ने बीजेपी की शिकायत पर चुनाव आयोग से मंतव्य मांगा। चुनाव आयोग ने अपनी राय राज्यपाल को भेज दी। अफवाहें उड़ी कि हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की आयोग ने सिफारिश की है। इतना ही नहीं, बात यह भी उड़ी कि हेमंत को चुनाव लड़ने से डिबार कर दिया गया है। राज्यपाल के इन कथनों ने भी विस्फोटक का काम किया, जिसमें उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की चिट्ठी आ गयी है। मजमून क्या है, यह समय पर बतायेंगे। राज्यपाल का दूसरा बयान था कि झारखंड में कभी भी एटम बम भी फट सकता है। इसके बाद ही हेमंत की बेचौनी बढ़ गयी। जेएमएम के नेतृत्व में यूपीए नेताओं का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला और चुनाव आयोग के पत्र को सार्वजनिक करने की मांग की। राज्यपाल ने वादा भी किया कि दो-चार दिन में पत्र सार्वजनिक कर देंगे, लेकिन 25 सितंबर को आया चुनाव आयोग का पत्र अब तक सार्वजनिक नहीं हो पाया।

**बौखलाहट में हेमंत ने कई कदम उठाये**

हेमंत की बौखलाहट यहीं से शुरू हुई। सबसे पहले तो उन्होंने अपने गठबंधन के विधायकों को एकजुट करने के लिए सबको लेकर छत्तीसगढ़ का रुख किया। चार-पांच दिनों की तफरीह के बाद अचानक विधानसभा का सत्र बुला लिया। बिना किसी जरूरत के गठबंधन के विधायकों के जरिये विश्वास मत हासिल किया। इसे वह अपनी रणनीति की कामयाबी मानने लगे। इसी उत्साह में उन्होंने 1932 के आधार पर ही स्थानीय नीति (डोमिसाइल पालिसी) का प्रस्ताव विधानसभा से पारित करा लिया। हालांकि उसके पहले वे इस बात को दोहरा चुके थे कि कोर्ट में 1932 का आधार टिक नहीं पायेगा। स्थानीय नीति राज्यों का अपना कार्य-व्यापार है, लेकिन हेमंत ने इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की शर्त के साथ केंद्र सरकार को राज्यपाल के माध्यम से भेजने का तरीका अपनाया। अनुमान लगाया जाता है कि ऐसा करते समय उनकी सोच यही रही होगी कि केंद्र ने अगर नकार दिया तो आदिवासी-मूलवासी इसे भाजपा की चाल समझ कर उसके खिलाफ हो जाएंगे।

आरंभ में इसे लेकर आदिवासी-मूलवासी समाज में जो उत्साह दिखा, उससे तो यही लगता था कि झारखंड में बीजेपी का सूपड़ा साफ कर ही हेमंत मानेंगे। इस बीच नियोजन नीति में कमियां गिना कर हाईकोर्ट ने उसे रद्द कर दिया। इससे लगभग 50 हजार नियुक्तियां पचड़े में पड़ गयीं। पासा उल्टा पड़ गया। कल तक जो युवा हेमंत के जयकारे में लगे थे, अब उनके खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

## झारखंड अभी कोरोना मुक्त

### स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा– चिंता करने की जरूरत नहीं, सरकार अलर्ट

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर में एक बार फिर से कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है। झारखंड में अभी कोरोना संक्रमण के एक भी सक्रिय मामले नहीं है, लेकिन जिस तरह से फिर से कई देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है, उसे देखते हुए झारखंड सरकार ने भी विशेष सतर्कता बरतने का निर्णय लिया है। वहीं राज्य में जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन आ चुकी है, लेकिन उसे ऑपरेट करने में आ रही परेशानियों को अब तक दूर नहीं किया जा सका है। इसके अलावा राज्य में बड़ी संख्या में लोगों ने अब तक कोरोना से बचाव का टीका भी नहीं लिया है। कुछ लोगों ने पहला टीका जरूर लिया है, लेकिन कोरोना संक्रमण का खतरा कम हो जाने के कारण झारखंड में अब भी काफी संख्या में लोगों ने दूसरा टीका नहीं लिया। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि दुनिया के कई देशों में कोविड के बढ़ते मामलों ने चिंता पैदा की हैं। कोविड के बढ़ते मामले को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह से गंभीर है। अभी चिंता करने की जरूरत नहीं हैं, मगर चीन में कोरोना के मामले आ रहे हैं, इसलिए राज्य अलर्ट है। बन्ना गुप्ता ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण की अगली लहर ना आए, इसे लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में अभी एक भी कोरोना का केस नहीं है। लेकिन एहतियाती तौर पर जो भी कदम उठाते है, वे सारे कदम उठाए जाएंगे।

राज्य में सारे लोग इससे अभ्यस्त भी हो चुके है। राज्य में जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन भी आ चुकी है। कोबास 6800 मशीन भी लग चुकी है। 15 स्थानों पर आरटीपीसीआर मशीन भी लग चुकी है। 110 से ज्यादा पीएसए प्लांट भी लगा लिए गए है। इसलिए अब राज्यवासियों को डरने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन फिर भी राज्य सरकार स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। झारखंड में मार्च 2020 में झारखंड में कोरोना संक्रमण का पहला केस सामने आया था। हालांकि कोरोना संक्रमण के पहले फेज में स्थिति काफी हद तक नियंत्रित रही। लेकिन वर्ष 2021 में कोरोना संक्रमण के दूसरे फेज में झारखंड में भी कई लोगों की जान कोरोना संक्रमण के कारण चली गई।

## भाजपा-कांग्रेस पार्षदों में मारपीट

### भाजपा मंडल अध्यक्ष अस्पताल में भर्ती कांग्रेसी पार्षद सहित तीन पर एफआईआर

कांकेर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच मारपीट हो गई। दोनों ओर से जमकर लात-घूंसे चले। इस दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इस मामले में कांग्रेस पार्षद सहित तीन लोगों के खिलाफ भाजपा पार्षद ने एफआईआर दर्ज कराई है। सारा विवाद किसी कार्यकर्ता को गाली देने से शुरू हुआ था।

**भाजपा कार्यकर्ता को गाली देने का आरोप**

जानकारी के मुताबिक, भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद पार्षद विकास पाल ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी। आरोप है कि उनका भाई गोटू मंगलवार रात करीब 8 बजे पंखाजूर के नेताजी चौक स्थित एक पान-ठेला पर खड़ा था और किसी भाजपा कार्यकर्ता का नाम लेकर उसे गाली दे रहा था। इस दौरान वहां मौजूद भाजपा मंडल अध्यक्ष

श्यामल पांडेय ने इसका विरोध किया और गोटू को रोकने लगे। दोनों पक्षों से लोग पहुंचे तो मारपीट शुरू हो गई

दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। धीरे-धीरे बात बढ़ी तो दोनों ने कॉल कर अपने-अपने साथियों को बुला लिया। गोटू की ओर से पार्षद विकास पाल और श्यामल की ओर से पार्षद असीम राय साथियों सहित वहां पहुंच गए। इसके चलते मामला सुलझने की जगह और बिगड़ गया। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। जमकर लात-घूंसे चलने लगे। इसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष श्यामल मंडल को चोटें आईं और वह गिर पड़े।

**अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं**

इस पर उन्हें तत्काल ही अस्पताल ले जाया गया। वहां उपचार के बाद उन्हें अगले दिन छुट्टी दे दी गई है। दूसरी ओर इस मामले में भाजपा पार्षद असीम राय पखांजूर थाना पहुंच गए।

उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि विकास पाल, गोटू, उत्तम कर ने गाली गलौच करते मंडल अध्यक्ष श्यामल मंडल, गणेश साहा और उनके साथ मारपीट की। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

## अनोखे अंदाज में बीजेपी विधायक ने जताया विरोध

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन भी गुरुवार को बीजेपी विधायकों ने विधानसभा के मेन गेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान बीजेपी विधायक समरीलाल ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। रांची के कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक समरीलाल कंबल ओढ़कर विधानसभा के मुख्य द्वार पर जमीन पर लेट गए। इस दौरान उनका एक सहयोगी हाथ में स्लाईन लिए खड़ा था। समरीलाल ने बताया कि वे काफी समय से रिम्स की बदहाल व्यवस्था को लेकर आवाज उठा रहे है। रिम्स में डॉक्टरों के अलावा पारा मेडिकल कर्मियों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की भी काफी कमी है। इसके बावजूद नई बहाली नहीं हो रही है। इसे लेकर पिछले दिनों रिम्स के निकट

बीजेपी कार्यकर्त्ताओं ने धरना भी दिया था। बीजेपी विधायक के प्रदर्शन के दौरान ही स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के प्रयास में जुटी है। इधर, बीजेपी के कई विधायकों ने विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के पहले विधानसभा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। बीजेपी विधायक राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते उत्पीड़न पर अंकुश लगाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

## 10 लाख किसानों को सूखा राहत और 25 लाख स्टूडेंट्स को छात्रवृत्ति

### 3 वर्ष पूरा करने पर सीएम हेमंत देंगे 1200 करोड़ की सौगात

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन 29 दिसंबर को अपने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम दिया जा रहा है। सीएम हेमंत सोरेन ने निर्देश दिया है कि 29 दिसंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से लाभ पहुंचाया जाए। राज्य सरकार की ओर यह निर्णय लिया गया है कि झारखंड के भूमिहीन तथा सूखाग्रस्त प्रभावित 10 लाख किसान परिवारों को सूखा राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत स्कूलों में अध्ययनरत 25 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जाएगी। साथ ही तथा सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से आच्छादित 5 लाख 60 हजार बच्चियों को सहायता राशि का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर 1200 करोड़ रुपए राशि का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। सीएम हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों निर्देश दिया कि विभिन्न योजनाओं के तहत डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण किए जाने की सारी तैयारी पूरी कर लें। इसके लिए सभी का रजिस्ट्रेशन, वेरीफिकेशन और वित्तीय और तकनीकी पहलुओं पर सभी आवश्यक तैयारी 26 दिसंबर तक निश्चित रूप से पूर्ण कर ली जाए ताकि 29 दिसंबर को राज्य सरकार द्वारा बटन दबाकर डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। इस अवसर पर शुभारंभ किए जाने वाले 'प्रगति पोर्टल' से संबंधित सभी आवश्यक तैयारी ससमय पूर्ण कर ली जाए। 29 दिसंबर को 'स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड पोर्टल' का भी शुभारंभ किया जाना है। इस पोर्टल के शुभारंभ होने से राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को राज्य सरकार की खेल नीति का पूरा लाभ मिल सकेगा। इस दौरान कई मॉडल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन भी किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीएम हेमंत सरकार के 03 वर्ष पूरा होने पर 29 दिसंबर को आयोजित करने के लिए एक समन्वय समिति भी गठित की जाए। बैठक में यह भी निर्देश किया गया कि इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा सभी जिले ऑनलाइन माध्यम से मुख्य समारोह से जुड़े रहेंगे।

# राजस्थान के किसानों को भी पेंशन मिलेगी

## कृषि बजट में होगी घोषणा, कितने किसानों को फायदा, हर महीने कितने रुपए मिलेंगे?

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकारी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक और मास्टर स्ट्रोक खेल सकते हैं। राजस्थान में दूसरी बार अलग से कृषि बजट पेश किया जाएगा, जिसमें किसानों के लिए मासिक पेंशन की घोषणा की जा सकती है।

अगर ऐसा होता है तो राजस्थान किसानों को पेंशन देने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। अभी केंद्र की ओर से किसानों को 'किसान सम्मान निधि' के रूप में सालाना 6 हजार रुपए दिए जाते हैं। राजस्थान में अभी सीमांत गरीब किसानों के लिए वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना चल रही है, लेकिन इसका दायरा अभी बेहद छोटा है। राज्य सरकार की नई पेंशन योजना आने के बाद इसको भी इसमें मर्ज कर दिया जाएगा।

**कैसी हो सकती है योजना**

सरकारी कर्मचारियों की तरह 60 साल से अधिक की उम्र के किसानों को पेंशन दी जा सकती है। राजस्थान के 40 से 45 लाख किसान इसके दायरे में आएंगे, इन सबको पेंशन स्कीम का लाभ मिलेगा। हालांकि अब तक सरकार की ओर से इस संबंध में कुछ कहा नहीं गया है, लेकिन सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि किसानों को हर महीने बतौर पेंशन 3 हजार रुपए दिए जा सकते हैं।

राजस्थान किसान आयोग के चेयरमैन रामेश्वर लाल डूडी ने बताया- किसानों की परिभाषा तय करने के लिए कुछ राइडर्स लगे हुए थे। आयोग की पिछली मीटिंग में हमने उन्हें हटा दिया है। एक सीधी सी परिभाषा तय कर दी है कि जिस भी व्यक्ति के पास खेती की जमीन है, और वो खेती करता है तो वह किसान माना जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार दोनों को हमने इस परिभाषा को लागू करने की अपील की है। यह परिभाषा तय होते ही किसान पेंशन का रास्ता खुल जाएगा।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस स्कीम से सरकारी खजाने पर हर महीने 12 से 15 अरब रुपए का भार पड़ेगा।

राजस्थान विश्वविद्यालय के इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर (रिटायर्ड) वीवी सिंह का कहना है कि अगर यह राशि केन्द्र सरकार, विश्व बैंक या किसी अन्य एजेंसी से लोन लेकर खर्च की जाएगी तो राज्य को उधारी के दुष्चक्र में फंसाने वाला कदम साबित होगा। हां, अगर राज्य सरकार के पास उद्योगों, निवेश, टैक्स आदि से पर्याप्त राजस्व अपने वित्तीय भंडार में मौजूद है, तो फिर इस तरह की योजना लानी चाहिए। अन्यथा यह एक चुनावी स्टंट या पॉलिटिकल दांव-पेच ही साबित होगा।

वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना को नई पेंशन स्कीम में मर्ज करने से किसानों का सबसे ज्यादा फायदा होगा। वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना में अभी 750 से 1000 रुपए मासिक रुपए मिल रही है और चयन के लिए भी कई क्राइटेरिया हैं, जबकि नई पेंशन स्कीम में किसानों को 3 हजार रुपए प्रति माह मिल सकते हैं। क्राइटेरिया भी एक ही है- किसान होना चाहिए।

**राजस्थान में किसान है सबसे बड़ा वोट बैंक**

राजस्थान की आबादी करीब साढ़े 7 करोड़ है। अकेले कृषि कार्य से 5 करोड़ 75 लाख लोग आजीविका कमाते हैं। ऐसे में चुनावी साल में ये घोषणा गेम चेंजर साबित हो सकती है। कोई राजनीतिक दल इसका विरोध भी नहीं करेगा, क्योंकि यह सबसे बड़ा वोट बैंक है। बल्कि, दूसरे राज्यों में भी इसे लागू करने पर विचार हो सकता है।

**किसान पेंशन लागू करने पर सरकार गंभीर है : डूडी**

राजस्थान किसान आयोग के चेयरमैन रामेश्वर लाल डूडी ने- राज्य सरकार और सीएम गहलोत किसानों को पेंशन देने के प्रति गंभीर हैं। हमने भी उन्हें अपनी मंशा से अवगत करा दिया है। हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री ने जिस तरह सरकारी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम के जरिए सामाजिक सुरक्षा का हक लौटाया है, उसी तरह से वे किसानों को भी पेंशन का लाभ देंगे। जो किसान कमजोर या बुजुर्ग होने से खेती नहीं कर पा रहे हैं या जो अकेले रहते हैं। इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं क्योंकि उनके बेटे-पोते शहरों में रहने लगे हैं। अन्य रोजगारों में चले गए हैं। ऐसे में बुजुर्ग किसानों को पेंशन मिलनी ही चाहिए।

**पांच बड़े राज्यों में प्रभावी बन सकता है किसान पेंशन का मुद्दा**

2023 में राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे राज्यों के चुनाव हैं। उसके बाद 2024 की शुरुआत में देश के आम चुनाव हैं। ऐसे में जनवरी-फरवरी 23 में पेश होने वाले राजस्थान के कृषि बजट में अगर किसानों को पेंशन देने की घोषणा होती है, तो यह पांच राज्यों के करीब 40 करोड़ किसानों को सीधा प्रभावित करेगा। इन राज्यों में यह प्रमुख चुनावी मुद्दा बन सकता है।

**कृषि विभाग के अनुसार राज्य में 1.10 करोड़ किसान**

सरकारी योजनाओं और कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में करीब एक करोड़ 10 लाख किसान हैं। इनके परिजन और इनके साथ काम करने वाले खेतिहर मजदूरों को मिला लिया जाए तो यह संख्या करीब 5 करोड़ 75 लाख होती है। इन सभी की आयु 60 वर्ष नहीं है। राजस्थान में सरकारी विभागों, आयोगों-निगमों, बोर्ड, सहकारी संस्थाओं आदि में 58, 60 और 62 वर्ष की आयु पूरी होने पर पेंशन मिलती है। ऐसे में जिन किसानों की आयु 60 वर्ष के आस-पास होगी उनसे ही पेंशन के आवेदन मांगे जाएंगे।

**गहलोत कह चुके हैं- पेंशन आर्थिक विशेषज्ञों के लिए टेंशन है, लेकिन यह सबसे बड़ी राहत भी**

सीएम गहलोत ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक दिन का समय निकालकर जयपुर स्थित सचिवालय आकर कृषि बजट पर मीटिंग की थी। उन्होंने कृषि संगठनों की ओर से आए सुझावों का परीक्षण कराने के निर्देश मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और प्रमुख वित्त सचिव अखिल अरोड़ा को दिए हैं।

हाल ही भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गहलोत ने कहा था- पेंशन आर्थिक विशेषज्ञों के लिए टेंशन हो सकती है, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह सबसे बड़ी राहत है। माना जा रहा है कि इस कार्यकाल के अंतिम बजट में वे किसानों के लिए भी पेंशन की घोषणा कर सकते हैं। ओल्ड पेंशन स्कीम का देशभर में कर्मचारियों ने स्वागत किया और चार राज्यों को इसे लागू करना पड़ा। इसी के बाद गहलोत सरकार किसानों को पेंशन देने का बड़ा कदम उठा सकती है।

# राजस्थान में कोल्ड-डे, माउंट में पारा 0 डिग्री

## हनुमानगढ़ सबसे ठंडा, रेगिस्तानी इलाकों में सीजन की सबसे सर्द रात

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ये फोटो चूरू शहर के स्टेशन रोड का सुबह 6 बजे का है। यहां कोहरे की वजह से वाहनों की लाइट लगानी पड़ी। राजस्थान में घने कोहरे के साथ कोल्ड-डे की शुरुआत हो चुकी है। गंगानगर, हनुमानगढ़ रहे तेज कोहरे के कारण कल दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहे। सबसे ज्यादा ठंडा दिन कल हनुमानगढ़ में रहा, जहां दिन का अधिकतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। दिन में तेज ठंड की यही स्थिति गंगानगर, पिलानी में भी रही, जहां दिन का पारा सीजन में पहली बार 20 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज हुआ। वहीं सरहदी इलाके बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर में बीती रात सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। माउंट आबू में इस सीजन में चौथी बार पारा शून्य पर दर्ज हुआ।

प्रदेश में गुरुवार को मौसम की स्थिति देखे तो सुबह से अधिकांश शहरों में सर्द हवाएं चल रही है, जिससे ठिठुरन बरकरार है। गंगानगर, बीकानरे, हनुमानगढ़ चूरू, झुंझुनूं में भी सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण यहां लोगों को रात के साथ ही दिन में भी अब गलन भरी सर्दी से कंपकपी छूटने लगी है। इधर, रेगिस्तानी इलाकों में भी सर्दी तेज हो गई। सरहदी इलाके बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर में बीती रात न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। बीकानेर में पारा 3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 4.6 पर पहुंच गया, जो इस सीजन बीकानेर की सबसे सर्द रात रही। यह शेखावाटी इलाके चूरू, फतेहपुर, सीकर से भी ज्यादा ठंडा रहा। यही स्थिति जैसलमेर, बाड़मेर में रही, जहां सीजन का सबसे कम तापमान गुरुवार को दर्ज हुआ। दो दिन पहले तक राज्य में दिन में तेज धूप और सुबह-शाम तेज सर्दी का वातावरण था। दिन और रात के तापमान में 18 से 20 डिग्री सेल्सियस तक का अंतर रहता था। लेकिन कल ये अंतर घटकर 6 डिग्री सेल्सियस तक ही रह गया। गंगानगर, हनुमानगढ़ में कल दिन का अधिकतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। इन शहरों के अलावा कल झुंझुनूं के पिलानी में दिन का अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

# बीजेपी अध्यक्ष पद की दौड़, चर्चा में राजस्थान के नेता

## 42 साल में प्रदेश से नहीं बना बीजेपी का अध्यक्ष ; भूपेंद्र यादव हो सकते हैं कैंडिडेट

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के 1980 में गठन के बाद से राजस्थान से एक भी नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सका। ऐसे में पहली बार राजस्थान से राज्यसभा सांसद व श्रम व रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में चर्चा में है। इस नाम की चर्चा को मजबूती इसलिए भी मिल रही है क्योंकि इसके जरिए राजस्थान सहित पड़ोसी राज्य हरियाणा, यूपी, एमपी आदि को जातीय समीकरण के आधार पर साधने के सियासी नजरों से भी देखा जा रहा है।

हालांकि अभी तक नंबर वन पर चर्चाओं में मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हैं। इनके अलावा गुजरात में पार्टी के अध्यक्ष और सांसद सीआर पाटिल का नाम भी चर्चाओं में है।

बहरहाल अगले साल राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि जगहों पर चुनाव हैं। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी को ये फैसला लेना है।

**जेपी नड्डा पर स्थिति स्पष्ट होने का है इंतजार**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 23 जनवरी को पूरा होने जा रहा है। लोकसभा चुनाव तक उन्हें एक्सटेंशन मिलता है तो ठीक है।

वरना पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलेगा। माना जा रहा है कि इसके लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग भी अगले महीने होने वाली है। इसके लिए कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश में से कोई एक राज्य हो सकता है।

**42 साल में 11 नेता रहे अध्यक्ष**

पिछले 42 साल में बीजेपी के 11 नेता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इनमें सर्वाधिक तीन बार लालकृष्ण आडवाणी इस पद पर रहे। पार्टी के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी के बाद आडवाणी 1986-1991 तक रहे। इसके बाद 1993 से 98 तक, फिर 2004 से 2005 तक रहे।

राजनाथ सिंह 2005 से 09 और फिर 2013 से 2014 तक रहे। इनके अलावा मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, जन कृष्णमूर्ति, नितिन गडकरी, अमित शाह पार्टी में अध्यक्ष पद की कमान संभाल चुके हैं।

# रॉबर्ट वाड्रा की 15 दिन बाद हो सकती है गिरफ्तारी

## जोधपुर हाईकोर्ट का फैसला ; मनी लॉन्ड्रिंग केस में याचिका खारिज

जोधपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां मौरीन वाड्रा को जोधपुर हाईकोर्ट से झटका लगा है। जस्टिस डॉ पुष्पेंद्र सिंह भाटी की सिंगल बेंच ने रॉबर्ट व उनकी मां की पार्टनरशिप वाली स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी कंपनी की व एक अन्य याचिका खारिज कर दी है।

हालांकि, कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी पर दो सप्ताह की रोक भी लगा दी है। पूरा मामला बीकानेर के कोलायत में कंपनी की जमीनों के खरीद-फरोख्त को लेकर है। इससे पहले बुधवार को हाईकोर्ट जस्टिस डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह भाटी की सिंगल बेंच में सुनवाई पूरी हुई थी।

**ईडी की जांच को दी थी चुनौती**

दरअसल, बीकानेर के कोलायत में जमीन खरीद-फरोख्त को लेकर स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी एलएलपी कंपनी के साझेदारों के खिलाफ ईडी सबूत एकत्रित करने के लिए जांच कर रहा है। सिंगल बेंच में स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के अलावा महेश नागर ने ईडी की जांच को चुनौती दी थी। बचाव पक्ष की ओर से मुख्यतः अपनी याचिका में जो सवाल खड़े किए, उन पर यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से जवाब दिया गया।

इस फैसले के बाद दो सप्ताह तक पूर्व का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। इस दौरान परिवादी अपील कर सकेंगे और तब तक गिरफ्तारी नहीं होगी। बुधवार को बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ वकील केटीएस तुलसी ने वाड्रा की पैरवी करते हुए पक्ष रखा। यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी व उनके सहयोगी भानुप्रकाश बोहरा ने पक्ष रखा।

जमीनों की खरीद से जुड़े इस केस में को लेकर पहले भी राजनीतिक बयानबाजी होती रही है।

# क्या यात्रा से राजस्थान का तनाव शांत कर गए राहुल

## 18 दिन की यात्रा में किसी गुट की तरफ नहीं दिखा राहुल का झुकाव

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से गुजर गई। तमाम विवादों, बयानबाजी और खींचतान के बावजूद राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान से बगैर किसी विवाद के गुजर गई। राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा की खास बात ये रही कि राजस्थान में 18 दिन रहने के बावजूद राहुल गांधी ने किसी भी गुट की ओर अपना झुकाव नहीं दिखाया। पूरी यात्रा में अपने एक्शन, बातचीत, बयानों, भाषणों और रिएक्शन से राहुल ने किसी भी गुट की ओर अपना झुकाव जाहिर नहीं होने दिया। राहुल की यात्रा के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या राजस्थान में जो यात्रा से पहले तनाव था, उसे राहुल शांत करा गए।

इसे लेकर राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा का भी यही मानना है कि राहुल गांधी इस यात्रा से एक मैसेज देकर गए हैं कि कांग्रेस को राजस्थान में इकठ्ठे रहना है।

राहुल गांधी जब राजस्थान में प्रवेश करने वाले थे उससे ठीक पहले राजस्थान का माहौल बेहद तनावपूर्ण था। राहुल की एंट्री से ठीक पहले जहां सचिन पायलट एमपी में राहुल और प्रियंका गांधी से मिले थे। वहीं इसी दौरान सीएम अशोक गहलोत ने एक चैनल को इंटरव्यू देकर सचिन पायलट को गद्दार तक करार दे दिया था। इसके बाद पायलट ने भी गहलोत को जवाब दिया था। माना जा रहा था कि अब लड़ाई आमने-सामने की हो गई है।

यात्रा से ठीक पांच दिन पहले केसी वेणुगोपाल जयपुर आए। उन्होंने लम्बी बैठक कर गहलोत और पायलट को साथ खड़ा किया। यह बताने की कोशिश की गई कि कांग्रेस में सब ठीक है। मगर यह माना जा रहा था कि यात्रा के दौरान जरुर गुटबाजी देखने को मिल सकती है। इसके बाद 4 दिसम्बर को जब यात्रा झालावाड़ से राजस्थान में एंटर हुई तो बॉर्डर पर राहुल गांधी ने गहलोत और पायलट दोनों के साथ डांस किया।

# 4 साल बाद भी नियुक्तियों के इंतजार में कांग्रेसी

## कभी कोविड–19 तो कभी बगावत, चुनाव–यात्रा के कारण अटकती रही नियुक्तियां

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान से भारत जोड़ो यात्रा गुजरने के बाद कांग्रेस में एक बार फिर कार्यकर्ताओं की उम्मीदें जग गई हैं। पिछले 4 साल से राजनीतिक और संगठनात्मक नियुक्तियों की बाट जोह रहे नेताओं को अब पार्टी से आखिरी उम्मीद है। माना जा रहा है कि चुनावी साल होने के चलते अब जल्द ही संगठनात्मक नियुक्तियों के साथ-साथ यूआईटी-प्राधिकरण सहित शेष बचे निगम-बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां भी की जाएंगी। हर पांच साल में सरकार बनने के बाद राजनीतिक नियुक्तियां की जाती हैं। इसके अलावा 3 साल में संगठन में फेरदबल भी होता है, लेकिन वर्तमान सरकार में राजनीतिक नियुक्तियों की पहली सूची ही सवा तीन साल बाद जारी हुई। उसके कुछ समय बाद दूसरी सूची जारी हुई। प्रदेश के 14 यूआईटी में तो अब तक चेयरमैन की कुर्सियां ही खाली हैं। इसके अलावा जयपुर, जोधपुर और अजमेर प्राधिकरणों के अध्यक्षों सहित अन्य कई पद भी खाली पड़े हैं।

**पीसीसी सहित जिला संगठन का भी नहीं हुआ विस्तार**

विधानसभा चुनाव के बाद ही प्रदेश सहित कई जिलों में जिलाध्यक्ष बदले जाने थे। कार्यकारिणियां भी नई बननी थी। इसके अलावा 2020 के मानेसर एपिसोड के बाद पीसीसी की पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी गई थी। उसके बाद से अब तक संगठन का विस्तार नहीं हो पाया है। कई जिलों में अध्यक्ष बदले गए, लेकिन ज्यादातर जिलों में अब भी कई सालों से निवर्तमान जिलाध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष ही जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

लोकसभा-निकाय चुनाव और कोविड-: विधानसभा चुनाव के बाद मई 2019 में लोकसभा चुनाव आ गए। वहीं नवंबर 2019 में प्रदेशभर में निकाय चुनाव हो गए। इसके बाद अप्रैल 2020 में 3 सीटों पर राज्यसभा चुनाव आ गए। इसी बीच कोविड-19 आ गया। कोविड-19 के चलते राजनीतिक नियुक्तियां सरकार की प्राथमिकता से दूर चली गई। 2021 तक यह दौर चलता रहा। बगावत ने संगठन के रास्ते भी रोके-: जुलाई 2020 में जब पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों ने बगावत की तो पूरा का पूरा संगठन और उसकी कार्यकारिणी भंग करनी पड़ी। पायलट और समर्थकों को वापस तो बुला लिया गया, लेकिन तनानती और गुटबाजी का एपिसोड 2021 तक चलता रहा। इसके चलते पीसीसी में नई कार्यकारिणी नहीं बनी। उप चुनाव और मंत्रिमंडल विस्तार-: 2021 में पहले मई में 3 और फिर अक्टूबर में 2 सीटों पर उप चुनाव हुए। इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की घोषणा भी हुई। नवंबर 2021 में मंत्रिमंडल विस्तार भी हुआ। इन सभी बड़ी घटनाओं के चलते एक बार फिर राजनीतिक नियुक्तियां और संगठन विस्तार टल गया। इस बीच लगातार कभी गहलोत-पायलट के बीच अनबन तो कभी सुलह की खबरें आती रही। चिंतन शिविर, गुजरात चुनाव और यात्रा-: 2022 की शुरुआत यूपी सहित 5 राज्यों के चुनाव से हुई। पूरी पार्टी इन्हीं चुनावों में लगी थी, ऐसे में नियुक्तियां फिर टल गई। इसके बाद मई में कांग्रेस का राष्ट्रीय चिंतन शिविर राजस्थान में उदयपुर में हुआ। करीब 1.5 महीने तक कांग्रेस नेता इसी में लगे रहे। इसके कुछ समय बाद ही कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई। इसमें राजस्थान के सीएम गहलोत का अध्यक्ष पद के लिए नाम आते ही नई चर्चाएं शुरू हुई। जब लगने लगा कि गहलोत अध्यक्ष और पायलट सीएम बनेंगे और फिर एक बार राजस्थान में सब कुछ सही हो जाएगा, तभी नया भूचाल आ गया। 25 सितंबर को कांग्रेस के विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पीछे हट गए।

# डॉक्टर से लेकर सरपंच को हनीट्रैप में फंसाया

## हर टारगेट के लिए अलग नाम, जॉब के बहाने नजदीकियां, फिर लाखों की ठगी

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा की एक लड़की ऐसी ही मीठी और झूठी बातें बोलकर लड़कों को प्यार के जाल में फंसाती है। इसके बाद प्री-प्लान तरीके से अपना शातिर खेल शुरू करती है। दुनिया के सामने बदनाम करने, अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर लाखों रुपए मांगे जाते हैं। बाकायदा प्यार में फंसे लड़कों से डील की जाती है।

इस शातिर लड़की मनीषा उर्फ जोया के खिलाफ 3 मामले राजस्थान और एक मध्यप्रदेश में दर्ज हुआ है। आरोप है कि उसने एमपी में एक डॉक्टर को दो अन्य डॉक्टरों के साथ मिलकर ब्लैकमेल किया था। मामला दर्ज होने के बाद उसे एमपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ भीलवाड़ा के सरपंच ने केस दर्ज करवाया था। अब भीलवाड़ा पुलिस उसे एमपी के देवास जेल से प्रोडक्शन वारंट पर पकड़कर लाई है। शातिराना लड़की अपनी एक गैंग के साथ काम करती है। अलग-अलग लोगों को फंसाते हुए अपना नाम भी अलग बताती है। हनीट्रैप में फंसाने वाली लड़की 32 साल की है और भीलवाड़ा के सांगानेरी गेट के खरी गांव की रहने वाली है।

# 80 फीट गहरे कुएं में फैला करंट, 3 की मौत

## मरने वालों में दो सगे भाई, 3 घंटे में निकाला शव

भीलवाड़ा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। 80 फीट गहरे कुएं में करंट फैलने से तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों कुएं में बोर ठीक करने के लिए उतरे थे। मरने वाले में दो सगे भाई थे। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके पर जाकर हादसे की जानकारी ली और शवों को बाहर निकाला। मामला भीलवाड़ा में बुधवार रात का है। रायला थाना प्रभारी सुनिल चौधरी ने बताया कि बुधवार को जोधड़ास गांव में धन्ना गुर्जर के खेल पर कुंए की खुदाई का काम चल रहा था। शाम के समय कुएं में तीरछी बोर करने के लिए गांगलास निवासी शिवलाल पुत्र घीसू लाल गुर्जर,जोधड़ास निवासी सुरेश पुत्र धन्ना गुर्जर और उसका भाई सोनू गुर्जर कुएं में उतरे थे। इस दौरान अचानक कुएं के पानी में करंट फैल गया और तीनों की मौत हो गई।

हादसे की सूचना पर आसींद तसीलदार भंवरलाल सैन, नायब तहसीलदार मोहित पंचाली, पटवारी मुकेश चोरड़िया, रायला थाना प्रभारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची थी। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला गया।

# बेगमपेट नाले का विकास कार्य फरवरी तक पूरा किया जाए : तलसानी

## मंत्री ने अधिकारियों के साथ नाले का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने अधिकारियों को अगले फरवरी तक बेगमपेट नाले के विकास कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। मंत्री श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, एसएनडीपी और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बेगमपेट में नाला का दौरा किया और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नाला में से पूरी तरह से सिल्ट हटा दी जाए। नाला के किनारे बने सभी अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को तत्काल हटाया जाए। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि नालों पर अतिक्रमण है और रखरखाव का ध्यान नहीं रखा जाता है। हर साल बरसात के मौसम में नहरों के आसपास की कॉलोनियों और घरों में पानी भर जाता है और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उनकी समस्या पर पहले किसी ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने कई वर्षों से इस समस्या का स्थाई समाधान निकालने के लिए कदम उठाए हैं। नगर मंत्री केटीआर ने कहा कि केटीआर की विशेष पहल के तहत शहर की नहरों को पूरी तरह से विकसित करने के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की लागत से व्यापक नहर विकास कार्यक्रम (एसएनडीपी) शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में एसएनडीपी के तहत कई नहर विकास कार्य चल रहे हैं। उसी के तहत 45 करोड़ रुपए की लागत से बेगमपेट नाला का विकास कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इन फंड से नाले के दोनों ओर आवश्यक स्थानों पर रिटेनिंग वॉल का निर्माण और गाद हटाने जैसे विकास कार्य कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नाला विकास कार्य पूरा होने के बाद नाला के आसपास की कॉलोनियों में जल निकासी, पाइप लाइन और सड़क निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर साल बरसात के मौसम में इस नाले के ऊपर से आने वाले बाढ़ के पानी से आसपास की कॉलोनियां जलमग्न हो जाती हैं। लेकिन यहां हुए विकास कार्यों से यह कहा जा सकता है कि इस साल बाढ़ के पानी की बाढ़ की समस्या का प्रभाव इतना अधिक नहीं है। मंत्री के साथ पार्षद माहेश्वरी, एसएनडीपी, जीएचएमसी सीईएस किशन, जियाउद्दीन, एसई भास्कर रेड्डी, वाटर वर्क्स ईएनसी कृष्णा, जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी, वाटर वर्क्स जीएम रमना रेड्डी और अन्य भी थे। इसी क्रम में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जीएचएमसी आयुक्त, एसएनडीपी और जीएचएमसी के अधिकारियों के साथ अमीरपेट डिवीजन के गायत्री नगर में नाले का निरीक्षण किया।

स्थानीय लोगों द्वारा की गई शिकायत के बाद बुधवार को मंत्री ने नाले का निरीक्षण किया कि नाले के किनारे अतिक्रमण और अतिक्रमण के ढांचे बनाए जा रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, अंचल आयुक्त रवि किरण, डीसी मोहन रेड्डी, ईई इंदिरा, नगर नियोजन एसीपी रमेश सहित अन्य मौजूद रहे।

## पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के उपाय : राहुल राज

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि एसी एसटी अत्याचार के मामले में पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर उपाय किए जाएंगे। जिला अपर कलेक्टर राजेशम, अपर एसपी निगरानी समिति के सदस्यों के साथ अचलेश्वर राव के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि एससी, एसटी अत्याचार के मामलों में पीड़ितों को उचित न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है और इस संदर्भ में कोई परिवर्तन या परिवर्धन हो तो समिति के सदस्य सूचित करें। उन्होंने कहा कि जिले में दो संभागीय समिति और अनुमंडल समिति गठित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं. इस क्रम में जिले में प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों के साथ की गयी. उन्होंने कहा कि जिला केंद्र में बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

# एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कामारेड्डी में पोषण वाटिका शुरू

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीआरएएस के दिशानिर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में तेलंगाना के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय-गांधारी, कामारेड्डी में पोषण वाटिका के उद्घाटन का आयोजन किया गया। इसके भाग के रूप में गुलर, महुवा, देशी खजूर, आँवला, कड़ी पत्ता, नारियल, खजूर, लवलीफल, इमली, अमरूद, काजू, बेहड़ा, अनार, नींबू ,जामुन, कटहल, बकुला, देशीबादाम, पपीता, आम, बेल, रामफल, करोंदा, कैथा, चीकू, सीताफल जैसे कुल 26 प्रजातियों के फलवृक्षों को संस्थान के डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा संग्रह करके गांधारी विद्यालय में 125 पौधे रोपण किए गए। पोषण माह के अंतर्गत आयुष मंत्रालय एवं जनजातीय मंत्रालय दोनों के सहयोग से आज का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांधारी विद्यालय के प्रधानाचार्य बी. अमरसिंह, उप प्रधानाचार्य आर. सुरेश, कनिष्ठ व्याख्याता श्रीमती पी. ज्योत्स्ना और विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्रों ने भाग लिया। संस्थान के डॉ. लंका वेंकट श्रीवानी, सीनियर रिसर्च फेलो (आयुर्वेद) के. श्रीनिवास राव, लाइब्रेरियन जी रविबाबू ने भाग लिया। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक ने इन फलवृक्षों को इकट्ठा करने में सहयोग देने के लिए औषधीय पौधे बोर्ड तेलंगाना सरकार, शहरी वन नर्सरी और ग्रामीण विकास निगम नर्सरी को आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

# विभिन्न समाजों से रामदेवपीर के जीवन चरित्र मंचन कार्यक्रम में पधारने का आह्वान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहीम पट्टनम रोड इंजापुर स्थित पू. रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला में आगामी शनिवार को आयोजित होने वाले रामदेवपीर के जीवन चरित्र मंचन कार्यक्रम में पधारने हेतु विभिन्न समाजीक संस्थाओं के पदाधिकारीयो पधारने का अनुरोध किया गया।

आयोजन समिति के किरण पटेल, रमेश पटेल एवं गुणवंत पटेल ने बताया कि युवा मित्र मंडल हैदराबाद एवं पूज्य श्री डोंग्रेजी महाराज गौशाला इंजापुर के तत्वावधान में आगामी शनिवार 24 दिसंबर को रात्रि 8 बजे से आयोजित भव्य रामदेवपीर के जीवन कार्यक्रम में पधारने हेतु विख्यात भागवत कथा वाचक भाईश्री रमेश ओझा, शिवरामपल्ली स्थित श्री रामदेवरा मंदिर में रामदेव बाबा को पुजारी सुरेश महाराज, चिरंजीवलाल शर्मा, पिंटु महाराज, अरविंद शर्मा, गणेश महाराज के माध्यम से पत्रिका भेट की गयी।

वहीं गोविंदभाई शाह, श्री कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष सुशील कापडिया, लक्ष्मण शाह, गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिज्ञेश दोशी, गायत्री परिवार के हरिनारायण व्यास आदि को भी पधारने का निवेदन किया गया। अवसर पर किरण पटेल, रमेश पटेल, जसमत पटेल, गुणवंत पटेल, रमेश पटेल, दिनेश पटेल, दिनेश लालगुरू, रामकृष्ण पटेल, आर.के. जैन, रिद्धीश जागीरदार आदि ने विभिन्न संस्थाओ को आमंत्रित किया।

# कोत्तागुड़ा फ्लाईओवर जल्द शुरू होगा

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक सुगम यात्रा के लिए वाहन का होना ही काफी नहीं है। एक उचित सड़क होनी चाहिए। यह इस भावना से है कि जीएचएमसी के निवासियों के लिए ट्रैफिक समस्या को दूर करने और समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और आरओबी की रणनीतिक सड़क विकास (एसआरडीपी) योजना बनाई गई है।

बढ़ती आबादी के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं मुहैया कराने की जरूरत है। कहा जा सकता है कि राज्य के नगर एवं शहरी विकास मंत्री केटीआर ने इस संबंध में काफी कुछ किया है। चूंकि सिग्नल-मुक्त परिवहन प्रणाली के लिए एसआरडीपी की प्रत्येक योजना जनता के लिए उपलब्ध हो जाती है, यह गंतव्य पर सुरक्षित और समय पर आगमन सुनिश्चित करेगी। अभी तक इस योजना के माध्यम से कुल 41 कार्य कराये गये हैं, जिनमें से 30 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। अन्य विभागों से संबंधित 6 कार्यों में से 3 कार्य उपलब्ध कराये गये हैं तथा राग द्वारा किये गये कुल कार्यों में से 33 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। जिनमें से 17 फ्लाईओवर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

अन्य कार्य जैसे अंडरपास, आरओबी और अन्य सड़क कार्य पूरे कर लिए गए हैं। गच्चीबोवली क्षेत्र में बना कोत्तागुड़ा फ्लाईओवर शहर का 18वां फ्लाईओवर है और यह फ्लाईओवर जल्द ही उपलब्ध हो जाएगा। गच्चीबोवली क्षेत्रों में यातायात समस्या को हल करने के लिए रु। 263 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 3 किमी लंबा कोत्तागुड़ा फ्लाईओवर जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा। तीन किलोमीटर लंबा यह फ्लाईओवर 470 मीटर लंबा है और 11 मीटर चौड़ा अंडरपास है। इसमें 65 मीटर लंबे बंद बाक्स व 425 मीटर के खुले बाक्स अंडरपास को लिया गया है। मंत्री केटीआर जनवरी 2023 के पहले सप्ताह में शहर के लोगों को नए साल के उपहार के रूप में नए गुडा फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। कोत्तागुड़ा फ्लाईओवर बनने से इस पुल से वाहन चालकों, आसपास की कॉलोनियों और मोहल्ले को फायदा होगा। इसमें बोटैनिकल गार्डन, कोठागुड़ा और कोंडापुर जंक्शनों के बीच के जंक्शनों से आसानी से जाने की सुविधा है जो बहुत कम दूरी पर हैं। इसके अलावा, मौजूदा ग्रेड कॉरिडोर से दोनों तरफ वाणिज्यिक संरचनाओं को लाभ होगा। इन जंक्शनों के आसपास कई सॉफ्टवेयर कंपनियों की मौजूदगी के कारण व्यस्त घंटों के दौरान यातायात की समस्या नहीं होती है। वित्तीय जिले से गचीबोवली से मियापुर तक की कनेक्टिविटी हाई-टेक सिटी से मियापुर, हाई-टेक सिटी, वित्तीय जिले और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ेगी। फ्लाईओवर न केवल बॉटनिकल गार्डन जंक्शन और कोठागुडा जंक्शन पर 100 प्रतिशत यातायात समस्या का समाधान करेगा बल्कि कोंडापुर जंक्शन पर 65 प्रतिशत यातायात समस्या का समाधान भी करेगा।

## बंडी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक की टिप्पणियों पर उनकी आलोचना की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक (डीएच) डॉ. जी. श्रीनिवास राव पर निशाना साधा और बुधवार को कोत्तागुडेम में आयोजित प्री-क्रिसमस समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उनके द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा की। डॉ. राव की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि यीशु ने देश के लोगों को कोरोना वायरस से बचाया, उन्होंने राव से उस देश में जाने के लिए कहा, जहां यीशु का जन्म हुआ था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राव राज्य में एक भ्रष्ट अधिकारी है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही उनकी भ्रष्ट गतिविधियों का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने राव से यह भी पूछा कि वह देश में एक विशेष धर्म का समर्थन कैसे करेंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि राव राज्य के किसी भी सरकारी अस्पताल में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में भी विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राव सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी से कोत्तागुडेम विधानसभा क्षेत्र से एक विधायक का टिकट हासिल करने के लिए अपनी टिप्पणियों से सांप्रदायिक नफरत भड़काने की कोशिश कर रहे है।

# एनसीसी कैडेटों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वायु सेना अकादमी ने 18 से 22 दिसंबर 2022 तक एनसीसी सिकंदराबाद (एयर विंग) के समन्वय से सीनियर डिवीजन एनसीसी एयर विंग के कैडेट्स के लिए एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। शिविर में देश के विभिन्न भागों से कुल 50 कैडेटों ने भाग लिया। शिविर के दौरान कैडेटों ने विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियां कीं। शिविर में रहने के दौरान कैडेटों को विभिन्न वर्गों का दौरा कर भारतीय वायु सेना के जमीनी स्तर के कामकाज से अवगत कराया गया।

\उन्होंने अकादमी में उन प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की जो एनसीसी के माध्यम से भारतीय वायु सेना में शामिल हुए थे। शिविर के दौरान प्राप्त ज्ञान कैडेटों के लिए जीवन भर का अनुभव था। इस अकादमी में शिविर के दौरान वे अत्यधिक प्रेरित और उत्साही थे। एनसीसी एक कैडेट के जीवन में बहुत ही प्रारंभिक चरण में सही मूल्यों और अनुशासन का पोषण करके उनके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वायु सेना अकादमी में अनुभव निश्चित रूप से कैडेटों को राष्ट्र की सेवा में सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा।

## सुरेन्द्र गोयल का नगरागमन 27 को

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र गोयल (कुमावत) का आगामी 27 दिसंबर को हैदराबाद में आगमन होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि श्री कुमावत राजस्थान की गत सरकार में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक एवं भूजल विभाग राजस्थान सरकार के मंत्री रह चुके हैं। अतः हैदराबाद के प्रवासी कुमावत समाज बंधुओं को राजस्थान सरकार द्वारा वर्तमान में जन स्वास्थ्य संबंधी दी जा रही सेवाओं की जानकारी के साथ समाज बन्धुओं से मुलाकात करेंगे। इस सम्बन्ध में कुमावत समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना) द्वारा एक सभा का आयोजन मंगलवार 27 दिसंबर को कुमावत समाज भवन, ज्ञानबाग कालोनी में प्रातः 9 बजे रखी गई है। सभी से निवेदन किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर सभा को सफल बनाएं।

## दिग्विजय सिंह के सामने छलका विधायक सीतक्का का दर्द

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक डी. सीताक्का ने आज यहां गांधी भवन में पार्टी आलाकमान के दूत दिग्विजय सिंह से मुलाकात की और पार्टी में हाल के घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। कांग्रेस आलाकमान के दूत दिग्विजय सिंह के सामने छलका विधायक सीतक्का का दर्द छलका। उन्होंने पार्टी की पूरी गतिविधियों के बारे में विधायक को जानकारी दी। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीताक्का ने कहा कि वह पार्टी में शामिल होने के बाद से ही पार्टी के विकास के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं द्वारा 'प्रवासी नेता' शब्द के इस्तेमाल से उन्हें बहुत ठेस पहुंची और उन्हें समिति सदस्य पदों से इस्तीफा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि वह अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान को पार्टी के किसी भी नेता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, चाहे उनकी वरिष्ठता कुछ भी हो, अगर उन्होंने कोई गलती की है। सीतक्का, 12 अन्य नेताओं के साथ कुछ वरिष्ठ नेताओं सार्वजनिक विरोध के बाद समिति के सदस्य पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी के राज्य प्रभारी मणिकम टैगोर को अपना त्याग पत्र भेज दिया। पार्टी में संकटमोचक के रूप में पहचाने जाने वाले दिग्विजय सिंह बुधवार रात शहर पहुंचे और गांधी भवन स्थित राज्य पार्टी मुख्यालय में पार्टी के असंतुष्ट वरिष्ठ नेताओं के साथ वन-टू-वन बैठक की।

## डॉ. श्रीनिवास राव ने नार्म के निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. श्रीनिवास राव ने एएसआरबी चयन पर दूसरे कार्यकाल के लिए एनएएआरएम के निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पहले कार्यकाल के दौरान पिछले 5 वर्षों 7 महीनों के लिए एनएएआरएम के निदेशक के रूप में कार्य किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वह अगले 5 वर्षों के दौरान नार्म के कद को और अधिक उच्च स्तर तक ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने अपने पहले के कार्यकाल के दौरान आईसीएआर-एनएएआरएम के एक बहुत ही क्रमबद्ध संस्थान और अन्य संगठनों, मंत्रालयों, परिषद, उद्योग व शिक्षा संस्थानों को आकार देने की यात्रा में सभी को धन्यवाद दिया। इससे पहले, उन्होंने विभिन्न आईसीएआर संस्थानों यानी आईआईएसएस, भोपाल, आईआईपीआर, कानपुर और सीआरआईडीए, हैदराबाद विभिन्न स्तरों पर में सेवा की।

**तेलंगाना माली युवा संगम के अध्यक्ष अविनाश देवड़ा ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन हंसराज अहीर से मुलाकात कर तेलंगाना के माली समाज को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग की।**

# प्रो. करुणा शंकर उपाध्याय ने राष्ट्रपति को भेंट की अपनी पुस्तक

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को अपने सद्य: प्रकाशित ग्रंथ' जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम ' की प्रथम प्रति भेंट की। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक और हिमालयन विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति डॉ. राजेश नैथानी साथ में थे। इस मौके पर डॉ. निशंक ने कहा कि प्रोफेसर करुणाशंकर उपाध्याय ने यह ग्रंथ 30-31 वर्षों के श्रम से अत्यंत गंभीरतापूर्वक लिखा है। यह जयशंकर प्रसाद जैसे महान रचनाकार के साथ न्याय करने वाला है।यह सुनने के बाद माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपने साहित्य को विश्व में फैलाने के लिए इसी तरह से बड़ा एवं गंभीर कार्य करना चाहिए। ध्यातव्य है कि डॉ.उपाध्याय का यह ग्रंथ हिंदी साहित्यकारों एवं आलोचकों के बीच विमर्श के केंद्र में है। इसे प्रसाद को विश्व-स्तर पर प्रतिष्ठित करने वाला तथा नए युग का सूत्रपात करने वाला ग्रंथ कहा जा रहा है।

## अत्तापुर में अमृतसर हवेली का शुभारंभ 25 को, पोस्टर जारी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर के एशियन थिएटर मॉल्स में भारत के अनेक शहरों में अपने क्वालिटी और स्वाद के नाम पर आकर्षित करने वाली अमृतसर हवेली का शुभारंभ 25 दिसंबर को प्रातः 12:15 होगा। इसका शुभारंभ श्री रामानुजाचार्य आश्रम के परम श्रद्धेय श्रीश्रीश्री त्रिदंडी देवनाथ रामानंदाचार्य स्वामी द्वारा होगा। इस अवसर पर हैदराबाद के अनेक प्रतिष्ठित एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे।

## तेलंगाना को सिर्फ 138 ईवी चार्जिंग स्टेशन मिले

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को एफएएमई योजना के दूसरे चरण के तहत ईवी चार्जिंग स्टेशनों के आवंटन में एक कच्चा सौदा मिला। तेलंगाना को केवल 138 ईवी चार्जिंग स्टेशन मिले हैं, जो अप्रैल 2019 से पांच वर्षों में स्थापित किए जाएंगे, जबकि महाराष्ट्र में 317, तमिलनाडु में 281 और गुजरात में 278 हैं। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इन इंडिया (फेम-इंडिया) तैयार किया है। दूसरा चरण अप्रैल 2019 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए 10,000 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ लागू किया जा रहा है। तदनुसार, 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 68 शहरों में कुल 2,877 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

**विश्वमंगल गौशाला सोमारम विलेज मेडचल में रविवार 25 दिसंबर एक दिन गौमाता के नाम होने वाले भव्य जागरण के लिए प्रचार करते हुए सत्कर्म सेवा मिशन की श्रीमती सोनिया बियानी, सुषमा, गायत्री, अंजू, सरिता, कृष्णा, हेमलता जोशी और विश्व मंगल गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार।**

**केबीआर पार्क में आयोजित गणेश पूजा में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार, सुशील केडिया, अशोक कुमार अग्रवाल, लक्ष्मीकांत इनानी, विजय कुमार, समाजसेवी गोपाल बलदेवा व अन्य।**

## एयर कमोडोर पंकज जैन ने एयर ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर कमोडोर पंकज जैन ने आज एयर कमोडोर मनीष सभरवाल, वीएसएम से वायु सेना स्टेशन, हकीमपेट, हैदराबाद के एयर ऑफिसर कमांडिंग के रूप में पदभार संभाला। वायु सेना स्टेशन के कर्मियों ने इस समारोह को चिह्नित करने के लिए एक प्रभावशाली परेड प्रस्तुत की। वायु अधिकारी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के पूर्व छात्र हैं और उन्हें 19 दिसंबर 1992 को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू वर्ग में शामिल किया गया था। उन्होंने विभिन्न लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। कैट 'ए' क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के रूप में, उनका एक लंबा निर्देशात्मक कार्यकाल रहा है, जिसमें उन्होंने हॉक, इस्कारा, किरण और एचपीटी-32 जैसे प्रशिक्षण विमान उड़ाए हैं और प्रतिष्ठित फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर स्कूल में डायरेक्टिंग स्टाफ रहे हैं। 1997 में जब उन्हें भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था, तब वह एसयू-30 विमान के लिए कमीशनिंग एयरक्रू के सबसे कम उम्र के सदस्य थे।

# पहली पारी में बांग्लादेश 227 रन पर ऑलआउट

## उमेश-अश्विन को 4-4 विकेट, टीम इंडिया ने बिना विकेट गंवाए 19 रन बनाए

मीरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयदेव उनादकट को डेब्यू के 12 साल बाद पहला टेस्ट विकेट मिला। वे 2 विकेट ले चुके हैं। जयदेव ने जाकिर हसन और मुश्फिकुर रहीम के विकेट लिए।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश की पहली पारी 227 रनों पर सिमट गई है। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में बिना नुकसान के 19 रन बना लिए हैं। पहले दिन स्टंप्स के बाद कप्तान केएल राहुल 3 और शुभमन गिल 14 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। फिलहाल, मेजबान टीम 208 रनों से आगे है।

पहले दिन मीरपुर में टॉस जीतकर खेलने उतरी बांग्लादेश की ओर से मोमिनुल हक ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। मुश्फिकुर रहीम 26 और लिटन दास ने 25 रन बनाए। ओपनर नजमुल हसन शान्तो ने 24 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन ने 4-4 विकेट लिए। वहीं, 12 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जयदेव उनादकट के हिस्से 2 सफलताएं आईं। उन्हें पिछले मुकाबले के मैन ऑफ द मैच कुलदीप यादव की

जगह टीम में शामिल किया गया है। उनादकट ने आखिरी टेस्ट 16 दिसंबर 2010 में खेला था।

**पहला सेशन : 82 रन बनाने में मेजबान के 2 विकेट गिरे**

पहले सेशन में बांग्लादेशी टीम ने 82 रन जोड़े, वहीं भारतीय टीम के गेंदबाजों ने 2 विकेट चटकाए। एक समय बांग्लादेश के दोनों ओपनर 39 रन पर पवेलियन लौट गए थे। फिर कप्तान शाकिब और मोमिनुल हक ने पारी संभाली। दोनों ने सेशन खत्म होने तक तीसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़ लिए।

**दूसरा सेशन: 102 रन बने, 3 विकेट भी आए**

दूसरे सेशन में मेजबान टीम ने 102 रन बनाए। उसे 3 झटके भी लगे। उसकी ओर से मोमिनुल अपना 16वां अर्धशतक जमाकर नाबाद रहे। जबकि शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और लिटन दास आउट हो गए। मोमिनुल ने टेस्ट में 27वीं बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इनमें उनके 9 शतक शामिल हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा 50+ स्कोर करने के मामले में बांग्लादेश के हबीब-उल बशर (27) की बराबरी की। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वालों में वे चौथे नंबर पर हैं। उनसे पहले तमीम इकबाल (41), शाकिब अल हसन (35) और मुश्फिकुर रहीम (34) का नंबर है।

**तीसरा सेशन : बांग्लादेश ऑलआउट, भारत ने 19 रन जोड़े**

दिन के तीसरे और आखिरी सेशन में बांग्लादेश ने 5 विकेट खोए। जबकि टीम के टोटल में 43 रन जुड़े। पहले दिन भारत ने भी 19 रन बनाए हैं।

**यहां देखिए कैसे गिरे बांग्लादेश के विकेट....**

पहला: 15वें ओवर में जाकिर हसन उनादकट की बॉल पर कट करना चाहते थे। उन्हें केएल राहुल ने स्लिप में कैच कराया। दूसरा : शान्तो को अश्विन ने एलबीडब्ल्यू कराया। तीसरा : कप्तान शाकिब अल हसन को उमेश यादव ने मिड ऑफ पर पुजारा के हाथों कैच कराया। चौथा : रहीम को उनादकट ने ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। पांचवां : लिटन दास अश्विन की गेंद पर राहुल को कैच दे बैठे। छठा : उमेश यादव को दूसरा विकेट मिला। ऑफ स्टंप के पास की लेंथ बॉल बल्ले को चूमती हुई पंत के दस्तानों में जा पहुंची।

**सातवां : 69वें ओवर में नुरुल हसन को उमेश यादव ने एलबीडब्ल्यू किया।**

आठवां : उमेश यादव ने 73वें ओवर में तस्कीन अहमद को मोहम्मद सिराज के हाथों पॉइंट में कैच कराया। यादव को चौथा विकेट मिला। नौवां : मोमिनुल हक 84 रन बनाकर आउट हुए। 74वें ओवर में अश्विन ने उन्हें विकेट के पीछे पंत के हाथों कैच कराया। दसवां : 74वें ओवर में अश्विन ने खालिद अहमद को शून्य के स्कोर पर उनादकट के हाथों कैच कराया। उमेश के बाद अश्विन को भी चौथा विकेट मिला।

तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की 12 साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वह मोहम्मद सिराज और अभिमन्यु ईश्वरन के साथ टेस्ट मैच शुरू होने के पहले अंपायर के साथ मैच की गेंद चुनते नजर आए।

तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की 12 साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वह मोहम्मद सिराज और अभिमन्यु ईश्वरन के साथ टेस्ट मैच शुरू होने के पहले अंपायर के साथ मैच की गेंद चुनते नजर आए।

**कुलदीप बाहर, उनादकट की 12 साल बाद वापसी**

भारतीय कप्तान केएल राहुल फिट हैं और खेल रहे हैं। टीम इंडिया में एक बड़ा बदलाव हुआ है। पिछले मुकाबले के प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव बाहर किए गए हैं। उनकी जगह जयदेव उनादकट की 12 साल बाद वापसी हुई है। वहीं, बांग्लादेश में मोमिनुल और तस्कीन को प्लेइंग 11 में जगह मिली है।

# कुलदीप यादव को किस गलती की सजा मिली

## पहले टेस्ट में मैन ऑफ द मैच थे, दूसरे से बाहर कर दिया

मीरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए जब भारत की प्लेइंग-11 घोषित हुई तो फैंस से लेकर एक्सपर्ट तक सब हैरान रह गए। इसमें कुलदीप यादव का नाम शामिल नहीं था। कुलदीप ने पहले टेस्ट में 8 विकेट लिए थे और 40 रन की उपयोगी पारी खेली थी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। कप्तान केएल राहुल ने कुलदीप को बाहर करने के पीछे क्या लॉजिक दिया। क्या लॉजिक में कोई दम है भी या नहीं। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा और अंजुम चोपड़ा क्या कहते हैं। जानिए इस स्टोरी में...

**कुलदीप का तीनों फॉर्मेट में प्रदर्शन**

| टेस्ट | वनडे | T20I |
|---|---|---|
| 8 मैच, 34 विकेट | 73 मैच, 119 विकेट | 25 मैच, 44 विकेट |

चोटिल रोहित शर्मा की गैरहाजिरी में केएल राहुल इस सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। दूसरे टेस्ट के टॉस के वक्त उन्होंने कहा कि यह पिच फास्ट बॉलर्स के लिए ज्यादा मददगार दिख रही है। इसलिए तीन फास्ट बॉलर्स को शामिल करने का फैसला किया गया। इस स्थिति में कुलदीप की प्लेइंग-11 में जगह नहीं बनती है। कुलदीप की जगह बाएं हाथ के मीडियम पेसर जयदेव उनादकट को टेस्ट खेलने का मौका मिल गया।

बांग्लादेश के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम की पिच पर थोड़ी घास थी और इसे देखकर ही राहुल ने मन बना लिया कि पिच फास्ट बॉलर्स के लिए हेल्पफुल होगी। हालांकि, यहां का इतिहास इसके उलट है। इस ग्राउंड पर अब तक 24 टेस्ट मैच में स्पिनर्स ने 411 तो फास्ट बॉलर्स ने 267 विकेट लिए हैं। इस मैच से पहले यहां खेले गए 5 टेस्ट मैचों में स्पिनर्स ने 94 विकेट लिए थे।

लॉजिक पर सवाल- अक्षर या अश्विन को बाहर क्यों नहीं किया?

अगर पिच फास्ट बॉलर्स के लिए मददगार थी भी तो सवाल यह उठता है कि पिछले टेस्ट के मैन ऑफ द मैच कुलदीप को बाहर करने की क्या जरूरत थी। लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल को भी रेस्ट दिया जा सकता था। पहले टेस्ट में अक्षर ने पहली पारी में 1 तो दूसरी पारी में 4 विकेट लिए थे। उस टेस्ट मैच में भारत के लिए सबसे कमजोर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन साबित हुए थे। अश्विन पूरे मैच में सिर्फ 1 विकेट ले पाए थे। पहली पारी में उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिली थी।

अजय जडेजा और अंजुम चोपड़ा इस टेस्ट में कमेंट्री कर रहे हैं। सुबह जब प्लेइंग-11 घोषित हुई तो अंजुम ने कहा- मैं हैरान हूं कि कुलदीप यादव को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। यह फैसला समझ से परे है। वहीं, अजय जडेजा ने कहा कि बिना वजिब वजह के किसी खिलाड़ी को कैसे बाहर किया जा सकता है? आखिर कैसे उन्हें यह खबर बताई गई होगी? कुलदीप ने 2017 में टेस्ट में डेब्यू किया। तब से भारतीय टीम 113 टेस्ट खेल चुकी है। कुलदीप को सिर्फ 9 में मौका मिला। ऐसा नहीं है कि सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में कुलदीप के साथ इस तरह का व्यवहार हुआ है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में भी उन्हें गाहे-बगाहे बाहर का रास्ता दिखाया जाता रहा है। वनडे में उनके डेब्यू के बाद से भारत ने 108 वनडे खेले हैं। कुलदीप को 73 में मौका मिला। टी-20 में कुलदीप ने पहला मैच 9 जुलाई 2017 को खेला था। तब से भारत ने 103 मैच खेले। कुलदीप को सिर्फ 25 में मौका मिला।

# रोहित से टी20- वनडे की कप्तानी छीनी जा सकती है

## हार्दिक होंगे नए कप्तान; बोर्ड ने बातचीत की, लेकिन पंड्या ने समय मांगा

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 की कप्तानी से हटाया जा सकता है। हार्दिक पंड्या उनकी जगह लेंगे। बीसीसीआई इस पर विचार कर रहा है और जल्द इसका ऐलान हो सकता है। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि बोर्ड ने इसे मामले में पंड्या से बातचीत की है, लेकिन उन्होंने अभी पर कोई जवाब नहीं दिया है। फैसला लेने के लिए समय मांगा है। हार्दिक ने आईपीएल में पहली बार कप्तानी करते हुए नई टीम गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था। उन्होंने 15 मैचों में 44.27 की औसत से 487 रन बनाए। यही नहीं उन्होंने अपनी पारी में 4 अर्धशतक भी लगाए। साथ ही 8 विकेट लिए। उधर, टी-20 में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड में टी-20 सीरीज जीती थी।

**2 वजह से रोहित की कप्तानी पर उठे सवाल**

**पहला:** रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप और एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार मिली थी। इससे पहले एशिया कप में भी टीम इंडिया टॉप-2 में भी जगह नहीं बना पाई थी। तभी से वर्ल्ड कप के बाद रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने की बात की जा रही है।

**दूसरा:** बीसीसीआई ने पहले ही सिलेक्शन कमेटी को भंग कर दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि रोहित को भी कप्तानी से हटाया जा सकता है।

पिछले साल रोहित ने विराट की जगह ली थी

पिछले साल विराट कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। बाद में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। उनकी जगह रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और टेस्ट की कप्तानी विराट के पास ही थी। बाद में विराट ने टेस्ट की कप्तानी को भी निजी कारणों का हवाला देकर छोड़ दिया था। जिसके बाद से रोहित तीनों फॉर्मेट के कप्तान हो गए थे।

बीसीसीआई ने टीम इंडिया की सीनियर सिलेक्शन कमेटी को बर्खास्त कर दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अब से कुछ देर पहले यह फैसला बीसीसीआई ने लिया। पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा समेत सभी सिलेक्टर्स को हटा दिया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टीम इंडिया को इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट की हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही टीम सिलेक्शन पर सवाल उठ रहे थे। पूरी खबर को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी को बर्खास्त करने के बाद अब बीसीसीआई की नजर टी20 कप्तान रोहित शर्मा पर है। ऐसा कहा जा रहा है कि उन्हें टी-20 की कप्तानी से हटाया जा सकता है। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड से 10 विकेट से हार का सामना

# फाइनल हारने के 64 घंटे के अंदर प्रैक्टिस पर लौटे एम्बाप्पे, मार्टिनेज लगातार उड़ा रहे मजाक

पेरिस, मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएसजी को 28 दिसंबर को स्ट्रॉसबर्ग के खिलाफ लीग-1 (फ्रेंच लीग) का मैच खेलना है। माना जा रहा है कि एम्बाप्पे इस मुकाबले में खेलने के लिए उतर सकते हैं। एम्बाप्पे के प्रैक्टिस पर आने की घोषणा खुद पीएसजी ने की। वह इस सत्र में पीएसजी के लिए 20 मैच में 19 गोल कर चुके हैं।

विश्वकप के फाइनल में हार मिलने के 64 घंटे के अंदर फ्रांस के स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे 10 दिन की छुट्टियां रद्द कर बुधवार (21 दिसंबर) को प्रैक्टिस पर लौट आए। 24 वर्षीय एम्बाप्पे का मंगलवार को जन्मदिन था और माना जा रहा था कि वह विश्वकप की थकान मिटाने के लिए 10 दिन की छुट्टियों पर जाएंगे, लेकिन फाइनल की हार के सदमे से उबरने के लिए उन्होंने वापस मैदान पर आना बेहतर समझा।

एम्बाप्पे अपनी घरेलू टीम पेरिस सेंट जर्मेन के ट्रेनिंग बेस कैंप में पहुंच गए। वहीं, पीएसजी में उनके साथी और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अपने देश में टीम के बाकी साथियों के साथ जश्न मना रहे हैं। पीएसजी को 28 दिसंबर को स्ट्रॉसबर्ग के खिलाफ लीग-1 (फ्रेंच लीग) का मैच खेलना है। माना जा रहा है कि एम्बाप्पे इस मुकाबले में खेलने के लिए उतर सकते हैं। एम्बाप्पे के प्रैक्टिस पर आने की घोषणा खुद पीएसजी ने की। वह इस सत्र में पीएसजी के लिए 20 मैच में 19 गोल कर चुके हैं। विश्वकप के फाइनल के हॉफ टाइम के दौरान फ्रांस के ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एम्बाप्पे अपगी टीम के साथियों को प्रेरित कर रहे हैं। एम्बाप्पे 2-0 से पिछड़ने के बाद साथियों से कह रहे हैं कि यह विश्वकप का फाइनल है और जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण मैच। हमारी स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हो सकती है। हम वापस मैदान में खेलने चलते हैं या तो हम उन्हें खेलने देते हैं या फिर कुछ तीव्रता दिखाते हैं। हमें उनके साथ दो-दो हाथ करने हैं और कुछ अलग करके दिखाने की कोशिश करते हैं। एम्बाप्पे के इन शब्दों ने टीम में जान तो डाली ही साथ में वह खुद भी हाफ टाइम के बाद भूखे शेर की तरह टूट पड़े और हैट्रिक लगाई। विश्वकप के फाइनल में पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को जीत दिलाने वाले गोलकीपर एमेलियानो मार्टिनेज ने फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर काइलिन एम्बाप्पे का उपहास उड़ाना जारी रखा है। मार्टिनेज ने ब्यूनस आयर्स में दूसरे दिन एम्बाप्पे के चेहरे वाली गुड़िया को बगल में दबाकर विजय परेड में हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ टीम के कप्तान और पेरिस सेंट जर्मेन में म्बापे के साथी लियोनल मेसी भी मौजूद थे।

# अर्जेंटीना के नोट पर होगी मेसी की तस्वीर: वर्ल्ड कप जीत के बाद सरकार तैयार कर रही है योजना

खेल डेस्क, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। 36 साल बाद अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी की फोटो करेंसी पर होगी। अर्जेंटीना ने इससे पहले 1978 और 1986 में वर्ल्ड कप जीता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अर्जेंटीना को तीसरी बार खिताब दिलाने वाले मेसी की फोटो करेंसी पर छापने के लिए अर्जेंटीना सरकार के वित्तिय मामले को देखने वाला मंत्रालय विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है तो मेसी देश की करेंसी में छपने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वहीं 18 दिसंबर को कतर में खेले गए फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम ने पेनल्टी शूटऑउट में फ्रांस को 4-2 से हराया। इससे पहले तय समय तक दोनों टीमें 2-2 गोल की बराबरी पर थीं। उसके बाद मैच हाफ टाइम में गया। हाफ

टाइम में भी दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ।

**मेसी ने वर्ल्ड कप में अब तक किए हैं 16 गोल**

मेसी को दूसरी बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड मिला। हालांकि, गोल्डन बूट फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे को मिला। जिन्होंने टूनामेंट में 8 गोल किए। वहीं मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 7 गोल किए थे। फाइनल में मेसी ने 2 गोल किए। वे अब तक वर्ल्ड कप में 26 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 16 गोल करने में सफल हुए हैं। इनमें 12 फील्ड गोल हैं और 4 गोल पेनाल्टी से किए हैं। उन्होंने 2006 में अर्जेंटीना के लिए एक गोल किया। 2010 में अपने दूसरे वर्ल्ड कप में वह एक भी गोल करने में सफल नहीं हुए थे। 2014 में उन्होंने 4 गोल किए थे। 2018 में उन्होंने 1 गोल किया।

# कतर वर्ल्ड कप में सर्वाधिक 24% उलटफेर

## 2002 के बाद इस वर्ल्ड कप में सबसे कम 1458 शॉट्स पड़े

कतर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप खत्म हो चुका है, लेकिन फैंस इस ड्रीम वर्ल्ड कप के बारे में बात करने से खुद को अभी भी नहीं रोक पा रहे हैं। इसके पीछे कई कारण है। इस वर्ल्ड कप में लोगों ने अपने हीरो को खेलते देखा। कई खिलाड़ी वर्ल्ड कप में आखिरी बार उतरे थे तो कई खिलाड़ी पहली बार। इस बीच इस वर्ल्ड कप में कई रिकॉड्र्स बने

और कई टूटे। कतर वर्ल्ड कप में नए ट्रेंड्स देखने को मिले। इस वर्ल्ड कप में कई मुकाबलों का नतीजा पेनल्टी शूटआउट से तय हुआ, उसमें फाइनल भी शामिल है। इसके साथ ही, उलटफेर का सिलसिला अर्जेंटीना और सऊदी अरब के मैच में शुरू हुआ, वह टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच तक चला। फीफा वर्ल्ड कप में 1958 के बाद इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा उलटफेर देखने को मिले। 1958 में 26 प्रतिशत उलटफेर हुए थे, जबकि आंकड़ों के अनुसार, इस साल 24 प्रतिशत मैच उलटफेर में खत्म हुए हैं।

# आईपीएल मिनी ऑक्शन के टॉप-4 प्लेयर्स: स्टोक्स-करन-ग्रीन हो सकते हैं सबसे महंगे; भारतीयों में मयंक सबसे बड़ा नाम

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग इंडियन प्रीमियर लीग के लिए मिनी ऑक्शन कल होगा। कोच्चि में दोपहर 2.30 बजे से शुरू होने वाले ऑक्शन में 405 खिलाड़ी नीलाम होंगे। इनमें 123 इंटरनेशनल प्लेयर्स भी शामिल हैं। इनमें से कुछ पर इस बार के ऑक्शन की सबसे बड़ी बोली लगेगी। ऑक्शन में जो रूट , केन विलियमसन, शाकिब अल हसन, राइली रुसो, मयंक अग्रवाल, कैमरून ग्रीन, निकोलस पूरन, जोशुआ लिटल, सैम करन और बेन स्टोक्स जैसे बड़े नाम हैं। इस खबर में हम ऐसे 5 बड़े प्लेयर्स के बारे में जानेंगे, जिन पर फ्रेंचाइजी पैसों की बौछार कर सकती है। साथ ही जानेंगे कि ये प्लेयर्स सबसे महंगे क्यों हो सकते हैं और उन पर कौन सी टीमें बोली लगा सकती हैं। सबसे पहले ग्राफिक में मिनी ऑक्शन से जुड़ी जरूरी बातें जान लीजिए...

**बेन स्टोक्स । 2 बार आईपीएल में सबसे महंगे बिक चुके हैं**

आईपीएल ऑक्शन में सबसे ज्यादा डिमांड इस बार ऑलराउंडर्स की रहेगी। इनमें ही बेन स्टोक्स का नाम भी शामिल है। 2 करोड़ की बेस प्राइज में अवेलेबल स्टोक्स 2017 और 2018 के आईपीएल ऑक्शन में सबसे महंगे बिके थे। 2017 में उन्हें 14.5 करोड़ और 2018 में 12.5 करोड़ रुपए मिले। हाल ही में खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड के लिए मैच जिताऊ फिफ्टी (52) जमाई थी। उस टूर्नामेंट के 6 मैचों में उन्होंने 110 रन बनाए थे और 6 विकेट भी लिए थे।

स्टोक्स बिजी शेड्यूल के चलते पिछले आईपीएल का हिस्सा नहीं थे। 2021 में वह राजस्थान रॉयल्स के साथ थे, लेकिन इंजरी के चलते एक ही मैच खेल सके थे। आईपीएल करियर के 43 मैचों में उन्होंने 134.50 के स्ट्राइक रेट से 920 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 28 विकेट भी लिए। इंग्लैंड के लिए खेले 43 मैचों में उन्होंने 128 के स्ट्राइक रेट से 585 रन बनाए और 26 विकेट भी लिए।

ऑक्शन के सेट-2 में बेन स्टोक्स का नाम है। उनके लिए सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजायंट्स की टीमें बोली लगा सकती हैं। चेन्नई, मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी उन पर बोली लगाएंगी। लेकिन, पर्स की राशि को देखते हुए शुरुआती 3 टीमों में से ही कोई बाजी मारेगी।

**सैम करन । इंग्लैंड को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया**

ऑलराउंडर सैम करन का नाम मिनी ऑक्शन के टॉप प्लेयर्स में शामिल हैं। 2 महीने पहले खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप में वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। इंग्लैंड को वर्ल्ड कप जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। टूर्नामेंट के 6 मैचों में उन्होंने 13 विकेट लिए थे। इस साल के 19 टी-20 मैचों में उन्होंने 25 विकेट लिए हैं। इंग्लिश ऑलराउंडर सैम करन ने पिछला आईपीएल नहीं खेला था। 2021

में वह चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ थे। टीम ने उन्हें 5.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। 24 साल के करन ने 2019 में पंजाब किंग्स से आईपीएल सफर की शुरुआत की। तब से लेकर अब तक वह 32 आईपीएल मैचों में 32 विकेट ले चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 149.78 के स्ट्राइक रेट से 337 रन भी बनाए।

ऑक्शन के सेट-2 में सैम करन का नाम है। 2 करोड़ की बेस प्राइज वाले इस प्लेयर के लिए सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपरकिंग्स, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स की टीमें बोली लगा सकती हैं। सैम 2 सीजन तक सीएसके का पार्ट रहे हैं, ऐसे में चेन्नई उन्हें फिर एक बार अपने साथ जोड़ने के लिए पूरी कोशिश करेगी।

**कैमरून ग्रीन । भारत में 214 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए**

ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पहली बार आईपीएल ऑक्शन में उतरेंगे। इसी साल सितंबर में भारत में टीम इंडिया के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज में उन्होंने 214.55 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए थे। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग की थी। ओवरऑल 8 टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने 139 रन बनाने के साथ 5 विकेट भी लिए हैं।

इसके अलावा खेले 21 टी-20 मैचों में उन्होंने 245 रन बनाए हैं। जोस इंग्लिस के चोटिल हो जाने के बाद वह ऑस्ट्रेलिया की टी-20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा भी बने थे। ऑक्शन के सेट-2 में कैमरून ग्रीन का नाम है। उनका बेस प्राइज 2 करोड़ रुपए है। पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम उनके पीछे जा सकती हैं।

**निकोलस पूरन । विंडीज के कीपर का स्ट्राइक रेट 150 पार**

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन को सनराइजर्स हैदराबाद ने रिलीज कर दिया है। एसआरएच ने उन्हें पिछले मेगा ऑक्शन में 10.75 करोड़ रुपए की मोटी रकम देकर खरीदा था। तब उन्होंने 144.34 के स्ट्राइक रेट से 306 रन बनाए। वह पंजाब किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं।

2022 के 23 टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने 582 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए ओवरऑल उन्होंने 72 टी-20 खेले। इनमें 129.02 के स्ट्राइक रेट से 1427 रन बनाए। बैटिंग के साथ पूरन विकेटकीपिंग भी कर लेते हैं।

ऐसे में इस ऑक्शन से भी उन्हें अच्छा-खासा पैसा मिलने की उम्मीद है। पूरन ऑक्शन के सेट-3 में आएंगे। सनराइजर्स इस बार उन्हें कम पैसे देकर खरीदना चाहेगी। वहीं, पंजाब किंग्स, मुंबई इडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइटराइडर्स भी उन पर बोली लगाते नजर आएंगी।

**मयंक अग्रवाल । विस्फोटक ओपनर**

आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स के कप्तान रहे मयंक अग्रवाल को टीम ने 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। कप्तानी के दबाव में मयंक पिछले सीजन में 122.50 के स्ट्राइक रेट से 196 रन ही बना सके थे। लेकिन, ओवरऑल आईपीएल के 123 मैचों में उन्होंने 134.28 के स्ट्राइक रेट से 2385 रन बनाए। 2020 से आईपीएल में उनका स्ट्राइक रेट पृथ्वी शॉ और जोस बटलर के बाद तीसरे नंबर पर है। 2019, 2020 और 2021 के आईपीएल सीजन में उन्होंने 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। ओवरऑल 185 टी-20 मैचों में उन्होंने 134.57 के स्ट्राइक रेट से 4278 रन बनाए हैं। मौकों के अभाव में मयंक का प्रदर्शन आंकड़ों में खास नजर नहीं आता। लेकिन, स्किल सेट के मामले में वह भारत के कप्तान केएल राहुल की बराबरी पर खड़े नजर आते हैं।

# इतिहास में दर्ज होगा 'ग्रीन इंडिया चैलेंज' कार्यक्रम : सोमेश कुमार

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने कहा कि एक करोड़ लोगों को ऑक्सीजन देने वाले पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी है। आज अपना जन्मदिन मनाने के लिए, उन्होंने "ग्रीन इंडिया चैलेंज" के तहत हैदराबाद के नेकलेस रोड के संजीवय्या पार्क में एक पौधा लगाया। तत्पश्चात, सोमेश कुमार ने कहा कि राज्यसभा सदस्य जोगिनीपल्ली संतोष कुमार द्वारा समाज के प्रति उत्तरदायित्व, आने वाली पीढ़ियों के कल्याण और प्रकृति के प्रति जागरूकता के लिए शुरू किया गया यह पौधा यज्ञम् ग्रीन इंडिया चैलेंज एक उत्कृष्ट कार्यक्रम है।

यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि जहां तक मैं जानता हूं, भारत के इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण का कोई अन्य कार्यक्रम और संगठन नहीं है। प्रकृति की पूजा करने वाले जोगिनीपल्ली संतोष कुमार द्वारा लिए गए इस वनयज्ञ में सभी लोग स्वेच्छा से पौधे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव की महत्वाकांक्षा "हरिताहरम" को और आगे ले जाएगी।

राज्यसभा सदस्य, "ग्रीन इंडिया चैलेंज" के नेता जोगिनीपल्ली संतोष कुमार को मेरी हार्दिक बधाई, जिन्होंने इतना अच्छा कार्यक्रम तैयार किया और मुझे मेरे जन्मदिन पर इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर दिया। सोमेश कुमार ने लोगों से "ग्रीन इंडिया चैलेंज" के साथ-साथ "हरिताहरम" में भाग लेकर पौधे लगाने की अपील की। इस कार्यक्रम में ग्रीन इंडिया चैलेंज कंपनी के संस्थापक राघवेंद्र यादव, एचएमडीए के अधिकारी व अन्य ने भाग लिया।

# सीसीटीवी प्रशिक्षण बहुत उपयोगी : भागवत

## आईटी सेल के कर्मचारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी महेश भागवत ने सुझाव दिया कि आईटी सेल के कर्मचारियों को तकनीक अपनाने में हमेशा आगे रहना चाहिए। राचकोंडा आयुक्त महेश भागवत के निर्देशानुसार आईटी सेल के कर्मचारियों को सीसी कैमरों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। नेशनल सीसीटीवी ट्रेनर मदन मोहन के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के बारे में बात करते हुए महेश भागवत ने आज नेराडमेट कार्यालय में कहा कि इस तरह का सीसीटीवी प्रशिक्षण आईटी सेल के कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि राचकोंडा में अपने कर्मचारियों को हर छह महीने में एक बार इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिससे एआई तकनीक पेश की जाएगी और अपराध नियंत्रण के हिस्से के रूप में इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे। ट्रेनर मदन मोहन को सीपी महेश भागवत ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस सीसीटीवी प्रशिक्षण में एम श्रीधर रेड्डी इंस्पेक्टर आईटी सेल, डी. सुनील एसआई, सुधाकर एसआई, श्रीकांत आरएसआई, आईटी सेल के कर्मचारी शामिल हुए।

# तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), एलबी नगर जोन की टीम ने मल्काजगिरी पुलिस के साथ मिलकर तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में मेडचल मल्काजगिरी जिले के माचा बोलारम निवासी बी. सुमित कुमार सिंह, ओल्ड बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद निवासी कोंडामादुगु डेनियल और हनुमानपेट, मल्काजगिरी निवासी गंडोरी आरोन जोसेफ शामिल है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से लाइसेर्जिक एसिड डायथाइलैमाइड (एलडीएस) 15, दो मोटर साइकिल और तीन मोबाइल फोन मिला है। जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार आरोपी बी. सुमित कुमार सिंह माचा बोलारम, मेडचल मलकजगिरी जिले का निवासी है और उसने भारती विद्या भवन, डिग्री कॉलेज, सैनिकपुरी, सिकंदराबाद से बी.एससी कंप्यूटर पूरा किया। वर्तमान में वह नौकरी की तलाश में है। जब वह अलवाल में श्री चैतन्या जूनियर कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहा था, तब उसका एक सहपाठी यशवंत उसके संपर्क में आया और दोस्त बन गया। वर्तमान में यशवंत गोवा में रह रहा है। आरोपी सुमित कुमार सिंह नशीला पदार्थ सेवन करने का आदी है और वह यशवंत से खरीदता था। यशवंत इंस्टाग्राम के जरिए गोवा अपने ऐशो-आराम के जीवन के लिए जरूरतमंद ग्राहकों को ड्रग्स बेचना और अवैध रूप से कमाई करना शुरू कर दिया। वह इस काम में उसने आरोपी कोंदामादुगु डेनियल, सुमित, जोसेफ को शामिल कर लिया। विश्वसनीय सूचना पर 21 दिसंबर की शाम को एसओटी, एलबी नगर की टीम ने मलकजगिरी पुलिस के साथ आरोपियों को मल्काजगिरी स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

# बेंगलुरु में दक्षिणी कमान सेना दिवस पर परेड 15 जनवरी को

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 15 जनवरी 2023 को सेना दिवस परेड दिल्ली के बाहर प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करने की प्रधानमंत्री की पहल के अनुरूप बेंगलुरू में दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित की जाएगी। हर साल 15 जनवरी को मनाया जाने वाला सेना दिवस, भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ, फील्ड मार्शल केएम करियप्पा द्वारा 15 जनवरी 1949 को अपने ब्रिटिश पूर्ववर्ती की जगह औपचारिक रूप से लेने का प्रतीक है। जबकि बेंगलुरु में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण भारत के लोगों की राष्ट्र के लिए वीरता, बलिदान और सेवाओं की पहचान है। यह फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि भी है। वे कर्नाटक के रहने वाले थे। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे 15 जनवरी 2023 को शहीदों का सम्मान करने और सेना दिवस परेड की अध्यक्षता करने के लिए बेंगलुरु में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

# तेलंगाना शहीद स्मारक के कार्यों में तेजी लाई जाए

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने बुधवार को हुसैन सागर के पास बन रहे तेलंगाना शहीद स्मारक के चल रहे निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने ठेका एजेंसी को गुणवत्ता से समझौता किए बिना चौबीसों घंटे काम सुनिश्चित करने के लिए जनशक्ति बढ़ाकर कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। वर्तमान में, स्मारक के चारों ओर स्टेनलेस स्टील की चादरें लगाने का कार्य लगभग पूरा होने वाला है। मंत्री ने मुख्य प्रवेश द्वार, फर्श, फव्वारा क्षेत्र, तेलंगाना तल्ली मूर्ति, भूनिर्माण क्षेत्र, संग्रहालय, फोटो गैलरी, सभागार और रेस्तरां से संबंधित विभिन्न कार्यों की जांच की जो पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं।

# भारत को 'जिम्मेदार नेताओं' की जरूरत है, 'सोए हुए चौकीदारों' की नहीं : कविता

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के किसान विरोधी और कॉर्पोरेट-परस्त नीतिगत फ़ैसलों पर तीखा हमला करते हुए, बीआरएस एमएलसी के. कविता ने कहा कि देश के 'चौकीदार' होने का दावा करने वाले बीजेपी नेता, कॉर्पोरेट 'लुटेरों' के रूप में भी गहरी नींद में है। बैंकों का कर्ज नहीं चुका रहे हैं और देश से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि बकाया राशि वसूलने के बजाय केंद्र दूध और दही जैसी आवश्यक वस्तुओं पर भी कर लगाकर कर्ज माफ कर रहा है और किसानों और गरीबों पर बोझ डाल रहा है।

उन्होंने गुरुवार को निजामाबाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि राज्यसभा में हाल ही में दिए गए एक जवाब का हवाला देते हुए कविता ने कहा कि देश में कॉरपोरेट्स के 19.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज को राइट ऑफ कर दिया गया। उन्होंने देश के लोगों से भाजपा सरकार की विफलताओं को महसूस करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें अब यह महसूस करना चाहिए कि इस देश में 'चौकीदार' बनने का वादा करने वाले नेता, पार्टी, सरकार सो रहे हैं, जबकि कॉरपोरेट इस देश को लूट रहे हैं और भाग रहे हैं। हमें सोने वाले 'चौकीदारों' की जरूरत नहीं है। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए 'जिम्मेदार नेताओं' (जिम्मेदार नेताओं) की जरूरत है कि इस देश की संपत्ति इस देश में रहे। विधायक ने मांग की कि अगर एनडीए सरकार ईमानदार है तो उसे इन सभी लुटेरों को देश में वापस लाना चाहिए और बकाया ऋणों की वसूली करनी चाहिए। कृपया अपनी चौकीदारी ठीक से करें। किसानों या गरीब लोगों पर बोझ डालना और दूध और दही जैसी आवश्यक वस्तुओं पर कर लगाना देश का नेतृत्व करने का तरीका नहीं है, उसने कहा। कविता ने केंद्र द्वारा तेलंगाना सरकार को मनरेगा कार्यों के संबंध में 150 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी करने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बीआरएसकेंद्र के दोहरे मानकों और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ शुक्रवार को राज्य में 'महाधरना' आयोजित करेगी।

# मनरेगा के कार्यान्वयन पर केंद्र के आरोपों का विरोध करेगी बीआरएस

## केटीआर ने किया राज्यव्यापी विरोध का आह्वान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत अनाज सुखाने के चबूतरों के निर्माण पर केंद्र सरकार की आपत्ति के विरोध में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने एक आह्वान किया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने शुक्रवार को तेलंगाना में मनरेगा फंड के डायवर्जन पर केंद्र के आरोपों का विरोध करते हुए राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन करने के लिए पार्टी कैडर को बुलाया। उन्होंने किसानों से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से यह बताने की मांग की कि योजना के तहत तेलंगाना में फसल सुखाने के चबूतरे के निर्माण को नियमों के खिलाफ कैसे कहा जा सकता है, जबकि अन्य राज्यों में मछली सुखाने के चबूतरे का निर्माण करना उचित है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार द्वारा कई किसान कल्याण कार्यक्रम शुरू करने के बावजूद भाजपा तेलंगाना के खिलाफ भेदभाव के साथ काम कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना किसानों के लाभ के लिए सुखाने वाले प्लेटफॉर्म का निर्माण करने वाला पहला राज्य है। अच्छे काम की सराहना करने के बजाय, भाजपा स्पष्ट रूप से प्रतिशोध की मांग कर रही है और लोगों के बीच तेलंगाना सरकार की छवि को धूमिल करने पर आमादा है। केंद्र सरकार फसल सुखाने के चबूतरों के निर्माण में राज्य सरकार की गलती कैसे निकाल सकती है, जबकि उसी योजना के तहत अन्य राज्यों में मछली सुखाने के चबूतरों का निर्माण करने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। रामाराव ने याद दिलाया कि बीआरएस के साथ-साथ राज्य सरकार बार-बार केंद्र सरकार से मनरेगा को कृषि कार्यों से जोड़ने और योजना का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध कर रही है। हालाँकि, केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जो अब उस योजना को कमजोर करने का इच्छुक है, जो देश भर के लोगों के लिए आजीविका प्रदान कर रही थी। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे समय में जब कोविड के बाद रोजगार के अवसर कम हो गए हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट में है, केंद्र ने मनरेगा को आवंटित धनराशि कम कर दी है और विभिन्न नियम लागू किए हैं।

यह कहते हुए कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना राज्य को 750 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 79,000 सुखाने वाले प्लेटफार्मों के निर्माण से रोका है, उन्होंने सवाल किया कि अगर रोजगार गारंटी योजना से किसानों को लाभ होता है तो क्या गलत है। केटीआर ने कृषि और संबद्ध कार्यों को योजना में शामिल करने की मांग की और कहा कि यह कदम अधिक किसानों के लिए सहायक होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.